सूर्योदय 5:19 सूर्यास्त 7:29

आज का तापमान

शिमला	16.6 न्यू	34.4 अधि
धर्मशाला	16.4 न्यू	31.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,991
निफ्टी	24,022

सोना 1,44,000 चांदी 2,27000

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

MODGIL DIAGNOSTIC LAB 24 घंटे सेवा
Sample Collection Service From Home
KANGRA (TANDA) CHAMBA PAPROLA
MODGIL DIAGNOSTIC LAB
CHAMBA, (Near Pt. JLN Govt. Medical College)
Contact No.: 01899-350129
62305-18484, 70189-50289
Email: modgildiagnosticlabchamba@gmail.com

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | वीरवार, 25 जून 2026 | 11 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 177, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

हिमाचल का शाही होटल जाएगा 30 साल की लीज पर !

वाइल्ड फ्लावर हॉल पर सुक्खू सरकार का बड़ा दांव, 24 करोड़ की बोली से शुरू होगी दौड़

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित और आलीशान पर्यटन संपत्तियों में शुमार वाइल्ड फ्लावर हॉल को लेकर सुक्खू सरकार ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने पर्यटन व कारोबारी जगत दोनों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वर्षों तक चली कानूनी जद्दोजहद में जीत हासिल करने के बाद अब सरकार इस बेशकीमती संपत्ति को नए दौर में ले जाने की तैयारी में है। छराबड़ा की हसीन वादियों में बसे इस शाही होटल को 30 वर्षों की लंबी लीज पर देने का ऐलान कर दिया गया है। सरकार को उम्मीद है कि यह कदम न सिर्फ पर्यटन को नई रफ्तार देगा, बल्कि राज्य के खजाने में भी भरपूर आमदनी लेकर आएगा।

जानकारी के अनुसार पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा जारी निविदा के अनुसार होटल के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव के लिए ई-ऑक्शन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों को 24 करोड़ रुपए की बिड सिक्योरिटी जमा करनी होगी, जबकि निविदा दस्तावेज की कीमत पांच लाख

वाइल्ड फ्लावर हाल का खूबसूरत नजारा।

रुपए निर्धारित की गई है। सरकार ने साफ कर दिया है कि केवल वही कंपनी आगे बढ़ सकेगी जो वित्तीय और तकनीकी दोनों कसौटियों पर खरी उतरेगी। निविदा की शर्तें भी कम दिलचस्प नहीं हैं। चयनित कंपनी को होटल के संचालन के साथ अगले दो वर्षों के भीतर कम से कम 50 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश करना होगा। इसके अलावा होटल की कुल आय का न्यूनतम 30 प्रतिशत हिस्सा सरकार को देना होगा। साथ ही हर महीने दो करोड़ रुपए की न्यूनतम गारंटी फीस भी तय की गई है। पर्यटन क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इन शर्तों के बावजूद देश के कई बड़े होटल समूह और निवेशक इस परियोजना में दिलचस्पी दिखा सकते हैं।

करीब 8,250 फीट की ऊंचाई पर स्थित वाइल्डफ्लावर हॉल हिमाचल की शान माना जाता है। लगभग 77 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली यह संपत्ति प्राकृतिक सौंदर्य और लक्जरी सुविधाओं का अनूठा संगम है। होटल में 85 कमरे, अत्याधुनिक स्पा, स्विमिंग पूल, जिम और भव्य बैंक्वेट सुविधाएं उपलब्ध हैं। यही वजह है कि वर्षों से देश की कई नामचीन हस्तियां यहां ठहरती रही हैं और यह स्थान अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच भी खास पहचान रखता है।

राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार ने खोला ई-ऑक्शन का रास्ता

सरकार ने ई-ऑक्शन प्रक्रिया को दो चरणों में बांटा है। पहले चरण में तकनीकी मूल्यांकन होगा, जबकि दूसरे चरण में योग्य बोलीदाताओं के बीच ऑनलाइन नीलामी आयोजित की जाएगी। बुधवार को तकनीकी बोलियों का आगाज हो गया है, 7 अगस्त को ई-ऑक्शन होगा और 22 अगस्त को पसंदीदा बोलीदाता की घोषणा की जाएगी। लिहाजा, इस फैसले से हिमाचल के पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और वाइल्डफ्लावर हॉल एक बार फिर देश की सबसे चर्चित पर्यटन संपत्तियों में शुमार होगा।

सीएम सुक्खू का किन्नौर दौरा रद्द, खराब मौसम में हेलिकॉप्टर ने नहीं भरी उड़ान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। किन्नौर किन्नौर के पूह विकास खंड की ग्राम पंचायत रारंग में आयोजित 5 दिवसीय राज्यस्तरीय गुरु संज्ञास मेला पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी को अंतिम दिन मुख्यातिथि के रूप में शामिल होना था। हालांकि, खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका और वे कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए। उनकी अनुपस्थिति में बौद्ध धर्मगुरु छोईगेन रिंपोछे ने मेले का विधिवत समापन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए छोईगेन रिंपोछे ने बताया कि खराब मौसम के बावजूद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने 2 बार आने का गंभीर प्रयास किया और वे हेलिपैड तक भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का दो बार प्रस्थान करना ही इस क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत बड़ी बात है। रिंपोछे ने पांच दिवसीय सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, मूरंग के तहसीलदार और सभी संचालकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने इस धार्मिक व सांस्कृतिक उत्सव के पुण्य को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरे प्रदेश की खुशहाली, सुख और शांति के लिए समर्पित किया।

बसें नहीं चलानी तो सौंप दें चाबियां : डिप्टी सीएम

सरकार और हड़ताल पर जाने वाले एचआरटीसी कर्मियों के बीच सहमति बनाने के प्रयास

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। एचआरटीसी कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। एक ओर कर्मचारी संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने साफ संकेत दे दिए हैं कि किसी भी कीमत पर प्रदेश की बस सेवाएं बाधित नहीं होने दी जाएंगी। उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बुधवार को शिमला में स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि चालक और परिचालक बसें नहीं चलाना चाहते तो वे बसों की चाबियां निगम को सौंप दें, लेकिन कानून हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद एचआरटीसी कर्मचारियों और पेंशनरों को समय पर वेतन एवं पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया गया है। सरकार एक महीने की भी डिफॉल्टर नहीं रही है तथा कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और पुरानी पेंशन योजना जैसे लाभ

शिमला में एचआरटीसी कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को लेकर पत्रकारों से बातचीत करते उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री। अनंत ज्ञान

सरकार वार्ता के लिए तैयार, अब निगाहें हाईकोर्ट की सुनवाई पर

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि सरकार बातचीत के माध्यम से हर विवाद का समाधान चाहती है और संवाद के दरवाजे आज भी खुले हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई बैठक में कर्मचारियों की ओर से कोई वित्तीय मांग प्रमुख रूप से नहीं उठाई गई, बल्कि तबादलों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। इस बीच एचआरटीसी चालक-परिचालक यूनियन से जुड़ा मामला उच्च न्यायालय पहुंच चुका है, जिस पर गुरुवार को सुनवाई प्रस्तावित है। ऐसे में प्रदेश भर की निगाहें अब अदालत और सरकार-कर्मचारी वार्ता के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

भी प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों के सम्मान और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन जनहित से जुड़े परिवहन तंत्र को ठप करना उचित नहीं माना जा सकता।

मुकेश अग्निहोत्री ने दो टूक कहा कि प्रस्तावित चक्का जाम गैर-कानूनी है और प्रदेश में लागू एस्मा (आवश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम) के तहत सरकार आवश्यक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यात्रियों को बीच रास्ते में उतारना, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या बस संचालन में बाधा डालना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने सभी डिपो स्तर पर स्थिति पर नजर रखने और बस सेवाएं सुचारु रखने के निर्देश भी दिए हैं।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि एचआरटीसी को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने पिछले अढ़ाई वर्षों में 813 नई बसें खरीदी हैं, जिनमें 279 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। इसके अलावा हजारों कर्मचारियों को नियमित किया गया है तथा कई नई भर्तियां भी की गई हैं। इसी बीच, बुधवार शाम सचिवालय में सरकार और हड़ताल पर जाने वाले एचआरटीसी कर्मियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक हुई जिस पर दोनों पक्ष सहमति बनाने के प्रयास में जुटे हुए थे।

100 करोड़ से अधिक की देनदारी अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे एचआरटीसी कर्मचारी : मान सिंह

एचआरटीसी ड्राइवर यूनियन के अध्यक्ष मान सिंह ठाकुर ने कर्मचारियों की हड़ताल को उनका अधिकार बताते हुए कहा कि कर्मचारी कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं मांग रहे, बल्कि वर्षों से लंबित अपने वैध वित्तीय लाभों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम और सरकार पर कर्मचारियों के नाइट ओवरटाइम, महंगाई भत्ते की बकाया किस्तों तथा मेडिकल बिलों सहित 100 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारी लंबित है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मान सिंह ने कहा कि एसमा लगाए जाने के बावजूद कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं और सरकार को टकराव का रास्ता छोड़कर कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान करना चाहिए, ताकि निगम की सेवाएं भी सुचारु रहें और कर्मचारियों को उनका हक भी मिल सके।

किन्नौर में बादल फटने से काचरंग नाले में तबाही; पुल बहा, सड़कें क्षतिग्रस्त

फ्लैश फ्लड के बाद हुई तबाही का दृश्य।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, किन्नौर/शिमला। किन्नौर जिले के भावानगर क्षेत्र स्थित काचरंग में मंगलवार देर रात बादल फटने की घटना से भारी तबाही मच गई। रात करीब तीन बजे काचरंग नाले में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने क्षेत्र की आधारभूत संरचनाओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया। तेज बहाव के कारण एक पैदल पुल बह गया, जबकि स्थानीय सड़कें क्षतिग्रस्त होने से कई क्षेत्रों का संपर्क प्रभावित हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार बाढ़ के साथ आए भारी मलबे ने कृषि और बागवानी क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। कई स्थानों पर सेब के पेड़ टूट गए हैं तथा बगीचों और खेतों में मलबा भर गया है। बागवानों को इस प्राकृतिक आपदा से भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। स्थानीय लोगों के अनुसार नाले का जलस्तर कुछ ही मिनटों में खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिससे आसपास के ढांचे इसकी चपेट में आ गए। फ्लैश फ्लड के कारण जल शक्ति विभाग की कई पेयजल पाइपलाइनें तथा एक भंडारण टैंक भी क्षतिग्रस्त हो गया है। विभागीय टीमें मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रही हैं और पेयजल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। राहत की बात यह रही कि काचरंग गांव नाले से पर्याप्त दूरी पर होने के कारण बाढ़ का पानी आबादी वाले क्षेत्र तक नहीं पहुंचा और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रशासन, जल शक्ति विभाग और स्थानीय ग्रामीण राहत एवं पुनर्बहाली कार्यों में जुटे हुए हैं।

प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। क्षतिग्रस्त सड़क, पुल और पेयजल योजनाओं को शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार प्राकृतिक आपदा से सार्वजनिक संपत्तियों के साथ-साथ बागवानी क्षेत्र को भी उल्लेखनीय क्षति पहुंची है।

लाहुल का 'चंद्रभागा संगम स्थल' लेह लद्दाख और तिब्बत के लिए है 'हरिद्वार'

अनंत ज्ञान

◆ बौद्ध युग में स्वर्ग का पानी व मुगलों ने दिया चिनाब नाम, संगम पर द्रोपदी का हुआ है दाह संस्कार, लोमश ऋषि की रही है तपोस्थली

कमलेश वर्मा, केलांग। जिला लाहुल-स्पीति में चंद्रा और भागा नदियों का पावन संगम तांदी केवल दो जलधाराओं का मिलन नहीं, बल्कि सदियों पुराने इतिहास, अध्यात्म और आस्था का जीवंत प्रतीक माना जाता है। यह स्थल पश्चिमी हिमालय, लेह-लद्दाख और तिब्बती बौद्ध अनुयायियों के लिए अत्यंत पूजनीय तीर्थ के रूप में जाना जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जब यह क्षेत्र भारी बर्फबारी के कारण देश के अन्य हिस्सों से कट जाता था, तब लोग अपने परिजनों की अस्थियां मोक्ष की कामना के साथ इसी संगम में प्रवाहित करते थे। वर्तमान में अटल टनल के खुलने और विकास योजनाओं के चलते यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में उभरने की संभावनाएं रखता है।

इतिहास पर नजर डालें तो चंद्रा-भागा नदी ने कई युग देखे हैं। बौद्ध काल में इसे 'तंगती' यानी स्वर्ग का जल कहा गया। बौद्ध ग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। अरबी और फारसी काल में इसे 'चिनाब' नाम दिया गया, जबकि यूनानी ग्रंथों में इसे 'हाईपसिस' कहा गया। वैदिक काल में ऋग्वेद में इसे 'अस्किनी' नाम से वर्णित किया गया है। वहीं पौराणिक ग्रंथों जैसे शिव पुराण और महाभारत में इसे चंद्रभागा कहा गया है।

यहां द्रोपदी का हुआ था अंतिम संस्कार

वहीं, बौद्ध सिद्ध घंटापा ग्रंथ में विस्तार से बताया गया है कि इसी संगम पर द्रोपदी का अंतिम संस्कार हुआ था। ग्रंथ में यह भी दर्शाया गया है कि यह स्थल लोमश ऋषि की तपोस्थली है। लाहुल के तांदी में 'चंद्रा' और 'भागा' नदियां मिलती हैं। वर्तमान में इस नदी को लाहुल-स्पीति में चंद्रभागा व वहां से आगे चिनाब के नाम से जाना जाता है। जोकि आगे जम्मू व कश्मीर से होते हुए पाकिस्तान में सिंधु नदी से जाकर मिलती है। स्थानीय लाहुल वासी चंद्र मोहन परशीरा, मोहन लाल, शाम चंद, ग्यालजन, शेर सिंह सहित अन्य के अनुसार महाभारत काल में द्रोपदी की अस्थियां विसर्जित की गई थी और उसके बाद अस्थि विसर्जन की परंपरा रही। लाहुल स्पीति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, विश्व हिंदू परिषद के संस्थापक अशोक सिंघल की अस्थियां भी चंद्रभागा संगम स्थल में विसर्जित की गई हैं।

स्थल को विकसित करने की मांग

स्थानीय लोगों की मांग है कि संगम स्थल को विकसित करने की दिशा में उचित कदम उठाने की मांग लगातार उठ रही है। लोगों के अनुसार इस स्थल का वर्तमान में विकास होना आवश्यक है जिससे यहां की धार्मिक आस्था व नदी के इतिहास को बरकरार रखा जा सके। हालांकि भविष्य में यहां पर हरिद्वार की तर्ज पर घाट बनाने की भी योजना है।

चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना को मिली है मंजूरी

केंद्र सरकार ने चिनाब नदी के पानी का अधिकतम उपयोग करने और पाकिस्तान जाने वाले अतिरिक्त जल को मोड़ने के लिए महत्वाकांक्षी चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस 2,352 करोड़ की परियोजना का निर्माण कार्य अगस्त में शुरू होकर जुलाई 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है।

हिमाचल में कई जगह झमाझम बरसे बादल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट लेते हुए लोगों को गर्मी से बड़ी राहत दी। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के कई हिस्सों में दिनभर रुक-रुक कर झमाझम बारिश होती रही। शिमला, सोलन, ऊना और आसपास के क्षेत्रों में बादलों की मेहरबानी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। रिज, मालरोड और अन्य पर्यटन स्थलों पर बारिश के बीच मौसम का खुशनुमा नजारा देखने को मिला। लिहाजा, बारिश के चलते प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में कमी दर्ज की गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार आगामी दो से तीन दिनों तक प्रदेश के विभिन्न भागों में हल्की से मध्यम बारिश का क्रम जारी रह सकता है। शिमला, धर्मशाला, पालमपुर, मनाली और ऊपरी क्षेत्रों में मौसम सुहावना बना हुआ है, जबकि मैदानी इलाकों में भी गर्मी का असर कम हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है।

शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 24 से 26 जून तक प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना बनी रहेगी, जबकि 29 और 30 जून को बारिश की गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। फिलहाल हिमाचल में मानसून की औपचारिक एंट्री को लेकर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। आने वाले दिनों में बादलों की आवाजाही और वर्षा का सिलसिला जारी रहने के आसार हैं।

रिज-मालरोड पर बारिश के बीच उमड़ी रौनक

बारिश के बाद राजधानी शिमला के प्रसिद्ध रिज मैदान और मालरोड का नजारा बेहद मनमोहक दिखाई दिया। पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने ठंडी हवाओं और फुहारों का आनंद लिया। मौसम सुहावना होने से पर्यटन गतिविधियों में भी नई रौनक देखने को मिली।

बटाला में जमीनी झगड़े में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, बटाला। पंजाब के गुरदासपुर के जिला बटाला के सेखवां थाने के गांव मुंडी कराल में देर रात जमीन के झगड़े के चलते एक भयानक घटना हुई, जिससे पूरा इलाका दहल गया है। जहां एक युवक ने अपनी चाची और नाबालिग चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद जब उसका दोस्त (जो फौजी बताया जा रहा है) उसे रोकने के लिए आगे आया तो उसे भी गोली मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई।

घटना के बाद उक्त युवक अपने घर वापस गया और किचन में खुद को गोली मारकर अपनी जान दे दी। इस तरह, एक ही परिवार के सदस्यों और एक बाहरी व्यक्ति समेत कुल चार लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही सेखवां थाने की पुलिस और बटाला के डीएसपी सिटी सुखिंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हर एंगल से मामले की अच्छी तरह से जांच कर रही है और आगे के फैक्ट्स कन्फर्म किए जा रहे हैं।

खबर लिखे जाने तक पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने चारों शवों को अपने कब्जे में लेकर सिविल हॉस्पिटल बटाला के डेड हाउस में रखवा दिया है।

अनदेखी नए टेंडर के बाद शुरू होगी सप्लाई, कई बसें रूट पर जाने से रोकीं

एचआरटीसी बसों के पहिए फटेहाल, डेढ़ माह से नहीं मिले नए टायर

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। 'सजग साधना सविनय सेवा' एचआरटीसी की बसों पर लिखा गया यह स्लोगन शायद अब 'बेमानी' साबित हो रहा है। कारण यही है कि यह सेवा उस दर्जे के मुताबिक यात्रियों की उम्मीद पर खरा नहीं उतर पा रही है, जिस समय यह स्लोगन निगम की शुरुआत के समय लिखा गया था। निगम की बसें मुकम्मल तौर पर इस समय फटेहाल हो चुकी हैं। नया फ्लीट आ नहीं रहा और रही-सही कसर अब मौजूदा फ्लीट के लिए नए टायरों की कमी मुंह फुलाकर खड़ी हो चुकी है। हिमाचल के किसी भी डिपो में पिछले डेढ़ महीने से एक भी नया टायर सप्लाई नहीं हो पाया है जिस कारण टायरों की अदला-बदली करके व्यवस्था को चलाने की हामी भरने वाले अधिकारी और वर्कशॉप के तकनीकी कर्मचारी भी परेशानी में है। रूट पर बस

फतेहाल टायर।

निकलती तो है, लेकिन खुद ड्राइवर को भी पता नहीं होता, कि टायर कब धोखा दे जाए। निगम के उच्च अधिकारियों ने टायरों की सप्लाई डेढ़ माह से क्यों बंद कर रखी है? या जहां से यह सप्लाई ली जाती है, उन्होंने इसे देने से मना क्यों किया। इस पर भी सवाल है। समय रहते नई सप्लाई के लिए टेंडर क्यों नहीं हुआ? इस पर भी निगम के अधिकारी 'कटघरे' में हैं। अब यदि हर एक डिपो को हर महीने 25 से 35 नए टायरों की सप्लाई नियमित रूप में हुआ करती थी और वह डेढ़ महीने से बंद हो गई हो, तो फिर निगम की बसों के टायरों की हालत अपने आप ही बयां हो जाती है। हमीरपुर स्थित निगम के मंडलीय प्रबंधक राजकुमार पाठक से जब इस बाबत जानना चाहा, तो उनका कहना था कि थोड़ी दिक्कत है। लेकिन बहुत जल्दी यह समस्या हल हो रही है। सप्लाई शुरू हो जाएगी। उच्च अधिकारियों से बातचीत हो गई है।

कई बसें डिपो में खड़ी

सूत्रों के मुताबिक कई डिपुओं में ऐसी बसों को जिनके टायर बेहद खस्ता हालत में हैं, जिनका रवड़ निकल गया है और धागे भी निकल रहे हैं। उन बसों को रूट पर भेजने का खतरा अबाधिकारी मोल नहीं ले रहे एसी बसों को अब खड़ा कर दिया गया है। यह बसें सभी डिपुओं में देखी जा सकती हैं, लेकिन अधिकारी कोई भी कुछ भी कहने से गुरेज कर रहे है। हमीरपुर डिपो में भी ऐसी कई बसें वर्कशॉप के बाहर खड़ी देखी जा सकती हैं जिनके टायर फटेहाल हैं।

शिमला में प्री-मानसून की झमाझम बारिश

अनंत ज्ञान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून देरी से दस्तक देगा। हालांकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में प्री-मानसून की वर्षा हो रही है। राजधानी शिमला में 2-3 दिनों के अंतराल के बाद बुधवार सुबह लगभग 10 बजे से बारिश का दौर जारी है। लगातार बरस रहे बादलों से शहर का तापमान नीचे आ गया और लोगों को जून के अंतिम सप्ताह में ठंडक का अहसास होने लगा। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 30 जून तक मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना नहीं है और अलग-अलग हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां बनी रहेंगी।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक 6.0 मिलीमीटर वर्षा शिमला जिला के रोहड़ू में दर्ज की गई। इसके अलावा बरठीं (बिलासपुर) में 5.6 मिमी, चौपाल में 5.0 मिमी, चंबा में 2.0 मिमी तथा भाबानगर (किन्नौर) में हल्की वर्षा रिकॉर्ड की गई। भुंतर में गर्जन-तड़ित की घटना दर्ज हुई, जबकि बिलासपुर में 63 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

30 जून तक खराब रहेगा मौसम

मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 25 जून को प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा की संभावना है। 26 जून को भी अनेक क्षेत्रों में इसी तरह की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। 27 और 28 जून को कुछ स्थानों पर बारिश होने के आसार हैं। इसके बाद 29 और 30 जून को राज्य में अपेक्षाकृत व्यापक स्तर पर वर्षा गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। हालांकि फिलहाल किसी भी दिन आंधी, बिजली या तेज हवाओं को लेकर कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है।

पेयजल एवं सीवरेज के लिए एक करोड़ रुपए जारी: डिप्टी सीएम

रोहड़ू, चिड़गांव और हाटकोटी में सीवरेज व्यवस्था सुदृढ़ करने की तैयारी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा है कि राज्य सरकार शहरों से लेकर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों तक पेयजल, सिंचाई और सीवरेज सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में बुधवार को परिधि गृह रोहड़ू में आयोजित जल शक्ति विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया और कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने राज्य मद के तहत रोहड़ू मंडल में निर्माणाधीन 43 पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए इनके शीघ्र क्रियान्वयन के लिए एक करोड़ रुपए तत्काल जारी करने की घोषणा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि क्षेत्र के हजारों लोगों को नियमित और बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके। रोहड़ू शहर की सीवरेज व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इसके संवर्धन के लिए लगभग 41 करोड़ रुपए का प्राक्कलन तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार को देखते हुए रोहड़ू के लिए मजबूत सीवरेज व्यवस्था समय की आवश्यकता है और इसके लिए बजटीय प्रावधान सुनिश्चित किए जाएंगे। जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि रोहड़ू मंडल में स्वीकृत 56 परियोजनाओं में से 50 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि छह परियोजनाओं पर कार्य जारी है। करीब 142 करोड़ रुपए की लागत वाली इन योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उपमुख्यमंत्री ने शेष परियोजनाओं को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

जल शक्ति विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते उपमुख्यमंत्री मुकेश।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत चल रही परियोजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि 11 में से 9 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और दो पर कार्य प्रगति पर है। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इन योजनाओं के पूरा होने से किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं मिलेंगी तथा कृषि उत्पादन को नई मजबूती मिलेगी। बैठक में जल शक्ति विभाग के बढ़ते कार्यभार को देखते हुए रोहड़ू मंडल में तीन एसडीओ और सात कनिष्ठ अभियंताओं के पदों की आवश्यकता भी उठाई गई। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन के लिए इन पदों को भरने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

मुकेश ने कहा कि प्रदेश सरकार जल प्रबंधन प्रणाली को अधिक प्रभावी, आधुनिक और जनहितैषी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में रोहड़ू के विधायक मोहन लाल ब्राक्टा, हिमफैड अध्यक्ष महेश्वर सिंह चौहान, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष छत्तर सिंह ठाकुर, एसडीएम रोहड़ू धर्मेश रामोत्रा तथा जल शक्ति विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बैठक में नमामि गंगे योजना के तहत रोहड़ू, चिड़गांव और हाटकोटी के लिए 41 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना का प्राक्कलन प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त रोहड़ू जलापूर्ति योजना और एसटीपी उन्नयन के लिए 65 करोड़ 70 लाख रुपए तथा चिड़गांव में जलापूर्ति एवं सीवरेज प्रणाली के संवर्धन के लिए 51 करोड़ 2 लाख रुपए की परियोजनाओं का प्रस्ताव भी रखे गए।

प्रशिक्षण पाकर सशक्त होंगे ईको टास्क फोर्स के जवान

एचएफआरआई में प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेते ईको टास्क फोर्स के अधिकारी व जवान।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमालयन फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट शिमला द्वारा 133 इको टास्क फोर्स डोगरा, कुफरी व 129 इको टास्क फोर्स जैक एलआई, सांबा जम्मू-कश्मीर के जवानों के लिए आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जवानों को वन संरक्षण, वनीकरण तथा पर्यावरणीय प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करना था, ताकि वे अपने दायित्वों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। एचएफआरआई की निदेशक मनीषा थपलियाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान बीज संग्रहण एवं नर्सरी प्रबंधन, विभिन्न वन प्रजातियों की वैज्ञानिक रोपण तकनीक, वनाग्नि शमन उपायों के साथ-साथ जियो-टैगिंग और केएमएल फाइलों के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में दोनों इकाइयों के नव-भर्ती जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने ज्ञान और कौशल में वृद्धि की।

◆ नवाचार आधारित प्रशिक्षण से बढ़ेगी कार्यक्षमता

वन संरक्षण अभियानों को मिलेगी नई गति

प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। 133 इको टास्क फोर्स एवं 129 इको टास्क फोर्स के कमांडिंग अधिकारियों ने एचएफआरआई की निदेशक, वैज्ञानिकों एवं संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम वन संरक्षण, वनीकरण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियानों को नई दिशा और गति प्रदान करेंगे तथा जमीनी स्तर पर इनके प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ब्यौंण-थाना सड़क की पासिंग से लोग गदगद

क्षेत्रवासियों ने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के प्रयासों को सराहा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत देवगढ़ के अंतर्गत ब्यौंण से थाना सड़क की सफल पासिंग होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसे लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी। लोगों का मानना है कि इस सड़क के बनने से सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

क्षेत्रवासियों ने इस उपलब्धि के लिए शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों और विकासोन्मुख सोच के कारण विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क सुविधा से जोड़ने की दिशा में सरकार प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य रेखा चौहान, नायब तहसीलदार कोटखाई कलम सिंह चौहान, पंचायत समिति सदस्य नरेंद्र पॉल चौहान, उपप्रधान रती राम केघटा, एसडीओ लोक निर्माण विभाग कुलदीप ठाकुर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ब्यौंण-थाना सड़क की पासिंग पर एकत्रित हुए स्थानीय लोग।

एक महीने से लापता व्यक्ति का पेड़ से लटका मिला शव

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिले के सुन्नी क्षेत्र में करीब एक महीने से लापता चल रहे 48 वर्षीय व्यक्ति का शव जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पुलिस को 23 जून को सूचना मिली थी कि बड़मैन धार के जंगल में एक व्यक्ति पेड़ से लटका हुआ दिखाई दे रहा है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जंगल के ढांक वाले क्षेत्र में एक देवदार के पेड़ की टहनी से पीली और लाल रंग की रस्सी के सहारे एक शव लटका हुआ मिला, जो काफी हद तक सड़-गल चुका था। पुलिस ने मौके पर शव का निरीक्षण किया। रस्सी, कपड़ों और शारीरिक बनावट के आधार पर आशंका जताई गई कि यह शव प्रेम प्रकाश का हो सकता है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 21 मई 2026 को पुलिस थाना सुन्नी में दर्ज करवाई गई थी। बाद में मृतक के पिता नील चंद, भाई इन्द्र तथा अन्य परिजनों और गांव के लोगों ने शव की पहचान प्रेम प्रकाश पुत्र नील चंद, निवासी गांव जुब्बड़, डाकघर दुर्गापुर, तहसील सुन्नी, जिला शिमला के रूप में की। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को पेड़ से नीचे उतारा। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस का कहना है कि मौत लगभग एक माह पहले हुई प्रतीत होती है। इसके बाद शव को सुन्नी नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखा गया।

एसएफआई की प्रदेश विवि इकाई ने कुलपति को ज्ञापन सौंप उठाई मांग

एचपीयू में प्रो-वाइस चांसलर का पद करें खत्म

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में प्रो-वाइस चांसलर के पद को समाप्त करने तथा वर्तमान कार्यकाल के बाद इस पद पर नई नियुक्ति न करने की मांग को लेकर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने इस संबंध में कुलपति को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि विश्वविद्यालय लगातार वित्तीय संकट का हवाला देकर छात्रों पर फीस वृद्धि का बोझ डाल रहा है, जबकि प्रशासनिक खर्चों में कटौती के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। एसएफआई का कहना है कि प्रो-वाइस चांसलर जैसे उच्च प्रशासनिक पद पर वेतन, वाहन, स्टाफ और अन्य सुविधाओं पर होने वाला खर्च विश्वविद्यालय के सीमित संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ है, जिसकी वर्तमान परिस्थितियों में समीक्षा की जानी चाहिए।

प्रो-वाइस चांसलर पद समाप्त करने के लिए कुलपति को ज्ञापन सौंपते एसएफआई पदाधिकारी।

संगठन ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय की अधिकांश प्रशासनिक शक्तियां कुलपति के पास केंद्रित हैं और लंबे समय तक यह पद रिक्त रहने के बावजूद विश्वविद्यालय का कार्य सामान्य रूप से संचालित होता रहा है। एसएफआई ने यह भी कहा कि सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी के गठन के बाद एचपीयू का प्रशासनिक दायरा पहले की अपेक्षा कम हुआ है, इसलिए प्रशासनिक ढांचे का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। संगठन ने आरोप लगाया कि 4 जून को कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद वर्तमान प्रो-वाईस चांसलर द्वारा फाइलों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं तथा उन्हें सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

नावर के शेखल में भाजपा में शामिल हुए 15 परिवार

चेतन सिंह बरागटा के साथ भाजपा में शामिल हुए लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। नावर क्षेत्र के शेखल गांव में भारतीय जनता पार्टी को उस समय और मजबूती मिली जब गांव के 15 परिवारों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी के प्रति अपना विश्वास जताया। यह सदस्यता अभियान जयवीर के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। भाजपा के युवा नेता एवं पूर्व प्रत्याशी चेतन सिंह बरागटा ने सभी नए सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी की विचारधारा और जनहितकारी नीतियों से प्रभावित होकर लोगों का लगातार जुड़ना संगठन की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

युवाओं ने एकता-जनभागीदारी का दिया संदेश

विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026 का भव्य समापन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। माय भारत द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में तथा 17वीं वाहिनी आईटीबीपी के सहयोग से आयोजित विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026 का भव्य समापन रिकांग पिओ स्थित आईटीबीपी बेस कैंप में आयोजित वैलेडिक्टरी सत्र के साथ संपन्न हुआ। सीमांत क्षेत्रों के समग्र विकास, युवा सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और सीमावर्ती गांवों के जीवन, संस्कृति तथा विकास की वास्तविक तस्वीर को करीब से समझा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागी अपने-अपने आवंटित गांवों से लौटे और उन्होंने मंच पर अपने अनुभव साझा किए। युवाओं ने बताया कि गांवों में बिताए गए दिनों ने उन्हें न केवल स्थानीय परंपराओं, संस्कृति और जनजीवन को समझने का अवसर दिया, बल्कि विकास की चुनौतियों और संभावनाओं को भी नजदीक से देखने का अनुभव प्रदान किया। प्रतिभागियों ने कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए सीखने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देने वाला एक अनूठा मंच साबित हुआ। समापन समारोह में किन्नौर के पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, 17वीं वाहिनी आईटीबीपी के उप कमांडेंट वरिंदर सिंह तथा माय भारत के राज्य निदेशक ध्रुव डोगरा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम प्रतिभागियों को सम्मानित करते अधिकारी।

पीरन स्कूल में विद्या बनीं एसएमसी अध्यक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीरन में बुधवार को प्रधानाचार्य राकेश वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित अभिभावकों की आमसभा में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन किया गया। सर्वसम्मति से विद्या कुमारी को एसएमसी अध्यक्ष तथा सरला शर्मा को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति की कमान इस बार महिलाओं के हाथों में आ गई है। आमसभा में पंचायत प्रधान निशा देवी सहित रंजना कुमारी, सरिता देवी, देवदत्त, परीक्षा, मदन, किरण, हेमा, सुष्मा, अशोक, नीरज, सुमन, कमलकांत और शबनम को गैर-सरकारी सदस्य बनाया गया, जबकि कृष्णा देवी, देविन्द्रा देवी, सुनील कुमार, मनोज कुमार, विष्मा देवी और खजान सिंह को सरकारी सदस्य नामित किया गया। प्रधानाचार्य राकेश वर्मा समिति के सदस्य सचिव होंगे।

हथियार से हमला कर युवक से छीनी नकदी और मोबाइल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिले के ठियोग क्षेत्र में एक युवक पर कथित रूप से धारदार हथियार से हमला कर उसका मोबाइल फोन और नकदी छीनने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कांगड़ा जिले के बैजनाथ तहसील के रिड़ा गांव निवासी अक्षित कटोच ने शिकायत दर्ज करवाई है कि वह इन दिनों अल्पाइन हॉलिडे में एफ एंड बी (सर्विस) विभाग में कार्यरत है। शिकायत में उसने आरोप लगाया है कि बीती रात कुछ लोगों ने उसे सड़क पर मिलने के लिए बुलाया। अक्षित कटोच के अनुसार जब वह बताए गए स्थान पर पहुंचा तो वहां मौजूद सुशील, विजय धांटा, अक्षय और एक अन्य व्यक्ति ने उस पर हमला कर दिया। उसने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने किसी धारदार हथियार से उस पर वार किया और सामूहिक रूप से उसकी पिटाई की। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि हमले के दौरान उसका मोबाइल फोन और 5 हज़ार रुपये नकद भी छीन लिए गए। घटना के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि थाना ठियोग में इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115(2), 126(2), 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एबीवीपी ने एचआरटीसी चालकों की अस्थायी नियुक्तियों का किया विरोध

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिमाचल प्रदेश ने एचआरटीसी चालक भर्ती में अस्थायी नियुक्तियों के निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए प्रदेश सरकार पर युवाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। परिषद के प्रदेश सह मंत्री भवानी ठाकुर ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले युवाओं को लाखों रोजगार और स्थायी नौकरी की गारंटी देने के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन वर्तमान में सरकार की नीतियां उन वादों के बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा वर्ग वर्षों तक कठिन परिश्रम कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है ताकि उसे सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार मिल सके, लेकिन सरकार नियमित पदों पर भर्ती करने के बजाय अस्थायी नियुक्तियों को बढ़ावा देकर युवाओं के भविष्य को असुरक्षित बना रही है। भवानी ठाकुर ने कहा कि चुनावों के दौरान स्थायी रोजगार की बात करने वाली सरकार अब अस्थायी भर्तियों को लागू कर अपनी कथनी और करनी का अंतर स्वयं उजागर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ रही है और सरकार युवाओं की अपेक्षाओं पर खरी उतरने में विफल रही है। विद्यार्थी परिषद का मानना है कि एचआरटीसी जैसे महत्वपूर्ण विभागों में नियमित भर्ती ही युवाओं और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था दोनों के हित में है। परिषद ने सरकार से मांग की है कि चालक भर्ती में प्रस्तावित अस्थायी नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से वापस लेकर सभी रिक्त पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं की मांगों की अनदेखी की गई तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

पत्रकार वार्ता करते एबीवीपी के प्रदेश सह मंत्री भवानी ठाकुर।

स्पोर्ट्स

अंतरराष्ट्रीय प्रो-बॉक्सिंग चैंपियनशिप का भव्य समापन, पांच देशों के मुक्केबाजों ने दिखाया दमखम

प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता: सीएम

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ऐतिहासिक रिज मैदान पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रो-बॉक्सिंग चैंपियनशिप के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरभद्र सिंह का प्रदेश के विकास और जनसेवा में योगदान अतुलनीय रहा है, जिसे हिमाचल की जनता सदैव याद रखेगी।

मुख्यमंत्री ने स्व.वीरभद्र सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन जनसेवा, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृति में आयोजित खेल प्रतियोगिता युवाओं को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ खेलों के प्रति आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

अंतरराष्ट्रीय प्रो-बॉक्सिंग चैंपियनशिप में एक महिलाओं के एक मुकाबले की शुरुआत करते सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू। अनंत ज्ञान

अंतरराष्ट्रीय प्रो-बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड के ख्यातिप्राप्त मुक्केबाजों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मुकाबलों के दौरान रिज मैदान खेल प्रेमियों के उत्साह से गूंजता रहा। प्रतियोगिता ने प्रदेश के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह युवाओं में नेतृत्व क्षमता, संघर्षशीलता, धैर्य और टीम भावना का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से युवा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा खेल अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन हिमाचल को राष्ट्रीय और वैश्विक खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। ऐसे आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को मंच मिलने के साथ-साथ खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश देश के अग्रणी खेल राज्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। समारोह में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह, विधायक हरीश जनारथा, हरदीप बावा, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, महापौर सुरेंद्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीणों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

अनंत ज्ञान, गरली। भटोली फकोरिया पंचायत में वित्तीय साक्षरता केंद्र देहरा द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक पृथ्वी रणवीर सिंह ने कहा कि वित्तीय साक्षरता आज आर्थिक सुरक्षा की पहली आवश्यकता है। उन्होंने डिजिटल लेन-देन में सावधानी, अनजान कॉल व लिंक से बचाव तथा बैंक द्वारा गोपनीय जानकारी न मांगने संबंधी महत्वपूर्ण बातें बताईं। कार्यक्रम में प्रधान शशि बाला, बैंक प्रबंधक मनजीत सहित कई अधिकारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

सहायक उपकरण वितरण शिविर संपन्न

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। डाइट धर्मशाला में तीन दिवसीय सहायक उपकरण वितरण शिविर का सफल समापन हुआ। इस दौरान कांगड़ा जिले के 23 शैक्षणिक खंडों से आए 260 विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को उनकी जरूरत अनुसार उपकरण वितरित किए गए। जिला उपनिदेशक भाग सिंह ने बताया कि नवंबर 2025 के मूल्यांकन के आधार पर चयनित विद्यार्थियों को एएलआईएमसीओ के सहयोग से उपकरण उपलब्ध कराए गए। उन्होंने इसे विशेष बच्चों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

टीबी मुक्त भारत रजिस्ट्रेशन की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, डरोह। धुरल खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिता शर्मा की अध्यक्षता में निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें टीबी मरीज, टीबी विजेता और स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा। धुरल खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.अनिता शर्मा ने मरीजों को पोषण किट, टीबी मुक्त भारत (ऐप) रजिस्ट्रेशन, मरीज की समय पर जांच व भारत को टीबी मुक्त बनाने में उनकी भागीदारी इत्यादि पर विशेष जानकारी हासिल करवाई गई। इस मौके पर अनूप चौहान वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक, सबीना भूरिया खंड लेखाकार, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी फार्मेसी अधिकारी व आशा वर्कर उपस्थित रहे।

राजकुमारी दोबारा बनी एसएमसी प्रधान

अनंत ज्ञान, शाहपुर। रेहलू स्कूल में एसएमसी का गठन किया गया। राजकुमारी को सर्वसम्मति से पुनः एसएमसी प्रधान चुना गया, जबकि समंलता देवी को मतदान प्रक्रिया के माध्यम से उपप्रधान निर्वाचित किया गया। प्रधानाचार्य रिशु समयाल ने नवनिर्वाचित प्रधान, उपप्रधान एवं अन्य सदस्यों को बधाई देते हुए विद्यालय के विकास और विद्यार्थियों के हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी सदस्यों को उनके दायित्वों एवं जिम्मेदारियों से भी अवगत करवाया।

ऑनलाइन पंजीकरण न होने पर जताई नाराजगी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। एबीवीपी कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर इकाई ने विश्वविद्यालय में ऑनलाइन कोर्स रजिस्ट्रेशन प्रणाली लागू न होने पर नाराजगी व्यक्त की है। परिषद का कहना है कि हर सेमेस्टर छात्रों को घंटों लंबी कतारों में लगकर चार अलग-अलग रंगों के कार्ड भरने और विभागों से हस्ताक्षर करवाने पड़ते हैं। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन वर्षों से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने का आश्वासन दे रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। परिषद के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद प्रणाली लागू नहीं की गई है।

डाडासीबा डिपो में सर्वर खराबी से राशन वितरण ठप

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। डाडासीबा कृषि सहकारी सभा के उचित मूल्य की दुकान (डिपो) में लगातार दो दिनों से राशन वितरण बाधित रहने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ई-पीओएस मशीनों में तकनीकी खराबी और सर्वर डाउन होने के कारण लोग बिना राशन लिए लौटने को मजबूर हैं। बुधवार को भी सुबह से बड़ी संख्या में लोग राशन लेने पहुंचे, लेकिन दिनभर सर्वर काम न करने से वितरण नहीं हो सका। इससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पिछले दो महीनों से सरसों का तेल भी उपलब्ध नहीं है, जबकि चने की दाल भी इस महीने नहीं मिली। जिला खाद्य नियंत्रक परसोत्तम कांगड़ा ने बताया कि यह समस्या पूरे प्रदेश में सर्वर खराबी के कारण आई है और शीघ्र ही स्थिति सामान्य होने पर वितरण सुचारु कर दिया जाएगा।

मिट्टी व प्लास्टिक के गमले होंगे चीड़ पत्तियों के गमलों से रिप्लेस

पालमपुर में कांक्षी ब्रांड के बैनर तले 1 वर्ष से चल रहा काम, जंगलों में आग की घटनाओं में होगी कमी

◆ सीएसआईआर-आईएचबीटी के सहयोग से महिलाएं बना रही गमले

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। जिला कांगड़ा में जल्द ही मिट्टी और प्लास्टिक गमले, चीड़ की पत्तियों के गमलों से रिप्लेस होंगे। चीड़ की पत्तियों से गमले बनाने से जहां जंगलों में फैली चीड़ की पत्तियों की वजह से लगने वाली आग की घटनाओं से छुटकारा मिलेगा, वहीं लोगों को घरों में फूल व सजावटी पौधे लगाने के लिए नया प्रोडक्ट भी उपलब्ध होगा। पालमपुर में सीएसआईआर-आईएचबीटी के सहयोग से कांक्षी ब्रांड के बैनर तले इस प्रोजेक्ट पर पिछले एक वर्ष से काम चल रहा है।

पालमपुर के युवक राजन मन्हास की पहल को शैलजा सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएं मूर्तरूप दे रही हैं। इससे जहां जंगलों में फैली चीड़ की पत्तियों का यूटीलाइजेशन होगा, वहीं रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। जिला प्रशासन ने इस प्रोडक्ट को विभिन्न मंचों पर प्रमोट करने का आश्वासन दिया है।

चीड़ पत्तियों के गमले। अनंत ज्ञान

गमलों में की जाएगी वैक्स कोटिंग: कल्पना

शैलजा सेल्फ हेल्प ग्रुप की प्रधान कल्पना ने बताया कि जंगलों से चीड़ की पत्तियों को एकत्रित करके बाइंडर करने की प्रक्रिया पूरी होने पर मशीन में डाल कर गमले बनाए जाते हैं। इससे जहां जंगलों में लगने वाली आग से राहत मिलेगी। चीड़ की पत्तियों के गमलों में वैक्स की कोटिंग भी की जाएगी, जिससे पानी कम डालने की जरूरत होती है और पानी गमलों से बाहर नहीं जाएगा। ग्रुप की 10 महिलाओं में से 5 महिलाएं ही गमले बनाने का काम करती हैं।

चीड़ पत्तियों के गमले में नहीं लगता फंगस: राजन

पालमपुर के युवक राजन मन्हास ने बताया कि चीड़ की पत्तियों के गमले कांक्षी ब्रांड के तहत बनाए जा रहे हैं, कांक्षी यानी कुछ करने की कोशिश। हमारे जंगलों में आग की घटनाएं घटित होती हैं, जिससे निपटने के लिए चीड़ की पत्तियों का गमला बनाया, जो कि बायोडिग्रेडेबल है। गोबर के गमले बहुत जल्द मिट्टी में मिल जाते हैं, जबकि चीड़ की पत्तियों के गमले को मिट्टी में मिलने में समय लगता है और इसमें फंगस भी नहीं लगती। चीड़ की पत्तियों को जंगलों में भरमार है, जिसका अधिक से अधिक प्रयोग करके जंगलों की आग की घटनाओं को कम किया जा सकता है। पिछले एक वर्ष से इस प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहा है, इससे जहां जंगलों की चीड़ की पत्तियों का यूटीलाइजेशन होगा, वहीं रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

चीड़ पत्तियों के गमलों का होगा दोहरा लाभ: डीसी

डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने कहा कि चीड़ के जंगलों में चीड़ की पत्तियों की वजह से आग लगने से जंगलों में आग लगने से बहुत नुकसान होता है। इसके समाधान के लिए कई प्रयास हो रहे हैं और इसमें सीएसआईआर के सहयोग से पालमपुर के युवक द्वारा मिट्टी और प्लास्टिक गमलों को चीड़ की पत्तियों से रिप्लेस करने की पहल की गई है। जिसका दोहरा लाभ होगा, क्योंकि इससे जहां चीड़ की पत्तियों का गमलों के निर्माण में प्रयोग बढ़ने से जंगलों की आग की घटनाएं कम हो सकेंगी, वहीं गमले भी बनाए जा सकेंगे। जिला प्रशासन, चीड़ की पत्तियों से बने गमलों को विभिन्न मंचों पर प्रमोट करेगा। इससे चीड़ की पत्तियों के निष्पादन का उद्देश्य भी हल होगा।

धर्मशाला में एचपीटीडीसी होटलों के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन

होटलों के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन करते कर्मचारी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला में बुधवार को हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के आठ होटलों को निजी हाथों में सौंपे जाने के विरोध में निगम कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने कहा कि एचपीटीडीसी के होटल हिमाचल की शान हैं, इन्हें नीलाम न किया जाए। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम कर्मचारी संघ, जो भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध है, ने निगम मुख्यालय के बाहर एकत्र होकर सरकार के निर्णय का विरोध जताया। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष शशी पाल शर्मा ने कहा कि प्रस्तावित निर्णय के तहत जिन आठ होटलों को ओएनवी आधार पर निजीकरण किया जा रहा है, वे सभी लाभकारी होटल हैं।

◆ कहा- एचपीटीडीसी होटल हिमाचल के ताज, सरकार न करे नीलाम

उन्होंने आरोप लगाया कि यदि इस वर्ष आठ होटल निजी हाथों में दिए गए तो आगे चलकर और भी होटलों का निजीकरण किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि निगम की आय लगभग 110 करोड़ रुपए होने के बावजूद यह निर्णय समझ से परे है। कर्मचारियों ने यह भी मांग की कि सरकार पहले होटल प्रबंधन संस्थानों की स्थिति पर पुनर्विचार करे, क्योंकि इससे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं के रोजगार पर असर पड़ेगा। अंत में निगम प्रबंधन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजकर निर्णय वापस लेने की मांग की गई।

हैप्पी बर्थडे

हमीरपुर की जुड़वां बहनों इशिका और ईशानी को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

हिमाचल में दवा उद्योग की साख पर संकट, सैंपल फेल होने के मामलों पर हो सख्त कार्रवाई : शांता

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश के दवा उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि देश में बनने वाली लगभग 40 प्रतिशत दवाइयों का उत्पादन हिमाचल प्रदेश में होता है, जिससे लाखों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। शांता ने बुधवार को एक बयान में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक ओर जहां इस महत्वपूर्ण उद्योग के विस्तार की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर हिमाचल में निर्मित दवाइयों के सैंपल फेल होने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी वस्तु में मिलावट अपराध है, लेकिन बीमार व्यक्तियों के उपचार के लिए उपयोग की जाने वाली दवाइयों में मिलावट या गुणवत्ता में कमी कहीं अधिक गंभीर अपराध है। उन्होंने प्रदेश सरकार से इस मामले की गहन जांच कर दोषी कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। शांता ने कहा कि राज्य के दवा नियंत्रक डॉ. मुनीश कपूर ने सैंपल फेल होने वाली कंपनियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच महीनों में हिमाचल प्रदेश की 264 दवाइयों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए गए हैं। उन्होंने दवा नियंत्रक से यह भी आग्रह किया कि पिछले वर्ष जिन सैकड़ों दवाइयों के नमूने फेल हुए थे, उन मामलों में संबंधित कंपनियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई, इसकी जानकारी भी जनता के सामने रखी जानी चाहिए।

एचआरटीसी बस के न आने से यात्री हुए परेशान

डाडासीबा सहित कई क्षेत्रों में लोग घंटों तक करते रहे इंतजार, निगम के खिलाफ जताई नाराजगी

अनंत ज्ञान

डाडासीबा। एचआरटीसी की देहरा-तलवाड़ा (वाया डाडासीबा) रूट पर प्रतिदिन दोपहर करीब 1:30 बजे चलने वाली बस बुधवार को निर्धारित समय पर नहीं पहुंची, जिससे डाडासीबा सहित पूरे मार्ग के विभिन्न सयुल, सांडा बाड़ीं व घाटी पड़ावों पर घंटों से बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस रूट पर सुबह 11:00 बजे के बाद अगली नियमित बस दोपहर करीब 3:30 बजे तलवाड़ा के लिए रवाना होती है। ऐसे में 1:30 बजे चलने वाली बस के नहीं आने से लोगों, छात्र-छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों ने मजबूरी में निजी वाहनों का सहारा लिया, जबकि कुछ को अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी। भीषण गर्मी के बीच बस का इंतजार करते रहे यात्रियों में निगम के प्रति नाराजगी भी देखने को मिली। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह बस क्षेत्र की प्रमुख सार्वजनिक परिवहन सेवा है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसी पर निर्भर रहते हैं। उनका कहना है कि यदि किसी कारणवश बस का संचालन संभव नहीं था तो एचआरटीसी को पहले ही इसकी सूचना जारी करनी चाहिए थी, ताकि यात्रियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। लोगों ने निगम से मांग की है कि भविष्य में ऐसी स्थिति बनने पर वैकल्पिक बस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में एचआरटीसी देहरा व हमीरपुर के (डीएम) राजकुमार पाठक ने कहा कि उन्हें अभी इस मामले की जानकारी नहीं है। संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेकर बस के संचालन प्रभावित होने के कारणों का पता करेंगे और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बस का इंतजार करते लोग। अनंत ज्ञान

छात्रों से मारपीट की घटनाओं का बाल कल्याण समिति ने लिया संज्ञान

◆ संबंधित थानों से स्टेट्स रिपोर्ट तलब कर उचित निर्देश जारी किए

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा जिले के तहत दो निजी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों से स्कूल में हुई मारपीट की घटनाओं को लेकर बाल कल्याण समिति जिला कांगड़ा ने संज्ञान लिया है। समिति ने इस दोनों मामलों को लेकर संबंधित पुलिस थानों से स्टेट्स रिपोर्ट तलब की और इन मामलों में उचित कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। बाल कल्याण समिति जिला कांगड़ा स्थित धर्मशाला के अध्यक्ष विक्रमजीत शर्मा ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस जिला नूरपुर के पुलिस स्टेशन नूरपुर के क्षेत्राधिकार में सदवां के एक निजी स्कूल में एक बच्चे से हुई मारपीट पर समिति ने संज्ञान लेते हुए पुलिस से स्टेट्स रिपोर्ट तलब की है और साथ ही पुलिस को इस मामले में उचित कार्रवाइ के निर्देश दिए हैं।

विक्रमजीत ने बताया कि एक अन्य मामले में आलमपुर के निजी स्कूल में एक बच्चे से स्कूल में हुई कथित मारपीट के बाद हुए दर्दनाक हादसे की रिपोर्ट पुलिस स्टेशन सुजानपुरए जिला हमीरपुर से भी स्टेट्स रिपोर्ट तलब की गई और इस मामले में भी उचित कार्रवाई के लिए पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मृतक बच्चा जिला हमीरपुर के सुजानपुर क्षेत्र का मूल निवासी था और जिला कांगड़ा के आलमपुर के एक निजी स्कूल मे पढ़ रहा था।

नए एसपी कुलभूषण वर्मा ने संभाला कार्यभार, बोले-

कांगड़ा में नशा तस्करों पर कसेगा शिकंजा ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना भी प्राथमिकता

अनंत ज्ञान

◆ एंटी चिट्टा अभियान को और प्रभावी बनाने का किया ऐलान

ब्यूरो, धर्मशाला। कुलभूषण वर्मा ने बुधवार को कांगड़ा जिला के नए पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने उन्हें हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े जिला कांगड़ा की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। एसपी कुलभूषण वर्मा ने कहा कि कांगड़ा जिला धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण जिला है। उन्होंने कहा कि मनाली के बाद यदि पर्यटन के क्षेत्र में सबसे प्रमुख स्थान है तो वह धर्मशाला है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ ट्रैफिक प्रबंधन भी पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे एंटी चिट्टा अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। पुलिस उन क्षेत्रों पर विशेष फोकस करेगी जहां नशे का कारोबार संचालित होने की सूचनाएं मिलती हैं। नशा तस्करी और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

एसपी कुलभूषण वर्मा ने कहा कि कांगड़ा पुलिस की प्राथमिकताओं में लंबित मामलों और पेंडिंग जांचों का समयबद्ध निपटारा भी शामिल रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि पुलिस टीम के सहयोग से जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा तथा आम लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

एसडीएम-तहसीलदारों की मासिक बैठक की तिथि सार्वजनिक करें डीसी

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पालमपुर सुधार सभा ने उपायुक्त कांगड़ा से मांग की है कि धर्मशाला में प्रतिमाह आयोजित होने वाली एसडीएम एवं तहसीलदारों की बैठक की तिथि की पूर्व सूचना समाचार पत्रों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाई जाए, ताकि लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। सभा के अध्यक्ष एवं समाजसेवी विजय डोगरा ने कहा कि प्रशासनिक समन्वय के लिए होने वाली मासिक बैठकें आवश्यक हैं, लेकिन इन बैठकों के चलते जिले भर के उपमंडल और तहसील कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होता है। उन्होंने बताया कि दूर-दराज क्षेत्रों से लोग अपने आवश्यक कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति में उन्हें बिना काम कराए लौटना पड़ता है।

◆ पालमपुर सुधार सभा ने की मांग

उन्होंने कहा कि ज्वालामुखी, कांगड़ा, पालमपुर, बैजनाथ और नूरपुर जैसे क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों का समय, धन और ईंधन बर्बाद होता है। यदि बैठक की तिथि 2-3 दिन पहले समाचार पत्रों में प्रकाशित कर दी जाए, तो हजारों लोगों की परेशानी कम हो सकती है। विजय डोगरा ने कहा कि इस प्रकार की सूचना समय पर मिलने से जनता को सुविधा होगी और प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में यह एक छोटा सा कदम है, लेकिन इससे आम जनता की बड़ी समस्या का समाधान संभव है। सभा ने उपायुक्त से इस सुझाव को जनहित में शीघ्र लागू करने की अपील की है।

धरोहर गांव परागपुर की बदहाली पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

अनंत ज्ञान

परागपुर। परागपुर के धरोहर गांव का दर्जा महज कागजों और नेताओं के दावों तक सीमित होकर रह गया है। 1997 से लेकर अब तक इस गांव को विश्व पर्यटन के नक्शे पर लाने के सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि आज भी यह परागपुर गांव पटवार वृत्त के रिकॉर्ड में तक दर्ज नहीं हो पाया है।

◆ विकास के दावों पर उठाए सवाल

विकास के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद जमीन पर कोई ठोस काम नजर नहीं आने से स्थानीय लोगों का सब्र जवाब दे गया है। दीपक पटियाल, संजीव वर्मा, रजत शर्मा, अखिलेश सोनी, भगवान दास, राजीव धीमान, अजय शर्मा, संजय कुमार, परविंदर ठाकुर, सुनील शर्मा और ऋषभ सूद जैसे स्थानीय निवासियों ने व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि नेताओं और अधिकारियों को अब अपनी बयानबाजी बंद कर देनी चाहिए। ग्रामीणों का आरोप है कि ये लोग परागपुर के विकास से कहीं ज्यादा अपने निजी विकास में रुचि ले रहे हैं। लोगों का कहना है कि जिस गांव की बुनियादी पहचान तक सरकारी रिकॉर्ड में स्पष्ट नहीं है, वहां विकास के दावों का क्या औचित्य है, इन्हीं सवालों के बीच अब स्थानीय जनता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को सीधे कठघरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि क्या प्रशासन और सिस्टम की इस उदासीनता और भ्रष्टाचार के बीच कांगड़ा जिला को पर्यटन राजधानी बनाने का उनका सपना कभी हकीकत में बदल पाएगा।जनता का मानना है कि यदि धरोहर गांव जैसे संवेदनशील प्रोजेक्ट की यह दुर्दशा है, तो सरकार की विकास योजनाओं की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

ब्लॉक भेड़ू महादेव पंचायत समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा

◆ सपना शर्मा को अध्यक्ष और महेंद्र सिंह राणा को चुना उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान

विपिन परमार के साथ अध्यक्ष व उपाध्यक्ष व अन्य। अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा डरोह। विकास खंड भेड़ू महादेव की पंचायत समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर बुधवार को सुलह भाजपा लगातार तीसरी बार भगवा फहराने में कामयाब हो गई और स्थानीय विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार का दबदबा एक बार फिर कामयाब हुआ। बुधवार को संपन्न चुनावी प्रक्रिया में भाजपा समर्थित 18 पंचायत समिति सदस्यों ने सपना शर्मा गग्गू को अध्यक्ष एवं महेंद्र सिंह राणा को सर्व समिति से उपाध्यक्ष चुन लिया।

पालमपुर नगर निगम के संयुक्त आयुक्त एव एसडीएम धीरा का प्रभार संभाल रहे रमेश कुमार की देखरेख में चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई। इस चुनावी प्रक्रिया में कुल 20 पंचायत समिति सदस्यों में से 18 भाजपा समर्थित पंचायत समिति सदस्यों ने ही भाग लिया। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होते ही विकास खंड कार्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार के नेतृत्व में ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाना शुरू कर दिया। इस अवसर पर परमार ने कहा कि सुलह ब्लॉक में 2016 से लगातार तीसरी बार भाजपा ने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। ये जीत आम कार्यकर्ता की जीत है तथा प्रदेश सरकार के खिलाफ जानता का गुस्सा है। परमार ने कहा कि आये दिन प्रदेश सरकार झूठी घोषणाएं करती है तथा लोगों को झूठे वादे कर गुमराह कर सत्ता हासिल की है। प्रदेश में कानून व्यवस्था का दिवाला निकल चुका है आए दिन प्रदेश में गोलीकांड हो रहे है अपराधी बेखौफ हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सरकार के जनविरोधी कामों से दुखी तथा 2027 के चुनावों का इंतजार कर रही है। प्रदेश की जनता इस जनविरोधी, भ्रष्टाचारी, झूठी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार बैठी है ।

नशा मुक्त समाज का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे गंगथ आईटीआई के छात्र

नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का आह्वान किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, इंदौरा। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग तथा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरुकता अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सौजन्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गंगथ में नशा विरोधी जागरुकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली में संस्थान के प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षकों तथा स्टाफ सदस्यों ने भाग लेकर नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। प्रशिक्षुओं ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न नारे लगाए तथा आमजन से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर कार्यवाहक तहसील कल्याण अधिकारी, इंदौरा अनूप सिंह ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है, जिससे विशेष रूप से युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, कौशल विकास तथा राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए।

उन्होंने सभी से नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरुकता अभियानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। रैली के समापन पर प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण तथा नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का संकल्प लिया।

धर्मशाला में इंटरनेशनल वर्कशॉप, इज ऑफ आइडेंटिफिकेशन एट द बैलेट रहा टापिक

100 देशों के इलेक्ट्रोल सिस्टम पर जल्द बनेगी रिपोर्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला में इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। चुनाव आयोग की ओर से आयोजित वर्कशॉप का टॉपिक इज ऑफ आइडेंटिफिकेशन एट द बैलेट रहा। प्रदेश की मुख्य चुनाव अधिकारी नंदिता गुप्ता ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में बताया कि इंटरनेशनल इंस्टीटयूट आफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट, जो कि अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जिसकी इस वर्ष की चेयरशिप भारत ने संभाली है।

विश्व में जितने भी लोकतांत्रिक देश हैं, उनके मध्य समन्वस स्थापित हो और लोकतंत्र को और मजबूत करने के लिए वार्तालाप करना ही इस वर्कशॉप का उद्देश्य है। भारत के विभिन्न राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को एक-एक टॉपिक दिया गया है, जिसके आधार पर उन्हें वर्कशॉप का आयोजन करना है। प्रदेश मुख्य चुनाव अधिकारी को जो टॉपिक दिया गया था, उस पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें कई रिटायर्ड आईएएस अधिकारी, डीसी और एसडीएम को बुलाया गया था। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि भी वर्कशॉप में जुड़े थे। बंगलादेश और अल्वेनिया चुनाव आयोग के प्रतिनिधि भी वर्कशॉप में जुड़े थे, जिन्होंने कई सुझाव दिए हैं। अल्वेनिया अपने वोटर्स की वोटिंग से पहले डिजिटल आइडेंटिफिकेशन करता है। वहीं बंगलादेश ने अपने ओवरसीज वोटर्स के लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था करता है। हिमाचल प्रदेश मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय एक रिपोर्ट बनाने की तैयारी में है, इसी कड़ी में यह वर्कशॉप आयोजित की गई। विश्व के 100 विभिन्न देशों के इलेक्ट्रोल सिस्टम पर एक रिपोर्ट तैयार करके इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को भेजी जाएगी, जिसमें इज ऑफ आइडेंटिफिकेशन एट द बैलेट पर फोकस रहेगा।

हिमाचल प्रदेश चीफ इलेक्शन ऑफिस तैयार करेगा रिपोर्ट। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

टौणी देवी स्कूल में एसएमसी का गठन

अनंत ज्ञान, टौणी देवी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टौणी देवी में अभिभावकों की आम सभा एवं एसएमसी चुनाव संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 140 अभिभावकों ने भाग लेकर विद्यालय के विकास पर चर्चा की। प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा ने विद्यालय की उपलब्धियां, परीक्षा परिणाम और विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान डिजिटल सेतु पुस्तकालय और अटल टिंकरिंग लैब जैसी सुविधाओं का उल्लेख किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अभिभावकों ने शपथ दिलाई गई। निवर्तमान अध्यक्ष विकास शर्मा को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एसएमसी चुनावः एसडीएम को भेजी शिकायत

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत राजकीय पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी विद्यालय भरेड़ी में हाल ही में हुए स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) गठन को लेकर अभिभावक ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। इस संबंध में शिकायत उपमंडल दंडाधिकारी (एसडीएम) भोरंज को भेजी गई है। शिकायतकर्ता जगत राम ने आरोप लगाया कि चुनाव की जानकारी समय पर अभिभावकों को नहीं दी गई। बैठक के दौरान कोरम और अभिभावकों की संख्या को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने एसडीएम से बैठक से संबंधित सभी रिकॉर्ड उपलब्ध कराने तथा निष्पक्ष जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की है। वहीं प्रधानाचार्य राजगीर सिंह ने कहा कि एसएमसी का गठन विभागीय नियमों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है और सभी आवश्यक औपचारिकताओं का पालन किया गया है।

मदन सोनी अध्यक्ष और कमलेश बनी उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, संजीव, भोटा। झिरालड़ी स्कूल में बुधवार को एसएमसी कमेटी का चुनाव हुआ। इस चुनाव में लगभग 55 अभिभावकों ने भाग लिया। चुनाव में सभी अभिभावकों ने सर्वसम्मति से मदन सोनी को अध्यक्ष, कमलेश कुमारी को उपाध्यक्ष व सपना देवी, अंजली कुमारी, राजकुमार शर्मा तथा राजेश शर्मा को एसएमसी कमेटी का सदस्य चुना। यह जानकारी स्कूल के प्रिंसिपल आनंद किशोर ने दी।

एससी/एसटी एक्ट के मामलों का दें ब्यौरा : कुलदीप

राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष ने अधिकारियों को दिए निर्देश

- एससी बस्तियों के जातिसूचक नामों का न हो प्रयोग, रिकॉर्ड से हटाने के निर्देश
- एससीडीपी के बजट का सदुपयोग करें, सड़क से महरूम एससी बस्तियों की सूचना दें

कुलदीप कुमार ने अधिकारियों के साथ की बैठक। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार, आयोग के अन्य सदस्यों विजय डोगरा, दिग्विजय मल्होत्रा और शालिनी जम्वाल ने बुधवार को जिला हमीरपुर के तीन दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन यहां हमीर भवन में जिला के अधिकारियों के साथ बैठक करके एससी वर्ग के अधिकारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों और इस वर्ग से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की तथा अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की। कुलदीप ने पुलिस, अभियोजन विभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को जिला में गत तीन वर्षों के दौरान एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों का विस्तृत ब्यौरा एक सप्ताह में प्रेषित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस एक्ट के सभी प्रावधानों की अक्षरशः अनुपालना होनी चाहिए, ताकि एससी वर्ग के अधिकारों की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि हिमाचल में लगभग 26 प्रतिशत आबादी एससी वर्ग की है और अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम (एससीडीपी) के तहत 25 प्रतिशत बजट आवंटित किया जाता है। इस धनराशि का सदुपयोग किया जाना चाहिए। अध्यक्ष ने सभी विभागों से गत तीन वर्षों के खर्च की रिपोर्ट ली और सड़क से वंचित एससी बस्तियों का ब्यौरा प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना में एससी बस्तियों के नाम जातिसूचक नहीं होने चाहिए। अगर सरकारी रिकॉर्ड में जातिसूचक नाम हैं तो ऐसे नाम हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने एससी वर्ग से संबंधित आवास योजनाओं, आदर्श ग्राम योजना, छात्रवृत्ति, स्वरोजगार एवं ऋण योजनाओं, कृषि, बागवानी, पशुपालन और अन्य विभागों की सब्सिडी योजनाओं की समीक्षा भी की। कुलदीप कुमार ने कहा कि आयोग एक संवैधानिक संस्था है और जब भी इसकी ओर से कोई रिपोर्ट तलब की जाती है या निर्देश दिए जाते हैं तो उन पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले, आयोग के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने कहा कि जिला में आयोग की ओर से जारी सभी दिशा-निर्देशों की अक्षरशः अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा ने विभिन्न मुद्दों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। जिला के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कुलदीप कुमार ने बताया कि प्रदेश में एससी वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए आयोग सदैव कृतसंकल्प है। आयोग अभी तक 8 जिलों का दौरा कर चुका है। उन्होंने बताया कि रोहड़ू में एक किशोर की आत्महत्या और कुल्लू जिला के सैंज में एक महिला की हत्या जैसे बेहद संवेदनशील मामलों का आयोग ने कड़ा संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करवाई है।

जिला हमीरपुर की चर्चा करते हुए कुलदीप कुमार ने बताया कि तीन दिन के प्रवास के दौरान आयोग ने एससी वर्ग से संबंधित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, सफाई कर्मचारियों, शहरी निकायों तथा ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के अलावा फील्ड में जाकर इस वर्ग के आम लोगों से भी संवाद किया और इसके बाद जिला के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि फील्ड में दौरे के दौरान आयोग के समक्ष कई ऐसे छोटे-छोटे मामले आए हैं, जिनका निपटारा स्थानीय स्तर पर हो सकता था।

प्रवीण बने खरवाड़ स्कूल की एसएमसी के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, भोरंज। राजकीय प्राथमिक विद्यालय खरवाड़ में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के लिए चुनाव करवाए गए। प्रवीण कुमार को सर्वसम्मति से एसएमसी का अध्यक्ष तथा सीमा देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा समिति में मंजू कुमारी, सोनिया, रक्षा देवी, पूनम, उर्मिला, अनिल कुमार एवं रीता देवी को सदस्य मनोनीत किया गया। नवगठित समिति ने विद्यालय के शैक्षणिक स्तर में सुधार, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, स्वच्छ एवं बेहतर शिक्षण वातावरण तथा विद्यालय के समग्र विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रशासन ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अभिभावकों, विद्यालय स्टाफ एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

एसओएफ लेवल-2 परीक्षा में हिम अकादमी के होनहारों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

तितिक्षा पटियाल को अकादमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकासनगर के विद्यार्थियों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन एसओएफ लेवल-2 परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। एसओएफ आईईओ (इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड) में कक्षा छठी के आद्विक शर्मा ने जोनल स्तर पर रजत पदक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कक्षा नौवीं के आर्यन शर्मा तथा कक्षा दसवीं के मयंक शर्मा, शाद आलम एवं आद्या को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 500 रुपए के गिफ्ट वाउचर प्रदान किए गए। इन सभी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस से भी सम्मानित किया गया। एसओएफ एनएसओ (नेशनल साइंस ओलंपियाड) में कक्षा ग्यारहवीं के विशेष डटवालिया ने जोनल स्तर पर कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं

प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को बधाई दी। अनंत ज्ञान

कक्षा आठवीं की श्रेया शर्मा को सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस प्रदान किया गया। एसओएफ आईएसएसओ में कक्षा आठवीं की अंशिका नंदन ने जोनल स्तर पर कांस्य पदक अर्जित किया। छठी कक्षा के आरव शर्मा एवं चिन्मय चैधरी तथा कक्षा आठवीं के करुल को सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस प्रदान किए गए। एसओएफ आईएचओ (इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड) में कक्षा तीसरी की नक्षिता ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक, कक्षा चैथी के असमी डोगरा ने जोनल स्तर पर स्वर्ण पदक तथा माही हीर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अर्जित किया। कक्षा चैथी की सौम्या नेगी ने जोनल स्तर पर रजत पदक प्राप्त किया। इसी ओलंपियाड में कक्षा आठवीं की अवनी शर्मा को सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कक्षा तीसरी के गौरिक भाटिया, कक्षा चैथी के निवृति, सरस भारद्वाज, कक्षा पांचवीं की अनिका शर्मा तथा कक्षा ग्यारहवीं की तितिक्षा पटियाल को सर्टिफिकेट ऑफ जोनल एक्सीलेंस प्रदान किए गए। विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा तितिक्षा पटियाल (कक्षा 11वीं) को उनकी निरंतर उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए एसओएफ अकादमिक एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 5000 का चेक प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण में 13 विद्यार्थियों को 500 रुपए के गिफ्ट वाउचर, 4 विद्यार्थियों को 1000 रुपए के चेक, 1 विद्यार्थी को 1250 रुपए का चेक तथा 1 विद्यार्थी को 2500 रुपए का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्कूल की हेड मिस्ट्रेस कंचन लखनपाल एवं को-ऑर्डिनेटर मनीषा मारवाह ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

नवीन शर्मा ने गैर-सरकारी अध्यक्षों के मानदेय वृद्धि पर प्रदेश सरकार को घेरा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश कौशल विकास निगम के पूर्व वाइस चेयरमैन नवीन शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ख्र२पि एवं बागवानी उपज विपणन समितियों के गैर-सरकारी अध्यक्षों के मासिक मानदेय को 24,000 रुपए से बढ़ाकर सीधे 60,000 रुपए (ढाई गुना वृद्धि) करने के जनविरोधी और वित्तीय रूप से गैर-जिम्मेदाराना प्रस्ताव की हम कड़ी निंदा करते हैं। नवीन ने कहा कि प्रदेश की जनता इस समय भारी वित्तीय संकट, महंगाई और बेरोजगारी का सामना कर रही है, कर्मचारियों को तनख्वाह व पेंशन देने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं हैं वहीं दूसरी ओर सरकार अपने राजनीतिक चहेतों को रेवड़ियाँ बांटने में व्यस्त है। नवीन शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य के खजाने पर डाका डालने जैसा काम किया है। राज्य पहले से ही भारी कर्ज के नीचे दबा हुआ है और कर्मचारियों को वेतन व एरियर देने के लाले पड़े हैं, ऐसे में मानदेय को सीधे ढाई गुना बढ़ाना वित्तीय दिवालियेपन को दर्शाता है किसानों और बागवानों के साथ धोखा प्रदेश सरकार के रही है और प्रदेश के किसानों को उनकी फसलों और फलों का सही दाम नहीं मिल पा रहा है, लेकिन उनके नाम पर बनी मंडियों के राजनीतिक आकाओं की जेबें भरने के लिए सरकारी खजाना खोल दिया गया है।

राष्ट्रपति ने करियर प्वाइंट विवि के प्रो-चांसलर डॉ. पीएल गौतम को किया पद्मश्री से सम्मानित

विज्ञान व इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर एवं देश के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. पीएल गौतम को साइंस एंड इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके अतुलनीय एवं दीर्घकालीन योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में से एक 'पद्मश्री पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ. गौतम ने अपने लंबे वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक जीवन में अनुसंधान, नवाचार, कृषि विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके नेतृत्व एवं दूरदर्शी सोच ने देश में वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा प्रदान की है। उनके कार्यों का प्रभाव राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया है।

करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय परिवार के लिए यह अत्यंत गर्व एवं सम्मान का क्षण है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कुलपति, कुलसचिव, डीन, डायरेक्टर, प्रोफेसरों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं

विद्यार्थियों ने डॉ. गौतम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गौरवित हुए है। विश्वविद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि उनका अनुभव, मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व भविष्य में भी नई पीढ़ी के अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। डॉ. गौतम को प्राप्त यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों का गौरव है, बल्कि करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश तथा समूचे देश के लिए भी गर्व का विषय है। यह सम्मान युवा वैज्ञानिकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को उत्कृष्टता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

हमीरपुर में ओलंपिक सद्भावना रन 30 को

सांसद अनुराग समेत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व विभिन्न वर्ग लेंगे भाग

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। राज्य ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष नरेंद्र अत्री ने कहा कि जिला ओलंपिक संघ हमीरपुर द्वारा 30 जून को हमीरपुर में 'ओलंपिक सद्भावना रन' का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद एवं हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अनुराग ठाकुर उपस्थित रहेंगे। नरेंद्र अत्री ने बुधवार को हमीरपुर में प्रेसवार्ता की। इस दौरान जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा तथा जिला ओलंपिक संघ के महासचिव एवं प्रदेश ओलंपिक संघ के सदस्य तेज प्रकाश चोपड़ा उपस्थित रहे।

नरेंद्र ने बताया कि प्रदेश ओलंपिक संघ खेल गतिविधियों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली, मानवता, सद्भावना और एकता जैसे विषयों पर भी निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए जिला ओलंपिक संघ द्वारा ओलंपिक

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए नरेंद्र अत्री। अनंत ज्ञान

सद्भावना रन का आयोजन किया जा रहा है। इस जागरुकता दौड़ के माध्यम से इन मूल्यों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में युवा भाग लेंगे।

अत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं को फिटनेस एवं खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से भी यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि अनुराग सिंह ठाकुर के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को खेल संस्कृति से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से इस जनहितकारी आयोजन की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया, ताकि समाज में स्वास्थ्य, फिटनेस और सद्भावना का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित हो सके। इस अवसर पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील दत्त शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेश राणा, कबड्डी एसोसिएशन के संयुक्त सचिव अनिल परमार, अभयवीर सिंह लवली, विकास शर्मा तथा सुशील सोनी आदि उपस्थित रहे।

भोरंज के पपलाह डिपो में सर्वर डाउन, राशन लेने पहुंचे ग्रामीण हुए परेशान

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के गांव पपलाह स्थित राशन डिपो में सर्वर डाउन होने के कारण राशन वितरण कार्य प्रभावित हो गया है। राशन लेने के लिए पहुंच रहे ग्रामीणों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन तकनीकी समस्या के चलते उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा। इससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि वे सुबह से राशन लेने के लिए डिपो पर पहुंच जाते हैं, लेकिन सर्वर काम नहीं करने के कारण उनका पूरा दिन बर्बाद हो रहा है। कई लोगों को बिना राशन लिए ही वापस लौटना पड़ रहा है। ग्रामीणों में ज्ञान चंद, यशवंत कुमार, सुनील कुमार, अमित कुमार, विजय कुमार, संतोष कुमार, सुमन, रीना और कमला ने बताया कि उन्होंने समस्या की जानकारी लेने के लिए 1967 टोल फ्री नंबर पर संपर्क किया। वहां से उन्हें बताया गया कि फिलहाल सर्वर डाउन चल रहा है और सर्वर ठीक होने के बाद ही राशन वितरण किया जा सकेगा।

ग्रामीणों ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा प्रशासन से मांग की है कि सर्वर की समस्या का जल्द समाधान कराया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर राशन मिल सके। उनका कहना है कि तकनीकी खामी के कारण लोगों को बार-बार डिपो के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

एससी आयोग ने सड़क के विवाद को 5 दिन के भीतर सुलझाने के दिए निर्देश

सड़क से जुड़े विवाद को लेकर दोनों पक्षों से चर्चा की। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल की नंधन पंचायत के बल्ह बलेट गांव में अनुसूचित जाति बस्ती की सड़क से जुड़े विवाद का राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने गंभीर संज्ञान लिया है। जिला हमीरपुर के तीन दिवसीय दौरे के दौरान आयोग के अध्यक्ष कुलदीप कुमार, सदस्य विजय डोगरा, दिग्विजय मल्होत्रा और शालिनी जम्वाल ने टाउन भराड़ी स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में दोनों पक्षों से विस्तार से बातचीत की। चर्चा के बाद आयोग ने निर्देश दिए कि सड़क से संबंधित विवाद को आगामी पांच दिनों के भीतर आपसी सहमति से सुलझाया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और सौहार्द बना रहे। आयोग ने स्पष्ट किया कि किसी भी पक्ष के हितों को नुकसान पहुंचाए बिना समाधान निकालना प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम शशिपाल शर्मा, एएसपी लालमन शर्मा, जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे मामले के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं और तय समयसीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

रेबीज से प्रवासी व्यक्ति की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उठाए एहतियाती कदम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय अत्री ने बताया कि नादौन उपमंडल के गांव भलूं में रह रहे जम्मू के एक व्यक्ति की डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज टांडा में रेबीज से मौत की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति की रेबीज से मौत की पुष्टि होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उसके परिजनों से संपर्क करके इस मामले की विस्तृत जानकारी प्राप्त करके उन्हें चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। उन्हें रेबीज के फैलने के कारणों, लक्षणों और इससे बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान की गई है। स्थानीय लोगों को भी जागरूक किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेरा के प्रभारी मेडिकल अधिकारी ने स्वयं गांव का दौरा किया है। उन्होंने बताया कि सभी आशा वर्करों और स्वास्थ्य विभाग के फील्ड स्टाफ को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कुत्तों या अन्य जानवरों के काटने के मामलों की सूचना तुरंत दें और पीड़ितों को तुरंत रेबीज रोधी टीकाकरण के लिए रैफर करें। जिला के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में रेबीज रोधी टीकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। पशुपालन विभाग के अधिकारियों से संदिग्ध जानवरों की जांच का आग्रह किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी जिला वासियों से भी अपील की है कि वे कुत्ते या अन्य किसी जानवर द्वारा काटे जाने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में में उपचार करवाएं और रेबीज रोधी टीके अवश्य लगवाएं।

सीएम के समक्ष रखीं बड़सर विस क्षेत्र की जनसमस्याएं और मुद्दे

रूबल ठाकुर ने ओकओवर में सीएम सुक्खू से की भेंट। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

बड़सर। निदेशक एचपीएमसी एवं सदस्य राज्य नशा निवारण बोर्ड रूबल ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से ओकओवर में भेंट की। क्षेत्रवासियों की समस्याओं, विकास कार्यों की मांगों को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बड़सर विधानसभा क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं और जरूरतों को सरकार तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने क्षेत्र में सड़कों, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया और इनके शीघ्र समाधान का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित और क्षेत्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और लोगों की समस्याओं के समाधान लिए निरंतर कार्य कर रही है। रूबल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बड़सर विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाता रहेगा और क्षेत्र के लोगों की आवाज को हर मंच पर प्रमुखता से रखा जाएगा।

राजनीति | सुजानपुर नप अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर राजनीतिक विवाद गहराया

सुजानपुर में भाजपा ने किया धरना-प्रदर्शन

- गुप्त मतदान की जगह हाथ उठा कर कराया चुनाव : राणा
- चुनाव को रद्द कर पुनः कराने की मांग राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

सुजानपुर/हमीरपुर। नगर परिषद सुजानपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। भाजपा ने कांग्रेस सरकार और प्रशासन पर लोकतांत्रिक परंपराओं की अनदेखी करने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा के नेतृत्व में सुजानपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्षदों ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।

पूर्व विधायक राजेंद्र राणा के नेतृत्व में किया प्रदर्शन। अनंत ज्ञान

इस दौरान सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई तथा विरोध स्वरूप पुतला दहन कर रोष व्यक्त किया गया।

प्रदर्शन के उपरांत भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त हमीरपुर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित कर नगर परिषद सुजानपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनाव को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग उठाई। भाजपा समर्थित चारों पार्षदों ने भी एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी सुजानपुर को अलग से मांगपत्र सौंपकर चुनाव प्रक्रिया को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की। राजेंद्र राणा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और स्थानीय विधायक के दबाव में प्रशासन ने कानून और संविधान की निर्धारित प्रक्रियाओं को दरकिनार कर चुनाव सम्पन्न करवाया। हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 52(3) के अनुसार अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव गुप्त मतदान के माध्यम से होना चाहिए, लेकिन सुजानपुर में बैलेट पेपर के स्थान पर हाथ उठवाकर मतदान करवाया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के विपरीत है। भाजपा ने मांग की है कि पूरे चुनाव को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर बैलेट पेपर के माध्यम से पुनः निष्पक्ष चुनाव करवाया जाए। साथ ही चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले अधिकारियों तथा राजनीतिक हस्तक्षेप करने वालों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भाजपा ने चेतावनी दी है कि यदि चुनाव प्रक्रिया को रद्द कर पुनः मतदान नहीं कराया गया तो पार्टी अपने आंदोलन को और व्यापक रूप देगी।

धरोल गांव को सड़क की सौगात विधायक रणजीत ने किया शुभारंभ

सड़क का शुभारंभ करते विधायक कैप्टन रणजीत सिंह। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कैप्टन रणजीत सिंह विकास खंड सुजानपुर की पनोह पंचायत के धरोल गांव में क्षेत्रवासियों को सड़क सुविधा की सौगात प्रदान करते हुए विकास कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। गांव में पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक कैप्टन रंजीत सिंह का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक ने पूजा-अर्चना कर विकास कार्य का शुभारंभ किया तथा क्षेत्र के लोगों को बधाई दी। कैप्टन रणजीत सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुविधा का विस्तार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। बेहतर सड़क संपर्क से लोगों की आवाजाही सुगम होगी तथा क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

धर्मपुर व टीहरा में आज लगेगा पावर कट

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। विद्युत उपमंडल सरकाघाट के अंतर्गत 11 केवी धर्मपुर फीडर तथा 11 केवी टीहरा फीडर की एचटी लाइनों के आसपास पेड़ों की टहनियों की कटाई-छंटाई एवं आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते 25 जून को संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल सरकाघाट ई. हंस राज ने बताया कि कार्य के दौरान अपर बेहड़, जसमाई, सरोर, अल्याणा, गदयारा, परसदा, पपलोग, दमसेहडा, नौनू, हवानी, रौपड़ी, रखोह, टीकरी, गध्यानी, दारपा, बदार, डोडर, बसंतपुर, पनिहौर, कलोट, सैन, चुंगीनाका, लोअर बकारटा तथा धाड़ क्षेत्र में सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

धर्मपुर कॉलेज में एमए अंग्रेजी में प्रवेश जारी

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर के प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि एम.ए. अंग्रेजी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश आरम्भ हो चुका है। इस पाठ्यक्रम में केवल वही अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे जिन्होंने सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मण्डी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लिया है तथा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त एम.ए. अंग्रेज़ी तृतीय सेमेस्टर में भी प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है तथा द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षार्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना प्रवेश करवा सकते हैं। प्राचार्य डा॰ रमेश धलारिया ने यह भी बताया कि महाविद्यालय की स्नातक कक्षाओं (बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. आदि) में प्रवेश प्रक्रिया भी जारी है तथा इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 30 जून, 2026 तक प्रवेश ले सकते हैं।

कमांद में डिमेश्वर दत्त बने एसएमसी अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, जय देवी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कमांद (निहरी) में प्रधानाचार्य लाल सिंह वर्मा की अध्यक्षता में एसएमसी के पुनर्गठन हेतु साधारण अधिवेशन का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य नए कार्यकारिणी करने का चुनाव करना था। नई कार्यकारिणी में डिमेश्वर दत्त को प्रधान,भीमा देवी को उप प्रधान,। प्रधानाचार्य लाल सिंह वर्मा को सचिव व तेज सिंह,वरदेव को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया चुना गया। बैठक में स्कूल की कार्य प्रणाली, बेहतर व्यवस्था और साफ- सफाई आदि मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर पंचायत की नई प्रधान डिमेश्वरी देवी और वार्ड मेंबर पूजा व लगभग 80 अभिभावकों ने भाग लिया।

हिम साहित्य परिषद नेरचौक में मनाएगी कबीर जयंती

अनंत ज्ञान, भौर। हिमाचल प्रदेश की जानी मानी साहित्यिक संस्था हिम साहित्य परिषद मंडी 29 जून (सोमवार)को नेरचौक में कबीर जयंती मनाएगी।संस्था के अध्यक्ष डॉ पी सी कौंडल सहित महासचिव उतम चंद शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ सीता राम वर्मा व मठाधीश भीम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित की जाने वाली महात्मा कबीर जयंती के उपलक्ष्य में एक साहित्यिक गोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा वहीं यह भी बताया कि साहित्य के क्षेत्र में अग्रणी रहने वाली इस संस्था द्वारा मंडी जिला के विभिन्न क्षेत्रों में सैकड़ों साहित्यिक आयोजन किए जा चुके हैं जिनमें दूर-दराज क्षेत्र के युवा कवि -लेखकों को भी मंच प्रदान किया जाता रहा है।

पेंशनभोगी संघ का महाधिवेशन कल मनाली में

अनंत ज्ञान, बैहना। मनाली में 26 जून को हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ का महाधिवेशन आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष एल.आर. गुलशन करेंगे। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, महासचिव मिलाप चंद, उपाध्यक्ष खुशहाल चंद नेगी, महिला विंग अध्यक्ष लीला डोगरा एवं अन्य नेताओं ने बताया कि बैठक में पेंशनरों के लंबित वित्तीय मामलों पर चर्चा होगी तथा उपायुक्त कुल्लू के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। एल.आर. गुलशन ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार पिछले चार वर्षों से पेंशनरों की वित्तीय देनदारियों के भुगतान में लगातार देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि संशोधित वेतनमान एरियर, ग्रेच्युटी, पेंशन कम्युटेशन, लीव इनकैशमेंट, महंगाई भत्ते की बकाया किस्तों तथा मेडिकल बिलों का भुगतान लंबित है। संघ ने सरकार की हालिया अधिसूचना पर भी आपत्ति जताते हुए इसे भ्रामक बताया और चेतावनी दी कि 31 जुलाई 2026 तक सभी देनदारियों का भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

गद्दीधार स्कूल में सुनील चुने एसएमसी प्रधान

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गद्दीधार में स्कूल प्रबंधन समिति के गठन हेतु चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस चुनाव में 50 अभिभावकों ने भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तीन उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया तथा मतदान के माध्यम से एसएमसी का चयन किया गया। सुनील ठाकुर (पूर्व पंचायत प्रधान, ग्राम पंचायत गरौड़ू गद्दीधार) को अभिभावकों ने विश्वास के साथ एसएमसी का प्रधान/अध्यक्ष चुना, जबकि रचना देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त 20 सदस्यों वाली स्कूल प्रबंधन समिति का गठन भी किया गया। नवनिर्वाचित एसएमसी अध्यक्ष सुनील ने विद्यालय के समस्त स्टाफ, अभिभावक वर्ग एवं चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए एसएमसी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेगी।

गाडागुसैन में नई एसएमसी कार्यकारिणी गठित

अनंत ज्ञान, बालीचौकी। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गाड़ागुसैन के सभागार में मंगलवार को नवनिर्वाचित स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम पंचायत थाचाधार की प्रधान नेहा देवी, उपप्रधान सेस राम, ग्राम पंचायत जुफरकोट के उपप्रधान संजय कुमार, पूर्व एसएमसी कार्यकारिणी के सदस्य, शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारी तथा लगभग 160 अभिभावकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गाडागुसैन तथा राजकीय केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय गाडागुसैन की संयुक्त एसएमसी कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से दो वर्षीय कार्यकाल (2026-27 एवं 2027-28) के लिए गठन किया गया। सर्वसम्मति से देश राज को एसएमसी अध्यक्ष तथा लाल सिंह को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त हीरा सिंह, चूड़ामणि, मीरा देवी, आशा, गीता देवी, सवित्रा देवी, कांता देवी, विश्वेश्वरी, चुना देवी, मीना, सुनीता देवी, चुनी लाल, शिव राम, संगत राम, संजय कुमार, तेज राम, यशपाल तथा कुशमलता को सर्वसम्मति से एसएमसी सदस्य मनोनीत किया गया।

बाल विवाह कराने पर सेवा प्रदाताओं को भी हो सकती है सजा : एसडीएम

दो वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान

अनंत ज्ञान

बाल विवाह रोकथाम एवं जनजागरूकता को लेकर आयोजित बैठक में शामिल एसडीएम मनीश चौधरी व अन्य। अनंत ज्ञान

अनुज वर्धन, चौंतड़ा। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह रोकथाम एवं जनजागरूकता को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने कहा कि बाल विवाह करवाने या उसमें सहयोग देने वाले विवाह सेवा प्रदाताओं पर भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने बताया कि पंडित, केटरिंग संचालक, टैंट हाउस, डीजे संचालक तथा अन्य संबंधित सेवा प्रदाताओं को बाल विवाह में शामिल पाए जाने पर दो वर्ष तक के कठोर कारावास, एक लाख रुपए तक के जुर्माने अथवा दोनों सजाओं का प्रावधान है।

एसडीएम ने कहा कि अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के को नाबालिग माना जाता है तथा उनका विवाह कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे विवाह को अमान्य घोषित करवाने के लिए संबंधित पक्ष विवाह की तिथि से दो वर्ष के भीतर जिला न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है। विवाह निरस्त होने की स्थिति में उपहार, आभूषण एवं धनराशि सहित प्राप्त सामग्री भी वापस करनी होती है। मनीश चौधरी ने कहा कि बाल विवाह को बढ़ावा देने, उसका प्रचार-प्रसार करने या आयोजन में किसी भी प्रकार की भूमिका निभाने वाले व्यक्ति भी दंड के पात्र हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत एसडीएम कार्यालय, सीडीपीओ कार्यालय अथवा स्थानीय पुलिस को सूचित करें। उन्होंने महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा पुलिस विभाग को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला मंडलों और पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

बैठक का संचालन समिति के सदस्य सचिव एवं सीडीपीओ चौंतड़ा बालक राम वर्मा ने किया। इस अवसर पर एसएचओ साकिनी कपूर, पंडित राकेश कुमार, होटल व्यवसायी सुरेंद्र कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भूपेंद्र सिंह ने किया एचआरटीसी कर्मियों की हड़ताल का समर्थन

एचआरटीसी के कर्मचारियों के साथ सीटू के मंडी जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह ।

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सीटू मंडी जिला प्रधान भूपेंद्र सिंह ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा एचआरटीसी कर्मियों की मांगों की अनदेखी पर रोष जताते हुए उनके आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने सरकाघाट आरएम कार्यालय में आयोजित गेट मीटिंग में भाग लेकर सीटू मंडी जिला कमेटी की ओर से हड़ताली कर्मचारियों के समर्थन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगें पूरी करने के बजाय सरकार उनके लोकतांत्रिक आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रही है, जो तानाशाही रवैया है। संविधान का अनुच्छेद 19, ट्रेड यूनियन एक्ट 1926 और औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 कर्मचारियों को अपनी मांगों के लिए आंदोलन का अधिकार देते हैं। इसके बावजूद हड़ताल रोकने के लिए एस्मा लागू करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार लगातार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। कर्मचारी बेहतर सेवाएं दे रहे हैं, जबकि उन्हें ओवरटाइम, रात्रि भत्ता, महंगाई भत्ता, एरियर और चिकित्सा प्रतिपूर्ति जैसे देय लाभ नहीं मिल रहे। पेंशनरों को भी ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, चिकित्सा बिल, संशोधित पेंशन और अन्य वित्तीय लाभों का भुगतान नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी पिछले 15 दिनों से आंदोलनरत हैं और मांगें न माने जाने पर रात 12 बजे से बसें बंद करने का निर्णय लिया है। सरकार ने आंदोलन दबाने के लिए एस्मा लागू कर दिया, जिसका सीटू ने कड़ा विरोध करते कर्मचारियों की मांगें स्वीकार करने की मांग की है।

टायरों की कमी : सरकाघाट डिपो की 20 और धर्मपुर की 8 बसें खड़ीं

अनंत ज्ञान

टायरों की कमी के चलते खड़ीं एचआरटीसी की बसें।

रितेश चौहान, सरकाघाट। हिमाचल पथ परिवहन निगम के सरकाघाट डिपो में टायरों और स्पेयर पार्ट्स की कमी के कारण परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। जानकारी के अनुसार सरकाघाट डिपो की करीब 20 बसें टायर न मिलने के कारण खड़ी हैं, जबकि धर्मपुर डिपो की 8 बसें भी विभिन्न कारणों से संचालन से बाहर हैं। वहीं, धर्मपुर-हरिद्वार रूट पर चलने वाली एक बस तकनीकी खराबी आने के बाद देहरादून के नेपाली फार्म के पास खड़ी हो गई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बसों की कमी के कारण कई महत्वपूर्ण और ग्रामीण रूट प्रभावित हुए हैं।

◆दर्जनों रूट हो रहे प्रभावित

सरकाघाट-दिल्ली रूट फिलहाल चंडीगढ़ तक ही संचालित किया जा रहा है, जबकि लुधियाना सहित अन्य लंबी दूरी के कई रूट भी बाधित हैं। इसका सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजमर्रा के कार्यों के लिए वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। क्षेत्रीय प्रबंधक एचआरटीसी सरकाघाट राजकुमार ने बताया कि टायरों और कुछ आवश्यक स्पेयर पार्ट्स की कमी के चलते कई बसों का संचालन प्रभावित हुआ है। निगम स्तर पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जैसे ही टायर और स्पेयर पार्ट्स उपलब्ध होंगे, बंद पड़ी बसों को पुनः रूटों पर उतार दिया जाएगा तथा प्रभावित सेवाओं को बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रियों ने मांग की है कि निगम जल्द से जल्द बसों की समस्या का समाधान करे ताकि ग्रामीण और लंबी दूरी के रूटों पर सामान्य परिवहन व्यवस्था बहाल हो सके।

कामेश्वर मेले में उमड़ा जन सैलाब

अनंत ज्ञान, जंगमबाग। देव बाला कामेश्वर चांगर सुंदर नगर का मेला। धूमधाम से मनाया गया। 23 तारीख को देवता की शोभायात्रा शाम 6:00 बजे पुराना बाजार से निकली गई, जो लगभग 8:00 बजे शाम को देवता के मंदिर में पहुंची। रात्री को देवता की जाग का आयोजन किया गया। मेला के उपलक्ष में भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें मां मुरारी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने समां बांधा व वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस मेले को पुराना बाजार, चांगर,रोपा तथा सुंदर नगर के सभी लोग धूमधाम से मनाते हैं। पुजारी भानु शर्मा ने बताया कि देव बालाकामेश्वर जो शिवजी का रुप माने जाते हैं के प्रति लोगों में अटूट श्रद्धा और विश्वास है। चांगर सुधार सभा कमेटी के द्वारा मेला के उपलक्ष में प्रतिवर्ष विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाता है जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु आकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस वर्ष 18 क्विंटल चावल का भंडारा किया गया।

21 आयुर्वेदिक अस्पतालों से आयुष्मान व हिमकेयर हटाना जनविरोधी फैसला : जम्वाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने प्रदेश सरकार द्वारा 21 आयुर्वेदिक अस्पतालों को आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजना से डी-एम्पैनल किए जाने के निर्णय की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे गरीब, किसान, मजदूर और बुजुर्ग वर्ग के हितों के खिलाफ बताया।

राकेश जम्वाल ने कहा कि 23 जून 2026 को जारी आदेश के बाद इन अस्पतालों में आयुष्मान भारत और हिमकेयर के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं बंद हो गई हैं, जिससे हजारों लाभार्थी प्रभावित होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को कमजोर कर रही है और जनता को स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित कर रही है।

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि नई व्यवस्था लागू करनी थी तो सरकार ने समय रहते आवश्यक प्रक्रिया क्यों पूरी नहीं की। उनका कहना है कि प्रदेश में पहले ही डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और संसाधनों की कमी है, ऐसे में यह फैसला लोगों की मुश्किलें बढ़ाएगा। भाजपा नेता ने सरकार से तत्काल निर्णय की समीक्षा कर आयुष्मान भारत और हिमकेयर सुविधाएं बहाल करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फैसला वापस नहीं लिया गया तो भाजपा प्रदेशभर में इसका विरोध करेगी और जनता के स्वास्थ्य अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी।

अचानक बदले मौसम से गर्मी से मिली राहत

अनंत ज्ञान, जंगमबाग। बुधवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज अंधड़ और भारी बारिश ने क्षेत्र में गर्मी से काफी राहत दिलाई तथा लोगों ने ठंडक महसूस की। हालांकि तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ों की बड़ी-बड़ी टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित रही, जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। खराब मौसम के कारण बाजारों में भी सन्नाटा छा गया और सामान्य जनजीवन कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। प्रशासन और संबंधित विभागों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी तथा बाधित मार्गों को बहाल करने और बिजली व्यवस्था सुचारु करने के प्रयास शुरू किए। मौसम में आए इस बदलाव से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं तेज आंधी-तूफान ने नुकसान भी पहुंचाया।

झंगी स्कूल में विक्की साई को चुना एसएमसी अध्यक्ष

झंगी में गठित स्कूल प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला झंगी में बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के अंतर्गत नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। प्रधानाचार्य मनोज कुमार की अध्यक्षता में बैठक और चुनाव कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए। दो वर्षीय कमेटी में लोअर धलारा से विक्की साइ को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया। अनिता देवी गांव चकडोह को उपाध्यक्ष चुना गया। सदस्यों में सोहन सिंह, विक्रांत, काजल, सरिता, राजेश, बलवंत, अनिता, गोमती, अनिता, नीलम, लता, सरोजां देवी को सर्वसम्मति से समिति के सदस्य चुना गया ।इस मौके पर दिनानाथ शर्मा,कमल ठाकुर,निशा देवी और बहुत से अभिभावक और लोग मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य ने नवनियुक्त सदस्यों का हार पहना कर स्वागत किया और भविष्य में विद्यालय में लोगों से सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। बच्चों को नशें और बुराइयों के प्रति चेताया और इनसे दूर रहने का आह्वान किया।

एस्मा लगाकर कर्मियों के हकों का दमन कर रही सरकार : अजय

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश सचिव एवं अधिवक्ता अजय चौहान ने एचआरटीसी कर्मचारियों पर अनिवार्य सेवा अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू किए जाने की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि एस्मा का उपयोग सामान्यतः आपात परिस्थितियों में किया जाता है, जबकि कर्मचारियों की वर्षों से लंबित वित्तीय देनदारियों और वैधानिक अधिकारों की मांग को दबाने के लिए इसका प्रयोग अनुचित है। चौहान ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय दमनात्मक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों, परिश्रम और लंबित वित्तीय लाभों का सम्मान किया जाना चाहिए। सरकार को न्यायालयों के निर्देशों का पालन करते हुए कर्मचारियों के बकाया भुगतान शीघ्र जारी करने तथा संवाद और संवेदनशीलता के माध्यम से समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता है।

जयराम सरकार में हुई थी रविदासी समाज की अनदेखी, नहीं मिला प्रतिनिधित्व : चमन

अनुसूचित जाति के 3 विधायकों में से किसी को मंत्री नहीं बनाया

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। अखिल भारतीय दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद के महासचिव एवं राज्य प्रवक्ता चमन राही ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर तथा भाजपा नेतृत्व पर अनुसूचित जाति वर्ग, विशेषकर रविदासी समाज की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा दलित हितों की बात तो करती है, लेकिन जयराम सरकार के पांच वर्षों के कार्यकाल में दलित समाज को अपेक्षित राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिला।

राही ने कहा कि मंडी जिले की तीन आरक्षित विधानसभा सीटों बल्ह, नाचन और करसोग से भाजपा के अनुसूचित जाति वर्ग के विधायक जीतकर विधानसभा पहुंचे थे, लेकिन पूरे कार्यकाल में किसी भी दलित विधायक को मंत्री नहीं बनाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर दलित विधायकों को मंत्री पद से वंचित क्यों रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जयराम सरकार के दौरान मंडी जिले के किसी भी प्रमुख दलित नेता को बोर्डों और निगमों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं दी गई। राही ने कहा कि रविदासी समाज का जिला की सभी दस विधानसभा क्षेत्रों में प्रभावशाली जनाधार होने के बावजूद उसे टिकट वितरण और राजनीतिक नियुक्तियों में उचित भागीदारी नहीं मिली। चमन राही ने कहा कि वह राजनीतिक प्रतिनिधित्व में रोटेशन प्रणाली के पक्षधर हैं और सभी वर्गों को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के समय दलित समाज के कई नेताओं को मंत्री तथा विभिन्न बोर्डों और निगमों में प्रतिनिधित्व दिया गया था। उन्होंने सुंदरनगर जिला परिषद अध्यक्ष पद, मंडी नगर निगम और सुंदरनगर नगर परिषद में रविदासी समाज से किए गए कथित वादों को भी याद दिलाते हुए भाजपा पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। राही ने कहा कि रविदासी समाज को मंत्री पद, बोर्ड-निगमों में प्रतिनिधित्व और राजनीतिक सम्मान से वंचित रखा गया, जिसका जवाब भाजपा और जयराम ठाकुर को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दलित समाज अब अपने अधिकारों और सम्मानजनक भागीदारी के लिए संघर्ष करेगा।

आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा आज लोकतंत्र की दुहाई दे रही कांग्रेस : जयराम

मुख्यमंत्री पर जनप्रतिनिधियों के अपमान और कर्मचारियों के दमन का लगाया आरोप

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मंगलवार को मंडी के राजमहल स्थित भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश आज कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ को लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में याद कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंट दिया था, विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूंस दिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और संविधान की मूल भावना को कुचलने का प्रयास किया गया। जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस कांग्रेस ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया, वही आज लोकतंत्र की सबसे बड़ी हितैषी होने का दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस सरकार का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लगातार चुने हुए जनप्रतिनिधियों का अपमान कर रहे हैं। पंचायत, बीडीसी और जिला परिषद लोकतंत्र की जमीनी इकाइयां हैं, लेकिन सरकार इनके महत्व को कमतर आंकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों की आवाज दबाने के लिए दमनकारी कदम उठा रही है। एचआरटीसी कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के बजाय उन पर एस्मा लागू किया गया, जो सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों और जनता की समस्याओं की कोई चिंता नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक अधिकारों, कर्मचारियों के हितों और जनता की आवाज की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

शिविर लिटिल स्कॉलर्स होम स्कूल में विशेष समर कैंप का आयोजन

बच्चों ने खेल-खेल में प्राप्त किया ज्ञान

अनंत ज्ञान

विशेष समर कैंप में नौनिहालों के साथ स्कूल के अध्यापक और अभिभावक।

सुंदरनगर। उपमंडल सुंदरनगर के जुगाहण स्थित लिटिल स्कॉलर्स होम स्कूल में बच्चों के लिए सीखने और मनोरंजन के लिए विशेष समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान आयोजित बाल मेले में नौनिहालों ने विभिन्न शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह, ऊर्जा और जिज्ञासा देखने लायक रही। समर कैंप के अंतर्गत बच्चों के लिए विशेष रूप से ऐसी गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से वे खेल-खेल में नई जानकारियां प्राप्त कर सकें। बाल मेले में बच्चों को आकारों और रंगों की पहचान करवाने के साथ-साथ ठंडा-गर्म जैसी अवधारणाओं को सरल और रोचक तरीके से समझाया गया। इन गतिविधियों ने बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता और अवलोकन कौशल को भी निखारने का कार्य किया।

कैंप में विभिन्न खेलों और समूह गतिविधियों में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। नौनिहालों ने मनोरंजन के साथ-साथ सीखने का ऐसा अनुभव प्राप्त किया, जिसने उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा दिया। शिक्षकों ने बच्चों को गतिविधियों के माध्यम से नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित किया और उनकी प्रतिभाओं को सामने लाने का प्रयास किया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और व्यवहारिक गतिविधियों से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की सक्रिय भागीदारी और सीखने की ललक ने अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी प्रभावित किया। स्कूल के प्रबंधक पंकज शर्मा और प्रिंसिपल सुजाया शर्मा ने कहा कि विद्यालय हमेशा बच्चों के समग्र विकास को प्राथमिकता देता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भविष्य में भी विद्यार्थियों के लिए ऐसे नवाचारपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे वे आनंदमय वातावरण में सीखने के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व का बेहतर विकास कर सकें।

बालीचौकी में नशे से दूर रहने का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, बालीचौकी। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बालीचौकी में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा समाज में नशामुक्त वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमंडल अधिकारी (नागरिक) बालीचौकी बचित्र सिंह ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा आज समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है, जिससे विशेष रूप से युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित चित्रकला, स्लोगन लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर तहसील कल्याण अधिकारी बालीचौकी टेक सिंह ठाकुर ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों एवं इससे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

प्रत्येक व्यक्ति की अच्छाई ही प्रजातंत्रीय शासन की सफलता का मूल सिद्धांत है। –राजगोपालाचारी

संपादकीय

प्रतिष्ठा की लड़ाई में पिसती जनता

हिमाचल प्रदेश की जीवनरेखा मानी जाने वाली हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एचआरटीसी) इन दिनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। निगम प्रबंधन, कर्मचारियों और प्रदेश सरकार के बीच बढ़ता टकराव अब ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां इसका सीधा असर लाखों यात्रियों पर पड़ने की आशंका है। कर्मचारी संगठनों की ओर से लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर जताई जा रही नाराजगी और सरकार की वित्तीय मजबूरियों के बीच पैदा हुआ गतिरोध दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है।

एचआरटीसी कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में- नाइट ओवरटाइम का भुगतान, महंगाई भत्ते (डीए) की लंबित किस्तों की अदायगी तथा लंबे समय से लंबित मेडिकल बिलों का भुगतान शामिल है। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार और निगम प्रबंधन लगातार आश्वासन तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी जायज मांगों के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। उनका कहना है कि वे पहले ही सरकार को पर्याप्त सहयोग दे चुके हैं और अब उनके धैर्य की सीमा समाप्त हो चुकी है।

दूसरी ओर प्रदेश सरकार अपनी वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए कर्मचारियों से कुछ और मोहलत देने की अपील कर रही है। सरकार का कहना है कि कर्मचारियों की सभी देनदारियां चुकाई जाएंगी, लेकिन वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में तत्काल भुगतान संभव नहीं है। सरकार की यह दलील अपनी जगह उचित प्रतीत हो सकती है, किंतु कर्मचारियों का यह सवाल भी कम महत्वपूर्ण नहीं है कि यदि उनकी बकाया राशि लगातार बढ़ती जाएगी तो उसका समाधान आखिर कब होगा।

कर्मचारी संगठनों के अनुसार, सरकार पर उनकी विभिन्न मदों में 100 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारी हो चुकी है। ऐसे में कर्मचारियों के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। यह विवाद अब प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। सरकार अपनी साख बनाए रखना चाहती है, जबकि कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए निर्णायक संघर्ष के मूड में दिखाई दे रहे हैं।

यदि यह विवाद हड़ताल तक पहुंचता है तो उसका सबसे बड़ा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। एचआरटीसी की अधिकांश बसें ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में संचालित होती हैं। हिमाचल के अनेक ऐसे गांव और कस्बे हैं जहां आज भी सार्वजनिक परिवहन का एकमात्र साधन एचआरटीसी की बसें हैं। वहां निजी बस सेवाएं या तो उपलब्ध नहीं हैं अथवा बहुत सीमित हैं। ऐसे क्षेत्रों में सरकारी बस सेवा बाधित होने का अर्थ है लोगों का दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाना।

हालांकि प्रदेश सरकार ने संभावित हड़ताल की आशंका को देखते हुए छह माह के लिए आवश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू कर दिया है। इसके तहत कर्मचारियों को हड़ताल करने की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई कर्मचारी हड़ताल में शामिल होता है तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। यहां तक कि नौकरी पर भी संकट आ सकता है। सरकार का यह कदम प्रशासनिक दृष्टि से आवश्यक माना जा सकता है, लेकिन इससे कर्मचारियों की नाराजगी और बढ़ने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

एचआरटीसी का संचालन केवल हिमाचल प्रदेश तक सीमित नहीं है। निगम की बसें पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों में नियमित रूप से संचालित होती हैं। इसलिए यदि किसी कारणवश बस सेवाएं प्रभावित होती हैं तो इसका असर लाखों यात्रियों और कई राज्यों की परिवहन व्यवस्था पर पड़ेगा। विशेष रूप से पर्यटन सीजन में इसका प्रभाव और अधिक गंभीर हो सकता है।

सरकार भी इस वास्तविकता से भली-भांति परिचित है। उसे आशंका है कि यदि कर्मचारी हड़ताल पर चले गए तो जनता का भारी आक्रोश झेलना पड़ सकता है। परिवहन व्यवस्था बाधित होने की स्थिति में आम लोगों की परेशानियां बढ़ेंगी और उसका राजनीतिक नुकसान भी सरकार को उठाना पड़ सकता है। संभवत: इसी कारण सरकार ने पहले से वैकल्पिक व्यवस्था बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं।

इसी उद्देश्य से अस्थायी आधार पर ड्राइवरों और कंडक्टरों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। सरकार का मानना है कि यदि नियमित कर्मचारी काम छोड़ते हैं तो इन अस्थायी कर्मचारियों के माध्यम से बस सेवाओं को किसी हद तक संचालित रखा जा सकेगा। हालांकि इस भर्ती को लेकर बेरोजगार युवाओं में उत्साह जरूर देखा जा रहा है, लेकिन उनके मन में भविष्य को लेकर संशय भी है। उन्हें पता है कि यह नियुक्ति स्थायी नहीं है और सरकार का काम निकलते ही उन्हें फिर बेरोजगारी का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद कई युवा इसे रोजगार के अवसर के रूप में देख रहे हैं। इस पूरे विवाद का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इसमें जनता की समस्याएं कहीं पीछे छूटती दिखाई दे रही हैं। समय की मांग है कि सरकार और कर्मचारी संगठन दोनों टकराव की राजनीति से ऊपर उठकर संवाद का रास्ता अपनाएं। कर्मचारियों की जायज मांगों का सम्मान होना चाहिए और सरकार को भी अपनी वित्तीय स्थिति के अनुरूप कोई व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करना चाहिए।

आज की प्रमुख हस्ती

भारत के आठवें प्रधानमंत्री

विश्वनाथ प्रताप सिंह भारत के आठवें प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 25 जून 1931 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले में एक राजपरिवार में हुआ था। वे छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे और इलाहाबाद व पुणे विवि में शिक्षा प्राप्त की। आगे चलकर वे कांग्रेस पार्टी से जुड़े और उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। वे राज्य विधानसभा के सदस्य बने और बाद में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार में वाणिज्य मंत्री और वित्त मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले। वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ सख्त रुख अपनाकर एक ईमानदार छवि बनाई।

विश्वनाथ प्रताप सिंह
जन्म : 25 जून, 1931
मृत्यु : 27 नवंबर, 2008

1989 के आम चुनाव में कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला और विपक्षी दलों के गठबंधन राष्ट्रीय मोर्चा को समर्थन मिलने के बाद वे 2 दिसंबर 1989 को प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल का सबसे महत्वपूर्ण और विवादास्पद निर्णय मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करना था, जिसके तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इस फैसले ने देश में सामाजिक न्याय की राजनीति को नई दिशा दी, लेकिन इसके साथ ही व्यापक छात्र आंदोलन और विरोध भी देखने को मिला। उनके कार्यकाल में कश्मीर में आतंकवाद, प्रशासनिक अस्थिरता और गठबंधन सरकार के भीतर मतभेद गंभीर समस्या बने रहे।

राष्ट्रीय मोर्चा सरकार में लगातार बढ़ते राजनीतिक तनाव और समर्थन में कमी के कारण अंतत: 10 नवंबर 1990 को उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। 27 नवंबर 2008 को उनका निधन हो गया।

कविता

मेहनत का फल

राकेश शास्त्री
शिक्षक, जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

मेहनत से उठा हूं मैं, मेहनत का दर्द जानता हूं।
आसमां से ज्यादा जमीन की कदर जानता हूं।
छोटे से बड़ा बनना आसान नहीं होता।
कितना जरूरी है धैर्य सब जानता हूं।
मेहनत से किस्मत बदल जाएगी।
हाथों में पड़े छालों का असर जानता हूं।
बेवजह बेहिसाब मुस्कराता हूं,
आधे दुश्मनों को यूं ही हरा देता हूं।
बहुत कुछ पाया है जीवन में।
सब मिट्टी में मिल जाएगा सब जानता हूं।

राम मंदिर में अनियमितताओं के आरोप और आस्था का प्रश्न

भारत दुनिया का एक ऐसा देश है जहां करोड़ों लोग मंदिरों, तीर्थ स्थलों और धार्मिक संस्थाओं में गहरी आस्था रखते हैं। यहां पत्थर की मूर्ति में भी प्राण-प्रतिष्ठा कर उसे ईश्वर का स्वरूप मानकर पूजा जाता है। देश के लगभग हर गांव, कस्बे और शहर में मंदिर हैं और अनेक नगर तो मंदिरों की नगरी के रूप में प्रसिद्ध हैं। भारतीय समाज में धर्म केवल पूजा-पाठ का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का भी महत्वपूर्ण आधार है।

डॉ. अशोक कुमार चौबे
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

राम जन्मभूमि आंदोलन भारतीय राजनीति और समाज का एक बड़ा अध्याय रहा है। इस आंदोलन ने दशकों तक देश की राजनीति को प्रभावित किया। भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अन्य संगठनों ने लंबे समय तक इस मुद्दे को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। लाखों लोगों ने इसमें भागीदारी की और करोड़ों लोगों ने इसे अपनी धार्मिक आस्था से जोड़ा। अंतत: सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हो सका। मंदिर निर्माण के लिए देश-विदेश से श्रद्धालुओं ने उदारतापूर्वक दान दिया। लोगों का विश्वास था कि उनका योगदान एक ऐतिहासिक और पवित्र कार्य में लग रहा है। यही कारण है कि राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं, त्याग और विश्वास का प्रतीक बन गया। हाल के समय में राम मंदिर से जुड़े कुछ कथित आर्थिक अनियमितताओं और चोरी के आरोपों ने श्रद्धालुओं के बीच चिंता पैदा की है।

विभिन्न समाचार माध्यमों और सार्वजनिक चर्चाओं में यह दावा किया गया कि मंदिर से जुड़े कुछ मामलों में वित्तीय पारदर्शिता को लेकर प्रश्न उठाए गए हैं। कुछ लोगों ने चढ़ावे, निर्माण कार्यों और दान राशि के उपयोग के संबंध में भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि इन आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्धारण केवल जांच और प्रमाणों के आधार पर ही हो सकता है।

किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी श्रद्धालुओं का विश्वास होता है। जब भक्त अपनी मेहनत की कमाई का एक हिस्सा दान के रूप में देते हैं, तो उनका विश्वास होता है कि वह धन धार्मिक, सामाजिक और जनहितकारी कार्यों में उपयोग होगा। यदि कहीं भी वित्तीय अनियमितता या पारदर्शिता की कमी की आशंका उत्पन्न होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि धार्मिक और नैतिक स्तर पर भी पड़ता है। राम मंदिर का महत्व सामान्य मंदिरों से कहीं अधिक है। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है और लंबे संघर्ष के बाद निर्मित हुआ है। इसलिए इसकी व्यवस्था, वित्तीय संचालन और प्रशासनिक कार्यों में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता अपेक्षित है।

देश के अनेक बड़े धार्मिक संस्थानों जैसे माता वैष्णो देवी और तिरुपति बालाजी मंदिरों में नियमित लेखा-परीक्षण, निगरानी और सार्वजनिक जवाबदेही की व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। इसी प्रकार की पारदर्शी व्यवस्था प्रत्येक बड़े धार्मिक संस्थान में होनी चाहिए। यदि किसी प्रकार की शिकायत या आरोप सामने आते हैं तो उनका समाधान तथ्यों और निष्पक्ष जांच के माध्यम से होना चाहिए। आरोपों को दबाने या बिना जांच के खारिज करने से संदेह और बढ़ता है। दूसरी ओर बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या संस्था को दोषी ठहराना भी उचित नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्य तक पहुंचने का मार्ग निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया ही है।

इसी संदर्भ में विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन और जांच की चर्चाएं भी सामने आई हैं। जनता की अपेक्षा है कि जांच पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से हो तथा जो भी तथ्य सामने आएं उन्हें सार्वजनिक किया जाए। इससे न केवल विवाद समाप्त होगा, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी मजबूत होगा। यह भी आवश्यक है कि मंदिर प्रशासन प्रत्येक वर्ष प्राप्त दान, उसके उपयोग, निर्माण कार्यों बैंक खातों और लेखा-परीक्षण की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करे। आधुनिक तकनीक के युग में यह कार्य कठिन नहीं है। ऑनलाइन रिपोर्ट, वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट और सार्वजनिक वित्तीय विवरणों के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है।

आस्था और विश्वास किसी भी समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं। यदि लोगों को यह भरोसा हो कि उनके दान और सहयोग का उपयोग सही उद्देश्यों के लिए हो रहा है, तो धार्मिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ती है लेकिन यदि संदेह उत्पन्न हो जाए तो उसका प्रभाव दूरगामी होता है। इसलिए आवश्यक है कि राम मंदिर सहित सभी धार्मिक संस्थाएं पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के सर्वोच्च मानकों का पालन करें।

कुल मिलाकर, राम मंदिर में अनियमितताओं के आरोपों का विषय किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति से अधिक करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं और आस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे में उनका विश्वास किसी सूरत में नहीं टूटना चाहिए, इसलिए जांच निष्पक्ष हो, दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई हो और यदि आरोप निराधार सिद्ध हों तो सत्य को भी उतनी ही स्पष्टता से सामने लाया जाए। यही आस्था, न्याय और लोकतंत्र-तीनों के हित में होगा। जय श्रीराम।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भोजपुर की कथित मुठभेड़ : क्या कानून से ऊपर है पुलिस कार्रवाई ?

भारत में फर्जी पुलिस मुठभेड़ों का इतिहास कोई नया विषय नहीं है। समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें पुलिस या सुरक्षाबलों पर किसी व्यक्ति की हत्या को मुठभेड़ का रूप देकर वैध ठहराने के आरोप लगते रहे हैं।

निर्मल रानी
सामाजिक विचारक

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता, त्वरित न्याय की मानसिकता, राजनीतिक दबाव या अपराधियों से तत्काल निपटने की प्रवृत्ति को अक्सर इसके पीछे कारण बताया जाता है, लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायिक प्रक्रिया से ऊपर उठकर की गई कार्रवाई न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि कानून के शासन की मूल भावना को भी कमजोर करती है।

बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में 28 वर्षीय भरत भूषण उर्फ भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मृत्यु ने एक बार फिर ऐसे ही सवालों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मौत का मामला नहीं रह गई है, बल्कि इसने पुलिस कार्रवाई, प्रशासनिक जवाबदेही और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है।

भरत तिवारी के विरुद्ध पहले किसी गंभीर आपराधिक मामले का रिकॉर्ड नहीं था। वह अपने क्षेत्र के बाढ़ कटाव पीड़ितों के पुनर्वास, रहने योग्य भूमि की व्यवस्था तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए चुनावी वादों को पूरा करने की मांग उठा रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में वह नेताओं और अधिकारियों को उनके वादों की याद दिलाता दिखाई देता है। हालांकि हाथ में हथियार लेकर अपनी मांगें रखना निश्चित रूप से कानून सम्मत नहीं कहा जा सकता, लेकिन इससे उसके उठाए गए जनहित के मुद्दों का महत्व कम नहीं हो जाता। इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यदि भरत तिवारी ने पुलिस के सामने अपना हथियार फेंक दिया था और पुलिस ने उसे अपने नियंत्रण में ले लिया था, तो उसके बाद मुठभेड़ जैसी स्थिति कैसे उत्पन्न हुई? परिवार और स्थानीय लोगों का भी यही आरोप है कि जब उसने आत्मसमर्पण जैसा कदम उठा लिया था, तब गोली चलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी। यदि जांच में यह तथ्य सही साबित होता है, तो यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पुलिस ने स्वयं उसे मानसिक रूप से अस्थिर या विक्षिप्त बताया था। यदि ऐसा था, तो फिर उसे नियंत्रित करने और गिरफ्तार करने के लिए अन्य वैधानिक और मानवीय उपाय क्यों नहीं अपनाए गए? किसी मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति के खिलाफ घातक बल का प्रयोग अंतिम विकल्प ही होना चाहिए।

घटना के बाद कुछ लोगों ने इसे जातीय दृष्टिकोण से जोड़ने का प्रयास किया है, लेकिन यह मामला किसी जाति विशेष का नहीं है। भरत तिवारी जिन मुद्दों को उठा रहा था, वे पूरे गांव और स्थानीय समाज की समस्याओं से जुड़े थे। इसलिए इस घटना को जातीय चश्मे से देखने के बजाय नागरिक अधिकारों, पुलिस जवाबदेही और कानून के शासन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

सकारात्मक पक्ष यह है कि मामले में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच शुरू हो चुकी है। वीडियो रिकॉर्डिंग, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना की वास्तविकता सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। यही वह प्र्, या है जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सत्य और न्याय तक पहुंचने का माध्यम बन सकती है।

भोजपुर की यह कथित मुठभेड़ कई अनुत्तरित प्रश्न छोड़ गई है। क्या किसी व्यक्ति द्वारा सत्ता और प्रशासन से सवाल पूछना इतना बड़ा अपराध है कि उसका उत्तर गोली से दिया जाए? क्या कानून के दायरे में रहकर इस स्थिति का समाधान नहीं निकाला जा सकता था? इन सवालों का जवाब केवल भरत तिवारी के परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को चाहिए। निष्पक्ष और पारदर्शी जांच ही इस मामले में सत्य को सामने ला सकती है तथा जनता का विश्वास न्याय व्यवस्था में बनाए रख सकती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

दो सीमाओं के मध्य प्रकृति और आस्था का अद्‌भुत संगम महाकाली मंदिर

उत्तर भारत में स्थित हरियाणा, जोकि हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है, में अनेकों धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक स्थल अवस्थित हैं, जिनकी अपनी ही महत्ता है। वैसे हिमालय क्षेत्र सदा से मानवता का केंद्र रहा है। हरियाणा राज्य के जिला पंचकुला के कालका में अवस्थित ऐतिहासिक व प्राचीन महाकाली का अलौकिक मंदिर पुरातन काल से ही श्रद्धालुओं की अटूट आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है।

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

काली माता का यह मंदिर हिमाचल प्रदेश-हरियाणा राज्य की सीमा पर प्रकृति और आस्था के अद्‌भुत संगम में विद्यमान है, जो सैलानियों को आत्मविभोर कर देता है। यहां से दिखाई देती हिमाचल प्रदेश की चांदी सरीखी बर्फ से लकदक पर्वत, चोटियां और घने पेड़ों से आच्छादित हरियाली के नयनाभिराम दृश्य मंदिर की शोभा को और भी नैसर्गिक सौंदर्य से सराबोर कर देते हैं। वैसे भी कालका शहर की मुख्य पहचान इस महाकाली मंदिर यानी कालका मंदिर से अधिक प्रचलित है। मंदिर की महिमा चारों ओर इसलिए मानी जाती है कि आदि युग सतयुग में मां काली का अवतरण इस स्थल से ही हुआ था। काली माता के इस प्राचीन मंदिर के इतिहास के अनुसार आदियुग सतयुग में महिषासुर, चंड-मुंड, शुंभ-निशुंभ और रक्तबीज जैसे दैत्यों के घोर उपद्रव से ऋषि-मुनि ही नहीं, बल्कि देवता भी उनके तांडव से भयभीत होकर पर्वत की घनी कंदराओं में छुपे रहते थे। सभी देवताओं ने एक सुर में आदि शक्ति श्री जगदंबा मातेशवरी की पूजा-अर्चना की और उनकी पूजा-अर्चना से प्रसन्न होकर भगवती श्री आदि शक्ति का एक बाला के रूप में प्राकट्‌य हुआ। सभी देवताओं ने बाला रूपी मातेशवरी के समक्ष अपनी ज्वलंत और मार्मिक पीड़ा का विस्तार से व्याख्यान किया। मां ने उनकी पीड़ा को शिरोधार्य करते हुए अपने स्वरूप का विस्तार किया, जिसके हजारों हाथ-पैर थे। उन सभी देवताओं ने आदि शक्ति को अपना एक-एक शस्त्र दिया। ब्रह्मा ने कमंडल, विष्णु ने चक्र, इंद्र ने व्रज, शिव ने त्रिशूल, यमराज ने यम-फांस आदि शस्त्र अर्पित किए। शस्त्रों से अलंकृत होकर मां रणभूमि में प्रकट हुई। महिषासुर आदि सभी राक्षसों- दैत्यों का वध कर माता जगदंबा कालका भूमि स्थल पर ही स्थापित हो गई।

किंवदंतियों के अनुसार, इससे पूर्व इस स्थान का नाम सिंधु वन हुआ करता था। तत्पश्चात हिमाचल नामक एक प्रतापी राजा हुआ करते थे, जिनके नाम से इस स्थल का नाम हिमाचल पड़ा और इस राज्य के विभाजन के कारण यह भाग हरियाणा राज्य में सम्मिलित हो गया। कालका स्थित माता महाकाली मंदिर उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

जनश्रुति के अनुसार, द्वापर युग में पांडवों के अज्ञातवास के दौरान राजा विराट की प्रिय गाय श्यामा प्रतिदिन एक पिंडी पर स्वयं दूध अर्पित करती थी। जब अर्जुन और अन्य पांडवों ने यह दृश्य देखा तो इसे दैवीय चमत्कार मानकर वहां माता की पूजा-अर्चना की और मंदिर का निर्माण कराया। तभी से यह स्थान काली माता के नाम से प्रसिद्ध हो गया। मंदिर में मां महाकाली की दिव्य प्रतिमा के साथ मां सरस्वती, मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की सुंदर मूर्तियां स्थापित हैं। यहां हनुमानजी की प्रतिमा, विशाल शिवलिंग तथा उस पर निरंतर बहती जलधारा श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करती है। मंदिर परिसर में स्थित पवित्र कुंड भी आस्था का प्रमुख केंद्र है। मुख्य द्वार पर शेरों और भैरों देवजी की प्रतिमाएं इसकी भव्यता को और बढ़ाती हैं। मंदिर के समीप गुरु नानक देव जी को समर्पित एक भव्य गुरुद्वारा भी स्थित है।

नवरात्रों, विशेषकर अष्टमी और नवमी के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं का विशाल जनसमूह उमड़ पड़ता है। मंदिर का प्रबंधन और रखरखाव श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड, पंचकूला द्वारा किया जाता है। प्रतिदिन भंडारे और सुबह-शाम होने वाली आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। चंडीगढ़, दिल्ली, शिमला और सोलन से सड़क तथा रेल मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। मंदिर के आसपास प्रसाद और अन्य वस्तुओं की अनेक दुकानें भी उपलब्ध हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कोचिंग सेंटर की राख में दफन सपने और जवाब मांगती 15 मौतें

आचार्य चाणक्य ने कहा था कि बुद्धिमान शासक वही है जो संकट आने से पहले उसके संकेत पहचान ले और उसके समाधान की तैयारी कर ले। दुर्भाग्य से आज का प्रशासनिक तंत्र अक्सर किसी त्रासदी के बाद ही जागता दिखाई देता है। लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग, जिसमें 15 मासूम छात्रों की जान चली गई, इसी प्रशासनिक विफलता का दर्दनाक उदाहरण है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही लापरवाही, भ्रष्टाचार और जवाबदेही के अभाव का परिणाम है।

अजय कुमार
स्वतंत्र लेखक

सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि आग कैसे लगी, बल्कि यह है कि जिस भवन को आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृति मिली थी, वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने की अनुमति कैसे मिली? यदि वर्ष 2016 में अवैध निर्माण को गिराने का आदेश जारी हुआ था, तो वह आदेश बाद में क्यों और किन परिस्थितियों में वापस ले लिया गया? एक दशक तक प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी के बावजूद अवैध गतिविधियां जारी रहना केवल लापरवाही नहीं, बल्कि व्यवस्था में गहरे बैठे भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। शहरों में अवैध निर्माण अब एक समानांतर व्यवस्था का रूप ले चुका है। आवासीय भवनों में कोचिंग सेंटर, अस्पताल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हो रहे हैं। पार्किंग स्थलों को दुकानों में बदला जा रहा है और सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। यह सब स्थानीय निकायों, अग्निशमन विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की जानकारी के बिना संभव नहीं हो सकता। जब नियमों के पालन से अधिक महत्व रिश्वत और प्रभाव को मिलने लगे, तब ऐसी त्रासदियां लगभग तय हो जाती हैं।

हर बड़े हादसे के बाद प्रशासन का एक तयशुदा ढर्रा सामने आता है। जांच समितियां बनती हैं, कुछ अधिकारियों को निलंबित किया जाता है और अवैध प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन सवाल यह है कि यदि यही सतर्कता पहले दिखाई जाती, तो क्या इतनी बड़ी जनहानि होती? हादसे के बाद की सक्रियता कभी भी उन जिंदगियों को वापस नहीं ला सकती जो लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी हैं।

इस घटना के बाद सामने आए एक अग्निशमन कर्मी के बयान ने भी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। यदि निचले स्तर के कर्मचारी ही यह कहने लगें कि वास्तविक जिम्मेदार अधिकारियों तक कार्रवाई नहीं पहुंचती, तो यह स्थिति और अधिक चिंताजनक हो जाती है। जवाबदेही केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिन अधिकारियों के क्षेत्राधिकार में ऐसे अवैध निर्माण और सुरक्षा उल्लंघन हुए हैं, उनकी जिम्मेदारी भी स्पष्ट रूप से तय होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री द्वारा राज्यव्यापी फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश स्वागत योग्य कदम हैं, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि यह केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए। अस्पतालों, कोचिंग संस्थानों, मॉल और अन्य सार्वजनिक भवनों का वास्तविक और निष्पक्ष निरीक्षण आवश्यक है। सुरक्षा प्रमाणपत्र केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उनका प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन किसी भी त्रासदी का समाधान केवल दोषारोपण से नहीं निकलता। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके लिए राजनीति नहीं बल्कि न्याय और जवाबदेही महत्वपूर्ण है। उन्हें यह जानने का अधिकार है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां बनने ही क्यों दी गईं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

एलिसा पैरी की दुनिया दीवानी

ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज महिला क्रिकेटर एलिस पैरी खूबसूरती में किसी से कम नहीं हैं। पैरी के दुनिया में करोड़ों फैंस हैं, जो उनके खेल से ज्यादा उनकी खूबसूरती पर फिदा हैं। पैरी इंस्टाग्राम पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

महिला टी20 विश्व कप : पाक की सेमीफाइनल उम्मीदें लगभग खत्म

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रनों से हराया

एजेंसी, लीड्स

एलिस पेरी की शानदार अर्धशतकीय पारी और घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार देर रात महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में पाकिस्तान को 113 रन से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है, जबकि पाकिस्तान को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत झटके के साथ हुई जब बेथ मूनी बिना खाता खोले आउट हो गईं, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट शामिल रहे। जॉर्जिया वोल ने 39 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से नशरा संधू और सादिया इकबाल ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से नहीं रोक सकीं। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। दूसरे ही ओवर में गुल फिरोजा रन आउट हो गईं। पाकिस्तान की पारी में कुल तीन बल्लेबाज रन आउट हुए, जिससे टीम कभी मुकाबले में लौट नहीं सकी।

मुनीबा अली ने 32 रन और फातिमा सना ने 17 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। एलिस पेरी ने बल्ले के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया और केवल एक ओवर में 9 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। सोफी मोलिन्यू ने 6 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने भी दो सफलताएं हासिल कीं। पाकिस्तान की टीम 86 रन पर ढेर हो गई और ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 113 रन से जीत लिया। अब ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला भारत से होगा, जबकि पाकिस्तान अपनी पहली जीत की तलाश में नीदरलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगा। (अनंत ज्ञान)

भारत के लिए बांग्लादेश से करो या मरो की जंग आज

एजेंसी, मैनचेस्टर

महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का अभियान निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। वीरवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मुकाबले में भारत की नजर जीत के साथ अपनी कमजोरियों को दूर करने पर भी होगी। मध्यक्रम की बल्लेबाजी और खराब क्षेत्ररक्षण टीम की सबसे बड़ी चिंता बनकर उभरे हैं।

टूर्नामेंट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया है। मंधाना ने तीन मैचों में 159 रन, जबकि शेफाली ने 92 रन बनाए हैं। दोनों का स्ट्राइक रेट 154 से अधिक रहा है। हालांकि, मजबूत शुरुआत मिलने के बावजूद मध्यक्रम अपेक्षित योगदान नहीं दे पाया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और यस्तिका भाटिया तेजी से रन बनाने में संघर्ष करती नजर आई हैं। ऐसे में ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा पर रन गति बनाए रखने का अतिरिक्त दबाव बन रहा है। ऋचा और दीप्ति ने प्रभावशाली बल्लेबाजी की है, लेकिन उन्हें अक्सर कम गेंदें खेलने को मिलती हैं।

भारत ने अब तक तीन मैचों में दो जीत दर्ज कर चार अंक हासिल किए हैं और उसका नेट रन रेट 2.511 है। टीम ने पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गेंदबाजी में भी भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिले मौके का पूरा फायदा नहीं उठा सका। वहीं क्षेत्ररक्षण में हुई चूकें भी भारी पड़ीं। राधा यादव द्वारा छोड़े गए अहम कैच मैच का रुख बदलने वाले साबित हुए।

दूसरी ओर, बांग्लादेश ने पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराकर अपनी क्षमता साबित की है। टीम सामूहिक प्रदर्शन के दम पर खेल रही है और भारत को हल्के में लेने की गलती नहीं करनी होगी। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके बाद उसे ग्रुप की सबसे मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

विंबलडन-2026 के ऐतिहासिक आगाज के लिए तैयार सिनर और स्वियातेक

जिनेवा जिनेवा। विंबलडन 2026 का आगाज इस बार ऐतिहासिक पल के साथ होने जा रहा है। गत पुरुष एकल चैंपियन यानिक सिनर 29 जून को सेंटर कोर्ट पर टूर्नामेंट का पहला मुकाबला खेलेंगे और ऐसा करने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन जाएंगे। 24 वर्षीय सिनर ने कहा कि सेंटर कोर्ट पर शुरुआती मैच खेलना उनके लिए बेहद रोमांचकारी अनुभव होगा। उन्होंने बताया कि विंबलडन का माहौल दुनिया के किसी भी टेनिस कोर्ट से अलग है और चैंपियन के तौर पर पहले ही मैच में सेंटर कोर्ट पर उतरना उनके लिए गर्व की बात है। महिला एकल में गत चैंपियन इगा स्वियातेक दूसरे दिन सेंटर कोर्ट पर अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। पिछले वर्ष खिताब जीतकर वह विंबलडन महिला एकल जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनी थीं। स्वियातेक ने कहा कि घास के कोर्ट पर अपने खेल को ढालने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है और अब वे अधिक आक्रामक शैली के साथ उतर रही हैं। उन्होंने विंबलडन के इतिहास का हिस्सा बनने को अपने करियर का खास पल बताया। इस बार भी कई युवा और अनुभवी खिलाड़ी खिताब की दौड़ में शामिल हैं। पुरुष वर्ग में टेलर फ्रिट्ज, बेन शेल्टन और स्टेफानोस सित्सिपास जैसे खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे, जबकि महिला वर्ग में कोको गॉफ और अन्य शीर्ष खिलाड़ी दावेदार माने जा रहे हैं। 149 वर्षों के इतिहास वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एक बार फिर टेनिस जगत की निगाहें सेंटर कोर्ट पर टिकी रहेंगी। (अनंत ज्ञान)

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में वंशिका और शिवा ने जीता रजत

एजेंसी, नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत की वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश की झोली में एक और पदक डाल दिया। भारतीय जोड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान संयमित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंततः रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारत ने प्रतियोगिता में एक और महत्वपूर्ण पदक जोड़ लिया। इस पदक के बाद आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 में भारत की कुल पदक संख्या 16 हो गई है। भारतीय दल के खाते में अब 5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय दल पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। भारतीय निशानेबाजों की निरंतर सफलता ने एक बार फिर विश्व मंच पर देश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा निशानेबाजों का यह प्रदर्शन भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है और भारतीय निशानेबाजी की मजबूत प्रतिभा को दर्शाता है। (अनंत ज्ञान)

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर बॉब ब्लेयर का निधन

एजेंसी, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज बॉब ब्लेयर का इंग्लैंड में 94वें जन्मदिन के दिन निधन हो गया है। ब्लेयर, सिर्फ रिकॉर्ड्स बनाने वाले क्रिकेटर नहीं थे, बल्कि उनके जज्बे, हौसले और खेल भावना की मिसाल थे। उनके निधन की खबर की पुष्टि न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने गहरे शोक के साथ की। इतना ही नहीं ब्लेयर को श्रद्धांजलि देने के लिए कीवी टीम इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम टेस्ट के पहले दिन काली पट्टी बांधकर उतरेगी। 1952 से 1964 तक न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट खेलने वाले ब्लेयर ने 43 विकेट अपने नाम किए। घरेलू क्रिकेट में 59 फर्स्ट क्लास मैचों में उन्होंने 330 विकेट अपने नाम दर्ज किए। 1956-57 का सीजन के दौरान सिर्फ 9 की औसत से 46 विकेट, और दो बार पारी में 9-9 विकेट का शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। शानदार प्रदर्शन के बीच ब्लेयर को सबसे ज्यादा 1953 में साउथ अफ्रीका दौरे के दूसरे टेस्ट के लिए ज्यादा याद रखती है। दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन की सुबह 21 साल के ब्लेयर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। क्रिसमस ईव पर हुए टांगीवाई रेल हादसे में उनकी मंगेतर नेरिसा लव समेत 151 लोगों की जान चली गई थी। (अनंत ज्ञान)

ब्रिटेन दौरे के लिए जूनियर महिला हॉकी टीम का ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने 5 से 14 जुलाई तक होने वाले ब्रिटेन दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम नए मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड में कुल सात मुकाबले खेलेगी। यह दौरा आगामी जूनियर एशिया कप समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

टीम की कप्तानी खैदेम शिलेइमा चानू को सौंपी गई है, जबकि गोलकीपर के रूप में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज को शामिल किया गया है। भारतीय टीम अपने दौरे की शुरुआत एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के खिलाफ दो मैचों से करेगी। इसके बाद लिलेशॉल राष्ट्रीय खेल केंद्र में अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले जाएंगे। मुख्य प्रशिक्षक टिम व्हाइट ने कहा कि यह दौरा खिलाड़ियों के विकास और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने बताया कि टीम में कई ऐसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिन्हें विदेशी टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव नहीं है। व्हाइट ने विश्वास जताया कि मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबले से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता परखने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी। (अनंत ज्ञान)

फीफा विश्व कप

कोलंबिया ने डीआर कांगो को 1-0 से हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी

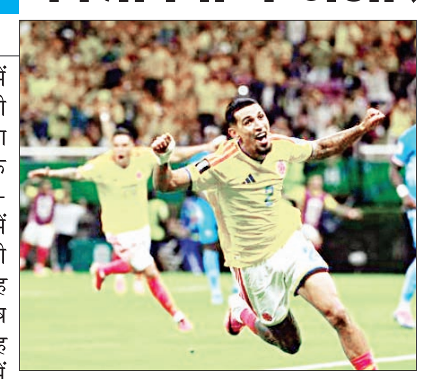

डेनियल मुन्योज के दूसरे हाफ में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-के मुकाबले में डीआर कांगो को 1-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ कोलंबिया ने छह अंक जुटाए और एक मैच शेष रहते अंतिम-32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले में कोलंबिया ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और कई अवसर बनाए, लेकिन डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने शानदार बचाव करते हुए जेम्स रोड्रिगेज, लुइस डियाज और जॉन एरियास के प्रयासों को विफल कर दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हो सका।

कोलंबिया को आखिरकार 76वें मिनट में सफलता मिली। हुआन क्विंटेरो के सटीक पास पर डेनियल मुन्योज़ दाएं छोर से पेनाल्टी क्षेत्र में पहुंचे और उनका निचला शॉट रक्षक से हल्का सा टकराकर गोल में समा गया। यही गोल मैच का निर्णायक क्षण साबित हुआ। गोल खाने के बाद डीआर कांगो ने वापसी की कोशिश की, लेकिन कोलंबियाई रक्षा पंक्ति ने उन्हें कोई बड़ा मौका नहीं दिया। मुकाबले के अंत तक कोलंबिया ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। अब कोलंबिया का अंतिम ग्रुप मुकाबला पुर्तगाल से होगा। वहीं डीआर कांगो के खाते में दो मैचों के बाद केवल एक अंक है और नॉकआउट की उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे अंतिम मुकाबले में उज्बेकिस्तान को हराना होगा। (अनंत ज्ञान)

घाना की मजबूत रक्षा के आगे बेबस हुआ इंग्लैंड, खेला गोलरहित ड्रॉ

मैसाचुसेट्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एल मुकाबले में घाना ने दमदार रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 0-0 की बराबरी पर रोक दिया। बोस्टन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी घाना की मजबूत रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रहे। हैरी केन और जूड बेलिंगहम की अगुवाई में इंग्लैंड ने पूरे मैच में आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन घाना के खिलाड़ियों ने अनुशासित और संगठित खेल दिखाते हुए हर हमले को विफल कर दिया। इस ड्रॉ के साथ घाना के दो मैचों में चार अंक हो गए हैं और वह बेहतर गोल अंतर के कारण इंग्लैंड से पीछे है। इंग्लैंड को जीत का सबसे सुनहरा मौका मैच के अंतिम क्षणों में मिला। स्थानापन्न खिलाड़ी निको ओ'राइली का शानदार हेडर गोलपोस्ट से टकराकर लौट आया। इसके बाद मिले मौके पर हैरी केन भी गेंद को गोल में नहीं पहुंचा सके और उनका प्रयास बार के ऊपर चला गया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस टुखेल ने मॉर्गन रोजर्स और एबेरेची एज़े को मैदान पर उतारकर आक्रमण तेज करने की कोशिश की, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिल सकी। घाना ने पूरे मुकाबले में संयम और धैर्य के साथ खेलते हुए इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण एक अंक हासिल किया।

कर्नाटक में आतंकी संपर्क के संदेह में युवक गिरफ्तार

एजेंसी, बेंगलुरु

◆ **पाकिस्तानी नेटवर्क से जुड़े होने के शक में सुरक्षा एजेंसियां कर रहीं पूछताछ**

कर्नाटक के दावणगेरे जिले के हरिहर तालुक के बन्निकोडु गांव से पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों से संपर्क के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी सुहैल (20) के रूप में हुई है। पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया।

हरिहर ग्रामीण पुलिस थाने में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित संदिग्ध नेटवर्क के संपर्क में था और उसके मोबाइल फोन से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने बताया कि युवक काम की तलाश में दावणगेरे आया था और फैक्टरी में पेंटिंग का काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पाकिस्तान आधारित संपर्कों के संकेत मिले हैं, हालांकि पूरे मामले की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी करीब 15 दिन पहले हरिहर पहुंचा था और स्थानीय क्षेत्र में रह रहा था, ताकि किसी को शक न हो। जांच में उसके मोबाइल से पाकिस्तान के कंट्री कोड (+92) वाले नंबर और कुछ संदिग्ध ऑनलाइन ग्रुप्स से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब आरोपी के नेटवर्क, उसके संपर्कों और संभावित साजिश के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही हैं। (अनंत ज्ञान)

दावा : टैरिफ को लेकर कॉमर्स मिनिस्टर पर भड़के थे ट्रंप

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन पर लगने वाले टैरिफ को लेकर एक मीटिंग में अपने ही अधिकारियों पर भड़क गए थे। एक नई किताब के मुताबिक, ट्रंप को लगता था कि भारत अमेरिकी सामानों पर सरकारी आंकड़ों से कहीं ज्यादा टैक्स (टैरिफ) लगाता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार मैगी हैबरमैन और जोनाथन स्वान की किताब 'रिजीम चेंज: इनसाइड द इम्पीरियल प्रेसिडेंसी ऑफ डोनाल्ड ट्रंप' में दावा किया गया है कि ट्रंप ने वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक से कहा था कि उन्हें भारत और चीन के टैरिफ को लेकर सही जानकारी नहीं दी जा रही।

किताब के अनुसार, जब लुटनिक ने आधिकारिक आंकड़े दिखाए, तो ट्रम्प ने उन्हें भी खारिज कर दिया। उनका कहना था कि यह आंकड़े बकवास हैं। भारत अमेरिकी सामानों पर कम से कम 175 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में भारत का औसत 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' टैरिफ 15.8 प्रतिशत था, यानी कि अगर भारत 100 तरह के सामान आयात करता है, तो उन सभी पर लगने वाले टैरिफ का औसत लगभग 16 प्रतिशत बैठता है।

वहीं, 2023 में व्यापार-भारित औसत टैरिफ करीब 12 प्रतिशत रहा। इसमें उन सामानों को ज्यादा महत्व दिया जाता है जिनका व्यापार अधिक होता है। यानी वास्तविक व्यापार में भारत पर आने वाला औसत टैरिफ लगभग 12 प्रतिशत के आसपास पड़ता है। यही वजह है कि डब्लयूटीओ और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की रिपोर्टों में भारत को उच्च टैरिफ वाला देश तो कहा जाता है, लेकिन कभी पूरे भारतीय टैरिफ इन्फ्रा के लिए 175 प्रतिशत का आंकड़ा नहीं दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

सरकार बोली-एथेनॉल फ्यूल में चींटियां लगने का वीडियो फेक

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **पेट्रोल में गन्ने का रस मिलाने की बात गलत, इंजन खराब की कोई रिपोर्ट नहीं**

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एथेनॉल फ्यूल को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाना पूरी तरह से साइंटिफिक है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वाहन के फ्यूल टैंक के पास चींटियां दिखाई गई थीं। इस पर भारत पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ईंधन ग्रेड एथेनॉल में कोई शर्करा (चीनी) नहीं होती।

मंत्रालय के अनुसार, कुछ लोग पुराने वीडियो और तस्वीरों को सोशल मीडिया पर दोबारा शेयर कर जनता में भ्रम फैला रहे हैं। सरकार ने कहा कि ई20 पेट्रोल डालने के बाद इंजन खराब होने की कोई रिपोर्ट अभी तक सामने नहीं आई है। केंद्र सरकार ने यह भी साफ किया है कि ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल फ्लेक्स ईंधन) के इस्तेमाल से वाहन बीमा (इंश्योरेंस) की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ता। इस तरह की आशंकाएं गलत हैं और संबंधित पक्षों से चर्चा के बाद इन्हें खारिज कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

सोना 1105 गिरा, चांदी 794 रुपए हुई सस्ती

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 24 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,105 रुपए गिरकर 1.44 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.45 लाख पर था। एक किलो चांदी 794 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है। सोना के दाम इस महीने 12,573 रुपए और चांदी के 3,66,61 रुपए गिरे हैं। एक जून को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.63 लाख रुपए किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,126 रुपए सस्ता हो चुका है। (अनंत ज्ञान)

एलन मस्क की नेटवर्थ एक हफ्ते में रिकॉर्ड 33 .13 लाख करोड़ रुपए घटी

एजेंसी, न्यूयॉर्क

◆ **जिसने खरबपति बनाया अब वही दे रहा झटका**

◆ **24 घंटे में मस्क ने गंवाए 1100000 करोड़ रुपए**

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को बड़ा झटका लगा है। उनकी संपत्ति में बड़ी गिरावट आई है। गिरावट भी ऐसी कि खरबपति का ताज हफ्तेभर में छीन गया। एक दिन में मस्क की संपत्ति में 118 अरब डॉलर यानी 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक की गिरावट आ गई। वहीं, एक हफ्ते में मस्क की दौलत 33.13 लाख करोड़ रुपए तक गिर चुकी है। जिस स्पेसएक्स के शेयर ने एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलिनियर बनाया, अब वही उनकी दौलत को सोख रहा है। स्पेसएक्स के शेयर में 16 फीसदी से अधिक की गिरावट आने की वजह से मस्क को बड़ा झटका लगा है। खरबपति का उनका ताज छीन गया है। इस गिरावट के बाद एलन मस्क का कुल नेटवर्थ घटकर 957 अरब डॉलर पर पहुंच गया। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक मस्क 957 अरब डॉलर के साथ अभी भी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। घटनाक्रम को देखें, तो जब 12 जून को स्पेएक्स ने बाजार में दस्तक की थी, शेयर में उछाल ने मस्क को पहला खरबपति बना दिया। उनकी संपत्ति 1.32 ट्रिलियन डॉलर के पार चली गई थी। अब स्पेसएक्स का स्टॉक लगातार गिर रहा है। 16 जून को ये शेयर 225.64 डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था, लेकिन आज 149 डॉलर पर फिसल चुका है।

स्पेसएक्स के साथ-साथ टेस्ला के गिरते शेयर ने मस्क को डबल झटका दिया है. ग्लोबल मार्केट में एआई स्टॉक्स को लेकर घटता क्रेज स्पेसएक्स के शेयर के गिरने की बड़ी वजह बना है। निवेशकों के मन में डर बना है कि क्या बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां एआई सेक्टर में मुकाबला करने के लिए जरूरी भारी-भरकम निवेश को जारी रख पाएंगी। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स में 791 और निफ्टी में 198 अंक की आई तेजी

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 24 जून को बढ़त रही। सेंसेक्स 791 अंक चढ़कर 76,991 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 198 अंक की तेजी रही, ये 24,022 पर बंद हुआ। आज आईटी, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। अडाणी ग्रुप की सालाना जनरल मीटिंग (एजीएम) 2026 में चेयरमैन गौतम अडाणी ने तीन बड़ी योजनाओं के बारे में बताया। इनका मकसद ग्रुप के काम को मजबूत करना, एफिशिएंसी (काम करने की क्षमता) को सुधारना और कर्मचारियों की भलाई को बढ़ावा देना है।

अडाणी ने कहा कि ग्रुप सिर्फ आर्थिक और तकनीकी बदलावों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि भविष्य के लिए खुद को तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम अब उन चुनिंदा ग्लोबल कंपनियों में से एक हैं, जो सिर्फ भविष्य का इंतजार नहीं कर रहीं, बल्कि उसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। (अनंत ज्ञान)

IN THE COURT OF Sh. GAGGAN DEEP, EXECUTIVE MAGISTRATE-CUM-NAIB TEHSILDAR, DHEERA, DISTRICT KANGRA HIMACHAL PRADESH.
Date of hearing 30-6-2026
Case No.813249/2026
In the matter of- Vivek Sharma s/o Deep Raj @ Kuldeep Raj, R/O Mohal Har Trambu Tehsil Dheera Distt. Kangra (H.P.), Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh
...Applicant
Versus
General Public, Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh
...Respondents
Proclamation regarding correction of name under section 37(i) & (ii) of HPLRA, 1954.
Whereas, Vivek Sharma s/o Deep Raj @ Kuldeep Raj, R/O Mohal Har Trambu Tehsil Dheera Distt. Kangra (H.P.), has filed an application alongwith an affidavit before this court that the name of his name has been recorded wrongly, in revenue record of Mohal Har Trambu, Tehsil Dheera, District Kangra HP as "Arun Sharma s/o Deep Raj @ Kuldeep Raj". But in other documents such as Adhar card and Parviar Nakal, his correct name has been recorded as Vivek Sharma. Hence, applicant has filed an application for correction of name of his late father as "Vivek Sharma alias Arun Sharma" in the revenue record of mohal Har Trambu, tehsil Dheera, district Kangra HP. **Now, therefore,** objections, if any are invited from the general public with regard to the correction of name of applicant i.e. "Vivek Sharma alias Arun Sharma" s/o Deep Raj @ Kuldeep Raj. Any person having any objection in this regard may appear in this court on or before 30-6-2026, either personally or through a duly authorized agent or counsel. In case no objection is received within stipulated period, the matter shall be decided as ex-parte without any further opportunity of being heard and final order for correction of name shall be passed, accordingly. Issued under my hand and seal of the court today, 23-06-2026
Executive Magistrate DHEERA (Kangra) H.P.

वर्तमान परिस्थितियों में श्रीखंड यात्रा का आयोजन जोखिमपूर्ण : उपायुक्त

श्रीखंड महादेव यात्रा ट्रस्ट की बैठक आयोजित, विशेषज्ञों की रिपोर्ट पर किया मंथन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। श्रीखंड महादेव यात्रा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं उपायुक्त कुल्लू अनुराग चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।
बैठक में हिमाचल प्रदेश मिल्कफेड के अध्यक्ष एवं ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य बुद्धि सिंह ठाकुर सहित ट्रस्ट के सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्यों ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। बैठक में वर्ष 2026 की प्रस्तावित श्रीखंड महादेव यात्रा के आयोजन तथा यात्रा मार्ग की सुरक्षा संबंधी विशेषज्ञ रिपोर्ट पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

उपायुक्त ने बताया कि यात्रा मार्ग की सुरक्षा एवं व्यवहार्यता के आकलन हेतु राजस्व एवं वन विभाग तथा अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान (एबीवीमास), मनाली के विशेषज्ञों की संयुक्त टीम गठित की गई थी। इस टीम ने 8 एवं 18 जून को मार्ग का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट के अनुसार भीमद्वारी से पार्वती बाग तक का मार्ग वर्तमान परिस्थितियों में अत्यंत संवेदनशील और जोखिमपूर्ण पाया गया है। क्षेत्र में खड़ी ढलानें, अस्थिर व ढीली मिट्टी, संकरे एवं फिसलन भरे रास्ते तथा नालों का जोखिमपूर्ण पारगमन प्रमुख चुनौतियां हैं। मानसून के दौरान भूस्खलन, चट्टानों के गिरने, अचानक जलस्तर बढ़ने, फ्लैश फ्लड तथा मलबा बहाव की गंभीर आशंका जताई गई है। एबीवीमास विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि मौजूदा एवं वैकल्पिक दोनों मार्ग सुरक्षित नहीं हैं तथा आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य अत्यंत कठिन होगा। भीमद्वारी कैंपिंग क्षेत्र को भी उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है। उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और वर्तमान रिपोर्ट के आधार पर यात्रा का आयोजन जोखिमपूर्ण प्रतीत होता है। उन्होंने सभी सदस्यों से लिखित सुझाव मांगे हैं। साथ ही क्षेत्र का विस्तृत भू-वैज्ञानिक अध्ययन जीएसआई जैसी विशेषज्ञ संस्था से कराने का सुझाव भी दिया गया है, ताकि भविष्य में सुरक्षित एवं वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिया जा सके।

बैठक के दौरान डीसी सहित अन्य अधिकारी। अनंत ज्ञान

आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं तैयारी कार्यक्रम में हितधारक परामर्श बैठक आयोजित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं तैयारी कार्यक्रम (एचपीडीआरआरपी) के तहत एएफडी वित्तपोषित प्रस्तावित जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र (डीईओसी), कुल्लू को लेकर मंगलवार को बहुउद्देशीय सभागार में हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त एवं डीडीएमए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्वनी कुमार ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं अन्य हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में परियोजना के उद्देश्यों, हितधारक सहभागिता योजना तथा लैंगिक कार्य योजना पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रस्तावित डीईओसी भवन आधुनिक संचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और सूचना प्रबंधन प्रणाली से सुसज्जित होगा। प्रतिभागियों ने महिला सहभागिता, दिव्यांगजन सुविधाओं और आपदा तैयारी से जुड़े सुझाव दिए। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि सभी सुझावों को योजना में शामिल किया जाएगा।

कुल्लू के दो जांबाजों ने फतह किया दुनिया का सबसे ऊंचा मोटर योग्य उमलिंग ला दर्रा

कास्ता के सौदागर और नेरी गांव के सूरज ने रचा इतिहास

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। कुल्लू जिले के दो युवाओं ने अपने साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर लेह-लद्दाख के सबसे कठिन और ऊंचे मोटर योग्य दर्रे उमलिंग ला पास पर पहुंचकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। पिछलीहार पंचायत के कास्ता गांव निवासी 30 वर्षीय सौदागर और नेरी गांव के 20 वर्षीय सूरज ने यह चुनौतीपूर्ण यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की।

दोनों युवाओं ने अपनी बाइक पर सवार होकर विपरीत और दुर्गम परिस्थितियों का सामना करते हुए एक ही दिन में लगभग 486 किलोमीटर की दूरी तय की। वे पिछले आठ दिनों से लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार राइडिंग कर रहे हैं। इस साहसिक अभियान के दौरान उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे मोटर योग्य दर्रे उमलिंग ला पास तक पहुंचकर इतिहास रच दिया। यह दर्रा लगभग 19,024 फुट की ऊंचाई पर स्थित है, जहां अत्यधिक ठंड, तेज हवाएं और ऑक्सीजन की कमी जीवन को बेहद कठिन बना देती है। यहां सामान्य से लगभग 50 प्रतिशत कम ऑक्सीजन उपलब्ध होती है, जिससे इंसान और वाहन दोनों के लिए परिस्थितियां अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो जाती हैं। इन कठिन हालातों के बावजूद दोनों युवाओं ने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि को लद्दाख के पर्यटन विभाग द्वारा सराहते हुए आधिकारिक प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस साहसिक सफलता से उनके गृह क्षेत्र पिछलीहार सहित पूरे कुल्लू जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। स्थानीय लोगों ने दोनों युवाओं की हिम्मत और जुनून को प्रेरणादायक बताते हुए उनकी उपलब्धि की सराहना की है।

लद्दाख के पर्यटन विभाग ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अनंत ज्ञान

नार्को को-ऑर्डिनेशन बैठक में नशे के खिलाफ अभियान तेज करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला स्तरीय नार्को को-ऑर्डिनेशन (एनसीओआरडी) समिति की बैठक उपायुक्त एवं जिला दंडाधिकारी अनुराग चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक मदन लाल कौशल, अतिरिक्त उपायुक्त अश्वनी कुमार, एसडीएम निशांत ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पिछली बैठकों के निर्णयों की अनुपालना की समीक्षा की गई तथा नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में मणिकर्ण क्षेत्र सहित संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। साथ ही जिले की 28 संवेदनशील पंचायतों में गठित नशा निवारण समितियों की गतिविधियों की समीक्षा भी की गई।

तीन से पांच जुलाई तक आयोजित होगा हिमालयन एक्सट्रीम ट्रेल रनिंग फेस्ट

अनंत ज्ञान

- **विधायक भुवनेश्वर गौड ने की ऑफिशियल इवेंट टी-शर्ट की लांचिंग**

मनाली। हिमालयन एक्सट्रीम ट्रेल रनिंग फेस्ट 2026 का तीन से पांच जुलाई तक आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ पर्वतारोहण संस्थान सहित प्रशासन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। विधायक भुवनेश्वर गौड ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑफिशियल इवेंट टी-शर्ट की लांचिंग की।

आयोजक प्रवीण सूद पिंटू ने बताया कि इतने बड़े पैमाने पर ऊंचाई वाले इलाके में होने वाली इस मुश्किल रेस का आयोजन मनाली के स्थानीय प्रशासन और अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संस्थान, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन, रैपिड टैक्टिकल के मज़बूत सहयोग से ही संभव हो पाया है।

उन्होंने कहा कि यह दौड़ भारतीय माउंटेन स्पोर्ट्स में इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि जिस ट्रैक को ट्रेकर दो से तीन दिन में पूरा करते है उस रूट को कुछ ही घंटों में में पूरा करना चुनौती भरा है। यह रेस लाहुल घाटी में 3300 मीटर ऊंचे छत्तड़ु से शुरू होकर 39 किलोमीटर के ऊंचे और मुश्किल रास्ते से गुजरेगी। धावक पथरीले रास्तों, ग्लेशियर की धाराओं और चट्टान से होते हुए 4,300 मीटर ऊंचे मुश्किल हामटा पास तक पहुंचेंगे। इसके बाद वे खड़ी ढलान से नीचे उतरकर सेथन होते हुए पर्वतारोहण संस्थान मनाली पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि इस फेस्टिवल को ग्लोबल एथलेटिक मान्यता मिली है। इसे 'इंटरनेशनल ट्रेल रनिंग एसोसिएशन से आधिकारिक सर्टिफिकेशन मिला है और रेस पूरी करने वालों को यूटीएमबी इंडेक्स प्वॉइंट्स दिए जाएंगे।

अकादमिक हिल्स शमशी बना 'सर्वश्रेष्ठ दल' और शिवेया बनीं 'प्रिंसेस सूत्रधार'

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। सूत्रधार कला संगम कुल्लू द्वारा आयोजित 49वां सूत्रधार वर्षगांठ उत्सव 21 से 23 जून तक उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। तीन दिवसीय इस सांस्कृतिक आयोजन में 20 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में जिला भाषा अधिकारी प्रोमिला गुलेरिया मुख्य अतिथि रहीं। संस्था के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का कुल्लवी परंपरा अनुसार स्वागत किया गया। निर्णायक मंडल में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार शामिल रहे। इस वर्ष 'सर्वश्रेष्ठ दल' का खिताब अकादमिक हिल्स पब्लिक स्कूल शमशी ने जीता, जबकि साईं स्टार वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ढालपुर दूसरे और कुल्लू वैली स्कूल रामशिला तीसरे स्थान पर रहे। 'प्रिंसेस सूत्रधार' का ताज शिवेया ठाकुर (शमशी) ने हासिल किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे लोकगीत, नृत्य, फैंसी ड्रेस, वाद्यवृंद एवं लघु नाटक में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

पिरड़ी, तलोगी में आज बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान भुंतर। विद्युत उपमंडल भुंतर के सहायक अभियंता ने जानकारी दी कि 11 केवी कोलीबेहड़ फीडर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों में लाइनों के साथ लगते पेड़ों की कटाई-छंटाई कार्य के कारण पिरड़ी, तलोगी और इसके आस-पास के क्षेत्रों में वीरवार को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक विद्युत आपूर्त बाधित रहेगी।

प्रस्तावित एचआरटीसी हड़ताल को लेकर कुल्लू प्रशासन सतर्क वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर उपायुक्त कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में जिला प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक मदन लाल कौशल, एसडीएम कुल्लू निशांत ठाकुर, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आकांक्षा शर्मा तथा एचआरटीसी कुल्लू के क्षेत्रीय प्रबंधक डीके. नारंग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि हड़ताल की स्थिति में आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले के प्रमुख बस अड्डों कुल्लू, मनाली, भुंतर, बंजार, पतलीकूहल और आनी पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने संबंधित एसडीएम और डीएसपी को स्थिति पर विशेष नजर रखने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को निजी बसों के सुचारू संचालन तथा आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए गए।

तीर्थन घाटी की नदियों में डाला 20 हजार ट्राउट मछली बीज

अनंत ज्ञान

तीर्थन। प्रदेश के मत्स्य विभाग द्वारा बुधवार को विश्व धरोहर ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क क्षेत्र की प्रसिद्ध ट्राउट वैली तीर्थन, फलाचन और जिभी घाटी की विभिन्न नदियों एवं नालों में लगभग 20 हजार ब्राउन ट्राउट मछली के बीज (फिंगरलिंग्स) छोड़े गए। इस अभियान का उद्देश्य ट्राउट मछली का संरक्षण, मत्स्य संसाधनों का संवर्धन, नदी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाना तथा एंगलिंग (खेल मछली पकड़ने) पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर एसडीएम बंजार पंकज शर्मा, वरिष्ठ मत्स्य अधिकारी दूनी चंद आर्य, ग्राम पंचायत तुंग के उपप्रधान दुनी चंद, तीर्थन संरक्षण एवं पर्यटन विकास संघ के अध्यक्ष वरुण भारती, समाजसेवी पवन ठाकुर तथा कुछ स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से तीर्थन नदी में ट्राउट मछली के बीज छोड़कर संरक्षण अभियान में सहभागिता निभाई। उपमंडल अधिकारी बंजार पंकज शर्मा ने कहा कि विश्व धरोहर ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क की तीर्थन घाटी यहां पर पाई जाने वाली प्रसिद्ध ट्राउट मछली, स्वच्छ नदियों, झरनों , प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता के लिए देश-विदेश में विशेष पहचान रखती है। इन्होंने कहा कि ट्राउट मछली न केवल इस क्षेत्र की प्राकृतिक धरोहर है, बल्कि स्थानीय पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार है। इस प्रकार के संरक्षण अभियानों से ट्राउट मछलियों की संख्या में वृद्धि होगी और नदी का प्राकृतिक संतुलन भी मजबूत होगा। इसलिए यहां की नदी नालों में ट्राउट मछली का संरक्षण एवं संवर्धन जरूरी है।तीर्थन घाटी के युवा समाजसेवी पवन ठाकुर ने कहा कि ट्राउट मछली का संरक्षण केवल मत्स्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

एनएचपीसी ने लोगों को दिए सुरक्षा के गुर

कसोल में आयोजित जन जागरुकता शिविर के दौरान लोग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। एनएचपीसी के पार्वती विद्युत परियोजना द्वारा कुल्लू जिले के कसोल स्थित वन विश्राम गृह में बांध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन विषय पर जन-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बांध के निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तथा संबंधित पक्षों को संभावित आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बांध परिसर के प्रमुख एवं महाप्रबंधक मोहम्मद सुहेल ने की। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (सिविल) मोहम्मद गालिब अज़ीज़ सहित परियोजना के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप प्रबंधक (सुरक्षा) कामलेश सुधाकर माली ने आपातकालीन कार्य योजना तथा आपदा प्रबंधन संबंधी उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में आपातकालीन स्थिति में जल छोड़ने की प्रक्रिया, निगरानी स्थिति, चेतावनी प्रणाली, संचार व्यवस्था, सुरक्षित स्थानों पर लोगों को पहुंचाने की प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों और स्थानीय समुदायों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को संभावित जोखिमों से निपटने और समय पर प्रतिक्रिया देने के उपायों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर, उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त अश्वनी कुमार, पुलिस, लोक निर्माण, राजस्व सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, होटल एवं टैक्सी संचालक संघों के सदस्य तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संवाद सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने बांध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन से जुड़े सुझाव एवं प्रश्न रखे, जिनका अधिकारियों ने संतोषजनक उत्तर दिया। अपने संबोधन में मोहम्मद सुहेल ने कहा कि बांध सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें परियोजना प्रबंधन, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बेहतर समन्वय और तैयारी के माध्यम से आपदा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

मोहल में आज लगेगा नशा मुक्ति जागरुकता एवं संवेदनशीलता शिविर

अनंत ज्ञान, तीर्थन। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से संचालित समेकित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र (पुरुष), मोहल कुल्लू द्वारा 25 जून को विशेष जागरूकता एवं संवेदनशीलता शिविर आयोजित किया जाएगा। गुंजन संगठन के संचालन में चल रहे इस केंद्र द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) कुल्लू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम नशा मुक्त भारत अभियान जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत होगा। शिविर का उद्देश्य समाज में बढ़ती नशे की समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना तथा नशा रोकथाम के लिए सामुदायिक सहभागिता को मजबूत बनाना है। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों, महिला मंडलों, सामुदायिक संगठनों, दुकानदारों तथा जराड़-भुट्टी और मोहल पंचायतों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 40 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है।

कार्यक्रम में अधिवक्ता डीआर भारद्वाज, जिला कल्याण अधिकारी डॉ. सत्यव्रत वैद्य, थाना प्रभारी भुंतर डॉ. मोहिंदर हरियान तथा विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहेंगे। विशेषज्ञ प्रतिभागियों को नशे के दुष्प्रभाव, कानूनी प्रावधान, उपलब्ध सहायता सेवाओं तथा उपचार एवं पुनर्वास प्रक्रियाओं की जानकारी देंगे। शिविर के दौरान मादक पदार्थों के दुरुपयोग का व्यक्तियों, परिवारों और समाज पर प्रभाव, नशा रोकथाम की रणनीतियां, परामर्श, उपचार, पुनर्वास तथा समुदाय और अभिभावकों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई जाएगी। परियोजना समन्वयक संदीप मिन्हास ने बताया कि 17 से 26 जून तक नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मनाली में 26 को होगा प्रदेश पेंशनभोगी संघ का महाधिवेशन

बैठक में पेंशनर्स के ज्वलंत मुद्दों पर होगी विस्तृत चर्चा : गुलशन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ का महाधिवेशन (फैडरल हाउस) 26 जून को मनाली में होगा, जिसकी अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन करेंगे। संघ के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार,प्रदेश महासचिव मिलाप चंद, प्रदेश उपाध्यक्ष खुशहाल चंद नेगी, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष लीला डोगरा, प्रदेश उपाध्यक्ष (महिला विंग) चिंतपूर्णा शर्मा सहित अन्य पेंशनर ने बताया कि बैठक में पेंशनरों के ज्वलंत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके उपरांत उपायुक्त कुल्लू के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। उधर, हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने कहा कि प्रदेश सरकार पिछले करीब चार सालों से पेंशनरों के हितों की लगातार अनदेखी करती आ रही है, जिससे बुजुर्ग एवं बीमार पेंशनर हताश और निराश हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर संगठन कई बार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से अपनी वित्तीय देनदारियों के सिलसिले में मिल चुके हैं। यहां तक कि पेंशनर संगठनों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदेश भर में आंदोलन और धरना प्रदर्शन भी किये हैं। लेकिन प्रदेश की सुख की सरकार ने पेंशनरों की करोड़ों रुपए की वित्तीय देनदारियों का अभी तक एकमुश्त भुगतान नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू की करनी और कथनी में अंतर है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि 65 से 70 वर्ष आयु के पेंशनरों को एक जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 तक संशोधित वेतनमान के बकाया एरियर का जुलाई माह में एकमुश्त कर दिया जाएगा। लेकिन राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक प्री-2016 के पेंशनरों को ही एरियर के एकमुश्त भुगतान की बात कही गई है। सरकार के इस तुगलकी फरमान को हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ ने सिरे से ख़ारिज कर दिया है। राज्य सरकार बुज़ुर्ग पेंशनरों की भावनाओं से खेलना बंद करे अन्यथा राज्य सरकार को आने वाले समय में इसकी भारी कीमती चुकानी पड़ेगी।

एक लाख 80 हजार पेंशनरों में सुक्खू सरकार के प्रति रोष: पेंशनर नेताओं ने कहा कि एक जनवरी 2016 के बाद सेवानिवृत्त हुये पेंशनरों के संशोधित वेतनमान के एरियर का भुगतान, संशोधित रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, पेंशन कम्युटेशन, लीव इनकेशमेंट, जुलाई 2022 से अब तक 15 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की देय पांच किस्तें, जनवरी 2022 से महंगाई भत्ते के करीब 150 महीनों के बकाया एरियर सहित पेंशनरों के लंबित मेडिकल बिलों का एकमुश्त भुगतान नहीं पाई है जिससे प्रदेश के करीब एक लाख 80 हज़ार पेंशनरों में राज्य की वर्तमान सुक्खू सरकार के प्रति भारी रोष है। प्रदेश पेंशनभोगी संघ के नेताओं ने कहा कि मई महीने में हुए नगर निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में पेंशनरों और कर्मचारियों की सुक्खू सरकार के प्रति नाराजगी साफ तौर पर देखी गई। उन्होंने चेताया कि अगर सरकार ने 31 जुलाई 2026 तक पेंशनरों और कर्मचारियों की सभी वित्तीय देनदारियों का एकमुश्त भुगतान नहीं किया तो संघर्ष को और तेज किया जाएगा।

संयुक्त पेंशनर महासंघ के करवाए जाएं चुनाव

संघ के प्रदेशाध्यक्ष गुलशन ने ज्वॉइंट पेंशनर्स फ्रंट और पेंशनर्स की ज्वॉइंट एक्शन कमेटी के तथाकथित नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि दोनों ही धड़ों के नेता पेंशनरों की मांगों को सरकार से मनवाने में बुरी तरह नाकाम रहे हैं। इस नाकामी के लिए उन्हें नैतिकता के आधार पर अपने पद से तुरंत त्यागपत्र देकर संयुक्त पेंशनर महासंघ के चुनाव करवाने चाहिए।

नीट परीक्षा लीक मामला : युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : चेतन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में लाहौल-स्पीति के उदयपुर स्थित सर्किट हाउस में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं हिमाचल प्रदेश के सह-प्रभारी चेतन चौहान ने उदयपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्र सरकार की परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवाल खड़े करते हुए कहा कि देश के लाखों होनहार छात्रों की मेहनत और उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस नेता चेतन चौहान ने पेपर लीक की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दिन-रात एक करके तैयारी करने वाले विद्यार्थियों का भरोसा इस पूरी लचर व्यवस्था से उठ चुका है। इस तरह की धांधलियों ने देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता को पूरी तरह से कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा का जिस तरह से निजीकरण और व्यवसायीकरण किया जा रहा है, उसने गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों से उच्च शिक्षा के अवसर छीन लिए हैं। शिक्षा कोई व्यापार नहीं बल्कि एक मौलिक अधिकार है, जिसे मुनाफाखोरी का जरिया नहीं बनने दिया जा सकता।चेतन चौहान ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वर्तमान परीक्षा प्रणाली में तुरंत व्यापक और ठोस सुधार किए जाएं, ताकि इसे अधिक जवाबदेह, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को समान अवसर देने जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा हुई। स अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी लाहौल-स्पीति के अध्यक्ष दोरजे लारजे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल ठाकुर, वरिष्ठ पार्टी नेता हीराम गौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप बौद्ध, जिला महासचिव गणेश शर्मा और जिला महासचिव अरुण राजपूत सहित पार्टी के कई अन्य प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते चेतन चौहान व उनके साथ अन्य गणमान्य लोग।

सैंज सीएचसी में बुजुर्गों दिव्यांगों के लिए बनेगा रैंप

अनंत ज्ञान

- **जिप सदस्य विभा सिंह ने सीएमओ कुल्लू के समक्ष उठाई थी मांग**

सैंज। कुल्लू जिले के ज्येष्ठा वार्ड की नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्य विभा सिंह के लगातार प्रयासों से सैंज घाटी की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। उनके इस जनहित प्रयास से स्थानीय जनता को अब अपने ही क्षेत्र में बेहतर और नियमित स्वास्थ्य लाभ मिलने की उम्मीद जाग गई है।

विभा सिंह ने क्षेत्र के मरीजों की परेशानी को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गड़सा में एक पूर्णकालिक चिकित्सक की स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कुल्लू के समक्ष प्रमुखता से मामला उठाया। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सीएमओ ने निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, शिमला को एक पत्र प्रेषित किया है, जिसमें गड़सा अस्पताल में जल्द से जल्द चिकित्सक की तैनाती करने का विशेष आग्रह किया गया है।इसी कड़ी में, स्वास्थ्य सेवाओं को हर वर्ग के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से सीएचसी सैंज में दिव्यांगजनों और बुजुर्ग मरीजों की सुविधा के लिए एक रैंप निर्माण की मांग भी उठाई गई थी।

इस पर संज्ञान लेते हुए सीएमओ कुल्लू ने लोक निर्माण विभाग को रैंप निर्माण का एस्टीमेट (अनुमान) तैयार कर जल्द से जल्द भेजने के निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही अस्पताल में अन्य जरूरी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी संबंधित विभागों को मामले अग्रेषित किए गए हैं।

जनता ने जताया आभार: विभा सिंह द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे इन धरातली प्रयासों की स्थानीय लोगों ने खुले दिल से सराहना की है और उनका आभार जताया है।

जिले की हर पंचायत में चलाया जाएगा पर्यावरण संरक्षण अभियान: दीपक

- **कोकसर में पूर्व सीएम वीरभद्र की जयंती पर किया पौधरोपण**

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह की जयंती के अवसर पर लाहौल-स्पीति की कोकसर पंचायत में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरभद्र सिंह फाउंडेशन और स्थानीय पंचायत के संयुक्त सहयोग से व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रदेश के विकास में उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास और सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में सोनम ठाकुर, दोरजे अनुरूप, सुनील कुमार, परवीन आनंद तथा रोविन सिंह ठाकुर शामिल रहे। फाउंडेशन के न्यासी दीपक ठाकुर ने कहा कि वीरभद्र सिंह का हिमाचल प्रदेश और प्रदेशवासियों के प्रति योगदान अतुलनीय है। उनके विकास कार्य और जनसेवा की भावना आज भी समाज को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि जयंती के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहे हैं और आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने लाहौल-स्पीति की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए नियमित पौधरोपण की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही संकल्प व्यक्त किया कि आने वाले समय में इस अभियान को जिले की प्रत्येक पंचायत तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि पूरी घाटी को हरित, समृद्ध और सुरक्षित बनाया जा सके।

पौधरोपण अभियान के दौरान स्थानीय लोग। अनंत ज्ञान

राष्ट्रीय पहचान के साथ सजेगा शूलिनी मेला, सीएम सुक्खू करेंगे शुभारंभ

मां शूलिनी के दरबार में उमड़ेगा आस्था और संस्कृति का संगम

पवनदीप राजन, जस्सी गिल व बब्बल राय सहित कई नामी कलाकार बिखेरेंगे सुरों का जादू

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। सोलन की अधिष्ठात्री देवी मां शूलिनी के सम्मान में आयोजित होने वाला ऐतिहासिक शूलिनी मेला इस वर्ष 26 से 28 जून तक पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस बार मेले को राज्य स्तरीय से बढ़ाकर राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिया गया है और इसकी अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। हालांकि फिलहाल मेले का आयोजन तीन दिन का ही होगा। मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे, जबकि समापन समारोह में राज्यपाल कवींद्र गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह जानकारी उपायुक्त एवं मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

◆ **26 से 28 जून तक मनाया जाएगा ऐतिहासिक शूलिनी मेला**

पत्रकारों से बात करते उपायुक्त मनमोहन शर्मा। अनंत ज्ञान

माता शूलिनी की शोभायात्रा से होगा आगाज

26 जून को माता शूलिनी की पवित्र डोली शूलिनी मंदिर से प्रस्थान करेगी। चौक बाजार स्थित पुरानी कचहरी में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पूजा-अर्चना कर माता की डोली की अगुआई करेंगे। इसके बाद माता की डोली श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ शहर की परिक्रमा करेगी। पारंपरिक मान्यता के अनुसार माता शूलिनी गंज बाजार स्थित शक्तिपीठ मंदिर में अपनी बड़ी बहन के यहां दो दिन प्रवास करती हैं और तीसरे दिन पुनः अपने मंदिर लौटती हैं। इस धार्मिक परंपरा के प्रति लोगों में विशेष आस्था है और माना जाता है कि माता सच्चे मन से मांगी गई मन्नतों को पूरा करती हैं।

एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

पहले दिन निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने पूरे शहर को छावनी में तबदील कर दिया है। प्रदेश के अलावा पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए सोलन पहुंचते हैं।

तैयारियां पूरी, प्रतियोगिताएं होंगी मुख्य आकर्षण

मंदिर परिसर से लेकर पूरे शहर को आकर्षक रोशनी और सजावट से दुल्हन की तरह सजाया गया है। वहीं ठोडो मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद प्रतियोगिताओं, झूलों और विभिन्न स्टॉलों की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। मेले के दौरान ठोडो मैदान में दंगल, ठोडा खेल, वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस बार महिला कुश्ती प्रतियोगिता भी विशेष आकर्षण रहेगी, जिसमें नामी महिला पहलवान अपना दमखम दिखाएंगी।

राष्ट्रीय स्तर के इस ऐतिहासिक मेले के सफल आयोजन के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।
मनमोहन शर्मा
उपायुक्त

सितारों के महाकुंभ से सजेंगी सांस्कृतिक संध्याएं

सांस्कृतिक संध्याओं में सजेगा सितारों का महाकुंभ शूलिनी मेले की तीनों सांस्कृतिक संध्याओं में हिंदी, पंजाबी और पहाड़ी संगीत का रंग देखने को मिलेगा।

● **पहली सांस्कृतिक संध्या :** पहली शाम इंडियन आइडल विजेता पवनदीप राजन मुख्य आकर्षण होंगे। उनके साथ नितीश राजपूत और कुमार साहिल भी प्रस्तुति देंगे।

● **दूसरी सांस्कृतिक संध्याः** दूसरी शाम पूरी तरह हिमाचली लोक संस्कृति के नाम रहेगी। इस दौरान राजेश त्यागी, बीरबल किन्नौरा, अनुज तोमर और अंकुश भारद्वाज अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को पहाड़ी नाटियों पर थिरकने के लिए मजबूर करेंगे।

● **अंतिम सांस्कृतिक संध्याः** समापन दिवस पर पंजाबी और बॉलीवुड संगीत का तड़का लगेगा। दर्शकों को जस्सी गिल, बब्बल राय, अनुज शर्मा, कपिल शर्मा और स्टैंजिन नोरगेस के गीतों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में चलाया हस्ताक्षर अभियान

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में दाड़लाघाट उपतहसील क्षेत्र में वर्ष 2025 के दौरान चलाए गए हस्ताक्षर अभियान को भारतीय सेना को समर्पित कर दिया गया। इस अभियान में पूर्व सैनिकों, स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, महिलाओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान की शुरुआत वीरता पुरस्कार से सम्मानित कैप्टन रमेश कुमार ठाकुर के नेतृत्व में की गई थी। अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया तथा देशभक्ति जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं और आम जनता में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना तथा भारतीय सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करना था। इस अभियान में कैप्टन जगजीत बंटा, जगदीश ठाकुर, रोशन ठाकुर, प्रेम चंद ठाकुर, प्रेम लाल, मनोज गौतम, कमांडो ललित, राजेंद्र कंवर, सहायक कमांडेंट रूपचंद, सूबेदार रमेश, बिट्टू ठाकुर, धर्मदेव ठाकुर, सूबेदार मस्तराम सहित अनेक पूर्व सैनिकों एवं देशभक्त नागरिकों ने सक्रिय योगदान दिया। अभियान से जुड़े सदस्यों ने बताया कि यह पूरी तरह राष्ट्रहित और देशभक्ति की भावना से प्रेरित कार्यक्रम था तथा इसका किसी भी प्रकार की राजनीति से कोई संबंध नहीं था। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, महिलाओं, पूर्व सैनिकों और आम नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देशभक्ति से जुड़े ऐसे अभियान समाज में राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। अभियान के समापन अवसर पर सोलन में आयोजित कार्यक्रम में एकत्रित हस्ताक्षर संकल्प पत्र भारतीय सेना को समर्पित किया गया। इस दौरान कर्नल संजय शांडिल, जिला पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष सूबेदार मेजर मोहन शर्मा, अर्की इकाई के अध्यक्ष कैप्टन पदमदेव, कैप्टन रमेश कुमार ठाकुर तथा अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

निर्जला एकादशी के अवसर पर लगी छबील

अनंत ज्ञान, अर्की : उपमंडल अर्की नगरपंचायत अर्की के बाजार में निर्जला एकादशी के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु नानक क्लॉथ हाउस की तरफ से ठंडे जल व कड़ाह प्रसाद की छबील लगाई गई।

राज्य सहकारी बैंक द्वारा बजगा पंचायत में वित्तीय साक्षरता एवं जनजागरूकता शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, सराहां। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक की शाखा सराहां द्वारा ग्राम पंचायत बजगा में एक विशेष वित्तीय साक्षरता एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शाखा प्रबंधक शितांशु वरमानी ने उपस्थित लोगों को बैंक की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत नामांकन के लिए लोगों को जागरूक किया गया तथा कुछ लाभार्थियों का मौके पर ही नामांकन भी किया गया। इसके साथ ही निष्क्रिय प्रधानमंत्री जन-धन खातों को सक्रिय करने, लंबित खातों की सीकेवाईसी तैयार करने, बचत खातों में केवाईसी एवं नामांकन अद्यतन, पीएमजेडीवाई एवं अन्य बचत खातों की पुनः केवाईसी, तथा वंचित वयस्कों के लिए नए प्रधानमंत्री जन-धन खाते खोलने संबंधी जानकारी व सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

झाड़माजरी बस स्टैंड में 12 दिन में दूसरी चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

अनंत ज्ञान, बीबीएन। औद्योगिक क्षेत्र बीबीएन के झाड़माजरी बस स्टैंड में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। 12 दिन के भीतर दूसरी बार चोरों ने एक ढाबे को निशाना बनाते हुए एलपीजी सिलेंडर सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। लगातार हो रही वारदातों से स्थानीय दुकानदारों में दहशत का माहौल है। ढाबा संचालक सुनील कुमार ने बताया कि वह रोजाना की तरह रात करीब 12 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह लगभग सात बजे जब वह पहुंचे तो दरवाजा टूटा मिला। अंदर जांच करने पर पता चला कि चोर तीन एलपीजी सिलेंडर, सिगरेट व बीड़ी के पैकेट, ब्रेड, अंडे, एनर्जी ड्रिंक, कोल्ड ड्रिंक समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद बरोटीवाला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि इससे पहले भी 12 दिन पूर्व इसी क्षेत्र में एक ही रात में तीन चोरी और चोरी के प्रयास की घटनाएं सामने आई थीं। इनमें एसी चोरी का प्रयास, वाटर कूलर की मोटर चोरी और फ्रिज की मोटर चोरी करने की कोशिश शामिल थी। दुकानदारों के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में एक थ्री-व्हीलर और संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां भी दिखाई दी थीं, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। लगातार घटनाओं से दुकानदारों में भय बढ़ गया है और कई व्यापारी रात में दुकानों में ही रुकने को मजबूर हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की है।

जिला परिषद चुनाव के बाद भाजपा में गुटबाजी की चर्चाएं हुईं तेज

सुरेश कश्यप की अनदेखी पर उठे सियासी सवाल

अनंत ज्ञान

राजगढ़। जिला परिषद सिरमौर में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव के बाद जहां भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती का संदेश देने का प्रयास किया, वहीं समारोह के दौरान पार्टी के भीतर संभावित गुटबाजी को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। नवनिर्वाचित जिला परिषद अध्यक्ष शिवानी कश्यप ने अपने संबोधन में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, जिला अध्यक्ष धीरज गुप्ता सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जिला परिषद सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पद की गरिमा बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया। वहीं नवनिर्वाचित जिला परिषद उपाध्यक्ष बलदेव भंडारी ने भी अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, वरिष्ठ नेता सुखराम चौधरी, विधायक रीना कश्यप, विधायक बलदेव तोमर, नारायण सिंह सहित अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं का नाम लेकर धन्यवाद किया।

यह है मामला

राजनीतिक हलकों में उस समय चर्चाओं का दौर शुरू हो गया जब उपाध्यक्ष बलदेव भंडारी ने अपने पूरे संबोधन में भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, शिमला संसदीय क्षेत्र से दो बार सांसद तथा पच्छाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके सुरेश कश्यप का नाम तक नहीं लिया। दिलचस्प बात यह रही कि समारोह के दौरान सुरेश कश्यप मंच और कार्यक्रम में मौजूद थे, लेकिन धन्यवाद में उनका उल्लेख नहीं किया गया। इसके बाद क्षेत्र के राजनीतिक जानकारों और बुद्धिजीवी वर्ग के बीच यह चर्चा शुरू हो गई कि आखिर बलदेव भंडारी द्वारा सुरेश कश्यप को नजरअंदाज करने के पीछे क्या कारण हो सकता है।

पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में बदलते राजनीतिक समीकरणों पर नजर

हाल ही में हुए जिला परिषद चुनाव में एक आजाद प्रत्याशी नीरज लता द्वारा 4444 मत प्राप्त कर राजनीतिक समीकरणों को चौंका देने वाला प्रदर्शन किया गया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस परिणाम ने भी पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के भीतर विभिन्न राजनीतिक धड़ों की सक्रियता को उजागर किया है। पच्छाद विधानसभा क्षेत्र पिछले दस, पंद्रह सालो से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है, लेकिन हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यदि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय नेतृत्व के बीच मतभेद हैं तो उसका असर भविष्य की चुनावी रणनीति पर भी पड़ सकता है। हालांकि भाजपा के किसी भी नेता ने सार्वजनिक रूप से किसी प्रकार की गुटबाजी या मतभेद की पुष्टि नहीं की है। फिर भी जिला परिषद चुनाव के बाद सामने आए घटनाक्रम और मंच से दिए गए संबोधन अब क्षेत्र की राजनीति में चर्चा का प्रमुख विषय बने हुए हैं।

ईवीएम व वीवीपैट के भंडारण कक्ष का निरीक्षण

अनंत ज्ञान, सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने बुधवार को कथेड़ में ईवीएम व वीवीपैट के भंडारण कक्ष का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शिव दत्त ठाकुर व कंचन राणा, भारतीय जनता पार्टी के चंद्रकांत व विजय ठाकुर, बहुजन समाज पार्टी की सुनीता चंद्रा, नायब तहसीलदार निर्वाचन संजीव कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।

परवाणू के 25 .47 लाख के बंदर पकड़ो टेंडर की जांच प्रक्रिया जारी

अनंत ज्ञान

परवाणू। नगर परिषद परवाणू के वर्ष 2024-25 के बंदर पकड़ो अभियान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच अभी भी जारी है। करीब 25.47 लाख रुपए के इस अभियान में दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच 1019 बंदर पकड़े गए थे। प्रति बंदर लगभग 2500 रुपए की दर निर्धारित की गई थी।

मामला उस समय चर्चा में आया जब शिकायतें मिलीं कि बंदर पकड़ने का टेंडर हरियाणा स्थित नैन फाउंडेशन को देकर उसे अनुचित लाभ पहुंचाया गया तथा कमीशनखोरी की आशंका है। शिकायतों के आधार पर राज्य विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो ने मार्च 2025 में सोर्स इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट उपायुक्त सोलन को भेजी। इसके बाद मामला शहरी विकास विभाग तक पहुंचा और विभिन्न स्तरों पर जांच के निर्देश जारी किए गए। दिसंबर 2025 में उपमंडल अधिकारी (नागरिक) नालागढ़ को जांच सौंपी गई, लेकिन अधिकार क्षेत्र के कारण मामला आगे नहीं बढ़ सका। बाद में जून 2026 में अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन ने सहायक आयुक्त (प्रोटोकॉल) परवाणू को विस्तृत प्रारंभिक जांच के आदेश दिए। जांच में टेंडर प्रक्रिया, एजेंसी चयन, भुगतान रिकॉर्ड, वित्तीय स्वीकृतियां और बंदरों की वास्तविक संख्या सहित कई बिंदुओं की समीक्षा की जा रही है।

◆ **एक साल बाद भी नहीं आई रिपोर्ट**

सहायक आयुक्त शैफाली शर्मा ने पुष्टि की है कि जांच प्रक्रिया जारी है, हालांकि रिपोर्ट कब तक आएगी, इस बारे में कोई समय-सीमा नहीं बताई गई है। उल्लेखनीय है कि अब तक किसी भी सरकारी दस्तावेज में नगर परिषद परवाणू या किसी अधिकारी को दोषी नहीं ठहराया गया है। मामले की वास्तविक स्थिति जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

हंसराज चंदेल की शिकायत के बाद हरकत में आया चुनाव आयोग

13,216 आवेदनों के निपटारे के लिए बद्दी में संशोधित कार्यक्रम किया जारी

अनंत ज्ञान

बद्दी। नगर निगम बद्दी में कथित फर्जी वोटों के पंजीकरण को लेकर उठे विवाद के बीच राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है।

आयोग ने दावों, आपत्तियों और सुधार संबंधी आवेदनों के निस्तारण के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया है। आयोग के अनुसार संशोधन प्राधिकारी के पास कुल 13,216 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी अधिक संख्या को देखते हुए समयसीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया। अब दावों और आपत्तियों का निस्तारण 27 जून तक किया जाएगा, जबकि अपीलें 2 जुलाई तक दायर की जा सकेंगी और उनका निपटारा 9 जुलाई तक होगा। अंतिम मतदाता सूची 13 जुलाई तक प्रकाशित की जाएगी। इससे पहले हिमाचल भाजपा किसान मोर्चा के कोषाध्यक्ष हंसराज चंदेल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त सोलन के माध्यम से राज्य निर्वाचन आयोग को ज्ञापन सौंपकर नगर निगम बद्दी के वार्डों में बाहरी व्यक्तियों के कथित फर्जी पंजीकरण का आरोप लगाया था। उन्होंने स्थानीय विधायक पर भी दबाव बनाकर जाली वोट तैयार कराने के आरोप लगाए हैं।

फर्जीवाड़ा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। आयोग और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए मामले में शीघ्र व निष्पक्ष जांच की मांग की है।
हंसराज चंदेल, कोषाध्यक्ष
हिमाचल भाजपा किसान मोर्चा

मिलिट्री स्टेशन सोलन में एमएमयू का सफल स्वास्थ्य शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, सोलन। एमएम मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा सेना अधिकारियों के सहयोग से मिलिट्री स्टेशन सोलन में एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य सेना के सेवारत जवानों, पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों तथा परिवारजनों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना था। शिविर के आयोजन को लेकर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. रवि चंद शर्मा, रजिस्ट्रार अजय सिंगल, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मनप्रीत सिंह नंदा, वाइस प्रिंसिपल डॉ. जेएस संधू, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. अमिता पुरी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. किरण कुमार सिंघल तथा नैक समन्वयक डॉ. जय गोपाल वोहरा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इसे समाज एवं राष्ट्र सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

सोलन की समस्याओं पर भाजपा का अल्टीमेटम, जन आंदोलन की चेतावनी

पेयजल, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं पर भाजपा ने प्रदेश सरकार को घेरा

अनंत ज्ञान

सोलन। भारतीय जनता पार्टी सोलन शहरी मंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में उपायुक्त सोलन के माध्यम से मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शहर की प्रमुख समस्याओं पेयजल संकट, जर्जर सड़कें और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई।

भाजपा नेताओं ने कहा कि सोलन शहर लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहा है और गर्मियों के मौसम में कई-कई दिनों तक लोगों को पानी की आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही शहर और आसपास की सड़कों की खराब हालत के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।

डीसी को ज्ञापन सौंपते भाजपा नेता। अनंत ज्ञान

पार्टी ने चंबाघाट में प्रस्तावित जिला अस्पताल के अधूरे निर्माण को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। भाजपा ने इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने की मांग की।

मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पानी, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो भाजपा सोलन शहरी मंडल जनता को साथ लेकर बड़ा जन आंदोलन शुरू करेगा।

26 जून को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। विद्युत उपमंडल दाड़लाघाट के तहत 11 केवी नवगांव एचटी फीडर पर आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते 26 जून को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विद्युत अनुभाग नवगांव के अंतर्गत आने वाले गांव असलू, बुघार, चमरोल, चाखड़, पारनू, ठेरा, गोधन, गजरेड़ी, चाम्बा तथा आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। खराब मौसम अथवा अन्य किसी अपरिहार्य कारण से निर्धारित तिथि एवं समय में परिवर्तन किया जा सकता है। विद्युत उपमंडल दाड़लाघाट के सहायक अभियंता ई. विमल अत्री ने बताया कि यह शटडाउन आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते लिया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है और कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी।

तैयारियां राष्ट्रीय शूलिनी मेले के लिए पुलिस अलर्ट, शहर को छह सुरक्षा सेक्टरों में बांटा

मेले में सुरक्षा का अभेद्य कवच, 600 पुलिस जवान संभालेंगे मोर्चा

अनंत ज्ञान

सोलन। राष्ट्रीय स्तर के शूलिनी मेले-2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर सोलन पुलिस ने व्यापक और बहुआयामी सुरक्षा योजना तैयार की है। 26 से 28 जून तक आयोजित होने वाले इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव के दौरान हजारों श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, कानून व्यवस्था और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक सोलन एसडी वर्मा के नेतृत्व में तैयार की गई इस योजना के तहत पूरे शहर को छह प्रमुख सेक्टरों में विभाजित किया गया है। मेले के दौरान लगभग 600 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी एक राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम करेगी।

मेले में यातायात एवं कानून व्यवस्था

यातायात एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए देवभूमि अपार्टमेंट शामती राजगढ़ बाईपास, होटल द क्लिफ (कांगड़ा मैत्री सभा के समीप) तथा सपरून चौक में 24 घंटे के लिए तीन पुलिस बैरियर स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा वन-वे ट्रैफिक, वैकल्पिक मार्गों और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

ऐसा होगा सुरक्षा कवच

पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, बॉडी-वॉर्न कैमरों तथा मोबाइल पेट्रोलिंग के माध्यम से की जाएगी। सात बाइक पेट्रोलिंग दल और चार वाहन पेट्रोलिंग दल शिफ्टों में लगातार गश्त करेंगे। जेबकतरों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में विशेष निगरानी दल भी तैनात किए गए हैं।

शूलिनी मेले के सफल संचालन को एनसीसी स्काउट्स, एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित

भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग, बम निरोधक दस्ता, टियर गैस स्क्वॉड, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी), स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट, डिजास्टर मैनेजमेंट टीम और महिला पुलिस की पर्याप्त तैनाती की गई है। चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया है, जबकि ठोडो ग्राउंड में रिजर्व पुलिस बल को भी तैयार रखा जाएगा। बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और गुमशुदा व्यक्तियों की सहायता के लिए महिला थाना सोलन में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किया जाएगा। मेले के सफल संचालन में एनजीओ और एनसीसी स्काउट्स की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मेले के दौरान रेहड़ी-ठेलों पर रहेगा प्रतिबंध निकासी मार्ग खुले रखने के निर्देश

पुलिस अधीक्षक ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी सोलन तथा अन्य अधिकारियों के साथ माता शूलिनी मंदिर, मेला स्थल, पार्किंग क्षेत्रों और सभी छह सेक्टरों का स्थलीय निरीक्षण भी किया है। अधिकारियों को भीड़ अधिक होने की स्थिति में निकासी मार्ग खुले रखने, धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने और सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त 26 से 28 जून तक पुराना बस अड्डा सोलन से चौक बाजार, पुराना उपायुक्त कार्यालय चौक और कोटला नाला चौक तक हाथ से चलने वाली रेहड़ियों और ठेलों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है।

आम जनता से शांति और सौहार्द बनाए रखने तथा अफवाहों से बचने की अपील की है। किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस अधिकारी अथवा कंट्रोल रूम नंबर 01792-223836 पर दी जाए।
एसडी वर्मा
पुलिस अधीक्षक

विक्रमादित्य ने किया पिपलू मेले का आगाज

लोक निर्माण मंत्री ने नशे और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होने का किया आह्वान

अनंत ज्ञान

बंगाणा (ऊना)। जिला स्तरीय ऐतिहासिक पिपलू मेला-2026 का बुधवार को भगवान श्री नरसिंह देव मंदिर परिसर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने पूजा-अर्चना, ध्वजारोहण तथा पारंपरिक टमक वादन के साथ तीन दिवसीय मेले का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी मृदु शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इससे पूर्व मंत्री ने बंगाणा में निकाली गई भव्य शोभायात्रा में भाग लिया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और स्थानीय संस्कृति की झलक से सजी शोभायात्रा में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

समारोह को संबोधित करते हुए विक्रमादित्य सिंह ने भगवान श्री नरसिंह देव के चरणों में नमन कर क्षेत्रवासियों को मेले की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पिपलू मेला लोक आस्था, संस्कृति, सामाजिक समरसता और जनएकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को

तीन दिवसीय पिपलू मेले के आगाज पर निकाली शोभायात्रा में भाग लेते मंत्री विक्रमादित्य सिंह व अन्य।

सहेजने के साथ समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि मेले का स्वरूप लगातार व्यापक हो रहा है और आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

◆ तनोली-बल्ह खालसा सड़क के लिए 20 लाख देने की घोषणा

उन्होंने कहा कि विकास के साथ सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों को भी मजबूत बनाए रखना आवश्यक है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और सामाजिक कुरीतियां समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं, जिनसे निपटने के लिए सामूहिक जागरूकता और सामाजिक सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों से पूर्वजों के आदर्शों को अपनाने तथा प्रदेश और क्षेत्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। लोक निर्माण मंत्री ने पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों से ग्रामीण विकास को गति देने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हितों और अधिकारों की आवाज को वह निरंतर मजबूती से उठाते रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी पैरवी के माध्यम से प्रदेश की सड़कों के उत्थान तथा दूरदराज क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क के सुधार एवं विस्तार के लिए हजारों करोड़ रुपये उपलब्ध करवाने में सफलता मिली है। मंत्री ने कुटलैहड़ क्षेत्र की तनोली-बल्ह खालसा सड़क के लिए 20 लाख रुपये देने की घोषणा की तथा बालकरूपी सड़क के विस्तार कार्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने बताया कि लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से पिपलू में मेला मैदान का विकास किया जा रहा है तथा अगले वर्ष से मेले का आयोजन नए मैदान में कराने का प्रयास रहेगा। मेले के पहले दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिमाचली लोक गायक काकू राम ठाकुर की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। नाटी की थाप पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह भी कलाकारों और स्थानीय लोगों के साथ झूमते नजर आए। विधायक विवेक शर्मा सहित उपस्थित लोगों ने भी कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। विधायक ने कहा कि पिपलू मेले को लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप और अधिक व्यापक एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग एक करोड़ की लागत से पिपलू में मेला मैदान का विकास किया जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने शोभायात्रा का किया नेतृत्व

जिला स्तरीय तीन दिवसीय पिपलू मेले का भव्य शोभायात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा का नेतृत्व प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने किया। बंगाणा स्थित होटल आशीर्वाद से शुरू हुई शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु,जनता जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों से गूंजा रहा। पारंपरिक वाद्य यंत्रों, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच निकली शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय रंग में रंग दिया। श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ भगवान के जयकारे लगाते हुए पीपलू मंदिर तक पहुंचे, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान और झंडा रस्म अदा की गई। मेले के शुभारंभ के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बन गया।

नाली निर्माण का रेट 4 लाख प्रति मीटर होने पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान

गगरेट। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) के विद्युत सब स्टेशनों के निर्माण कार्यों में ट्रेंच (नाली) निर्माण के लिए निर्धारित किए गए रेट को लेकर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि सब स्टेशनों में बनने वाली ट्रेंच का रेट करीब चार लाख रुपए प्रति रनिंग मीटर तक तय किया गया है। मामले को लेकर भाजपा ने बड़े घोटाले की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। इन टेंडरों का जिम्मा रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) को दिया गया, जिसने आगे विभिन्न कंपनियों को कार्य सबलेट कर दिया।

आरोप है कि सब स्टेशनों में केबल बिछाने के लिए बनाई जाने वाली ट्रेंच का रेट करीब चार लाख प्रति रनिंग मीटर तक पहुंच गया है। एक सब स्टेशन में औसतन 80 रनिंग मीटर ट्रेंच का निर्माण होना है। इस हिसाब से केवल ट्रेंच निर्माण पर ही लगभग 3.20 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस कार्य के लिए कथित तौर पर ठेकेदारों को करीब 13 हजार रुपए प्रति रनिंग मीटर का भुगतान किया जा रहा है, उसी कार्य का रेट चार लाख प्रति रनिंग मीटर तक कैसे पहुंच गया। इससे टेंडर प्रक्रिया और लागत निर्धारण को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि विद्युत बोर्ड में इससे पहले ट्रेंच निर्माण के लिए इतनी अधिक दरें कभी स्वीकृत नहीं की गईं। उधर, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के चीफ इंजीनियर (एमएम) लोकेश ठाकुर ने बताया कि सभी टेंडर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की स्वीकृति के बाद ही आवंटित हुए हैं। हालांकि उन्होंने निर्धारित दरों को लेकर विस्तृत टिप्पणी करने से असमर्थता जताई।

भाजपा ने मांगी उच्चस्तरीय जांच

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजेश ठाकुर ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि आरोप सही हैं तो यह सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का बड़ा मामला हो सकता है। उन्होंने प्रदेश सरकार से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाने तथा दोषी अधिकारियों और संबंधित पक्षों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। प्रदेश की वित्तीय स्थिति पहले ही चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में विकास कार्यों में फिजूलखर्ची किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जा सकती।

दियोली में छबील लगाकर की सेवा

अनंत ज्ञान, घनारी। दियोली स्थित शनिदेव मंदिर के समीप युवाओं के एक समूह ने ठंडे पानी की छबील लगाकर मानवता, सेवा और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। राहगीरों को गर्मी से राहत के लिए युवाओं द्वारा निस्वार्थ भाव से किया गया यह सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक कहा जा सकता है। आते जाते राहगीरों को ठंडा पानी पिलाकर युवाओं ने यह साबित कर दिया कि सच्ची सेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से होती है। इस सराहनीय पहल को सफल बनाने में बलविंदर सिंह, विशाल, पिंटू, राहुल, बनी, जतिन, समीर, नतिन, आर्यन ठाकुर, अजय कुमार, ईशान जसवाल, सक्षम और शाइन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी युवाओं ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ छबील की व्यवस्था संभाली तथा आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सेवा की।

छोटे उद्यमी डिजिटल माध्यमों से व्यापक बाजार तक पहुंचा सकते हैं अपने उत्पाद

अनंत ज्ञान

अंब। उद्योग विभाग द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के राइजिंग एंड एक्स्लरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैंप) कार्यक्रम के अंतर्गत बीडीओ कार्यालय अंब में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों, स्वयं सहायता समूहों एवं उद्यमियों को डिजिटल व्यापार, ई-कॉमर्स, जैम पोर्टल, क्लस्टर विकास एवं एडवोकेसी कार्यक्रमों के प्रति जागरूक कर उन्हें आधुनिक व्यावसायिक अवसरों से जोड़ना रहा। कार्यशाला में कुल 85 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता बीडीओ कार्यालय की ओर से आर्थिक अन्वेषक प्रदीप कुमार, गगरेट औद्योगिक संघ के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा तथा अंब औद्योगिक संघ के अध्यक्ष गौतम ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में छोटे उद्योगों एवं उद्यमियों के लिए आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नए बाजारों की जानकारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स एवं डिजिटल माध्यमों को अपनाकर छोटे व्यवसाय अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकते हैं तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। न्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि युवा एवं महिलाएं इन योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता, बैंक ऋण एवं सब्सिडी का लाभ उठाकर नई विनिर्माण एवं सेवा इकाइयां स्थापित कर सकते हैं। अभिलक्ष लौ ने प्रतिभागियों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस पोर्टल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों एवं स्टार्टअप्स के लिए एक प्रभावी मंच है, जिसके माध्यम से उद्यमी अपने उत्पादों को सरकारी खरीदारों तक पहुंचाकर देशव्यापी बाजार प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य प्रशिक्षक प्रदीप कुमार ने आधुनिक उद्यमिता कौशल, ऑनलाइन व्यापार एवं डिजिटल भुगतान प्रणालियों के महत्व पर प्रकाश डाला। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से छोटे उद्योग अपने कारोबार का विस्तार कर बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

नंगल जरियाला में प्राकृतिक खेती करने पर जोर

हल्दी की उन्नत खेती, बीज उपचार, पोषण प्रबंधन और विपणन की दी जानकारी

अनंत ज्ञान

घनारी। कृषि विभाग आत्मा द्वारा विकास खंड गगरेट के अंतर्गत ग्राम पंचायत नंगल जरियाला में 23 और 24 जून को दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों तथा हल्दी की व्यावसायिक खेती के प्रति जागरूक और प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कृषि विभाग आत्मा ऊना की परियोजना निदेशक डॉ. प्यारों देवी संधू, उप परियोजना निदेशक डॉ. शामली गुप्ता तथा डॉ. तनुजा के मार्गदर्शन में कृषि प्रसार अधिकारी गगरेट श्रीमती ममता संधू, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर नरेंद्र

नंगल जरियाला में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते क्षेत्र के किसान।

ठाकुर, सहायक तकनीकी प्रबंधक बिमला और सहायक तकनीकी प्रबंधक गुरमीत सिंह ने किसानों को प्राकृतिक खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों एवं उन्नत कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी।

शिविर के दूसरे दिन किसानों को प्राकृतिक खेती के तहत हल्दी उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हल्दी की उन्नत खेती, बीज उपचार, पोषण प्रबंधन और विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को हल्दी किटों का वितरण भी किया गया। अधिकारियों ने किसानों को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक एवं पारंपरिक फसलों के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की जानकारी भी दी। किसानों को बताया गया कि राज्य सरकार ने हल्दी का एमएसपी 150 रुपये प्रति किलोग्राम, मक्की का 50 रुपये प्रति किलोग्राम तथा गेहूं का 80 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया है। अधिकारियों ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाकर गुणवत्तायुक्त उत्पादन करने और अपनी आय में वृद्धि करने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत नंगल जरियाला की प्रधान अनीता जरियाल, उप प्रधान जय देव, पूर्व प्रधान रेखा रानी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने किसानों से प्राकृतिक खेती और हल्दी उत्पादन को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया तथा कृषि विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।

एसपी अभिषेक धीमान ने संभाला कार्यभार कानून-व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा, रीतू, बिलासपुर। 2021 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिषेक धीमान ने बिलासपुर के नए पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से विशेष बातचीत में अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाना, नशा तस्करी पर प्रभावी रोक लगाना तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास को बढ़ाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं होंगी।

एसपी धीमान ने कहा कि कम्युनिटी पुलिसिंग को मजबूत किया जाएगा ताकि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित हो सके और अपराधों की रोकथाम प्रभावी तरीके से की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस को जनता के और अधिक करीब लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने नशा तस्करी, विशेषकर चिट्टा के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस केवल छोटे तस्करों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे नेटवर्क और सप्लाई चेन तक पहुंचकर सख्त कार्रवाई करेगी। एसपी ने कहा कि कानून-व्यवस्था

बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी थाना व चौकी स्तर पर सतर्कता बढ़ाई जाएगी। साथ ही अपराधों की रोकथाम के लिए भी प्रभावी रणनीति अपनाई जाएगी।

उन्होंने साइबर अपराध, चोरी, धोखाधड़ी और संगठित अपराध पर भी सख्त कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी और जनसंवाद को और मजबूत किया जाएगा ताकि लोग सुरक्षित महसूस कर सकें। इस अवसर पर उन्हें 'अनंत ज्ञान' की प्रति भी भेंट की गई। इस दौरान एसपी अभिषेक धीमान ने समाचार पत्र की सराहना करते हुए कहा कि इसने कम समय में विश्वसनीयता हासिल की है और भविष्य में यह और प्रगति करेगा।

वरिष्ठ समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त सहायक अभियंता नारायण दास कपिल का निधन

अनंत ज्ञान, झंडूत्ता। जल शक्ति विभाग से सहायक अभियंता पद से सेवानिवृत्त, झंडूत्ता क्षेत्र के गांव ठप्पर निवासी तथा पेंशनर्ज वेल्फेयर एसोसिएशन जिला बिलासपुर की खंड झंडूत्ता इकाई के पूर्व महासचिव एवं संस्थापक सदस्य नारायण दास कपिल का बुधवार प्रात: 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। नारायण दास कपिल एक कर्मठ एवं ईमानदार अधिकारी होने के साथ-साथ प्रसिद्ध समाजसेवी भी थे।

पेंशनर्ज वेल्फेयर एसोसिएशन जिला बिलासपुर के प्रधान जगदीश दिनेश, महासचिव नरोत्तम धीमान, वरिष्ठ उपप्रधान कर्मदेव गौतम, प्रदेश महासचिव ठाकुर हुकम सिंह, प्रदेश वरिष्ठ उपप्रधान लेख राम कौंडल, प्रदेश उपप्रधान अश्विनी शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव गोपाल शर्मा, खंड प्रधान बीरबल धीमान तथा संगठन के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक संदेश में कहा गया है कि नारायण दास कपिल का निधन परिवार, समाज एवं पेंशनर्ज संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान और सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा।

संगठन के पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों से प्रधान मंगल ठाकुर का किया भव्य स्वागत

अनंत ज्ञान

बरठीं। विकास खंड झंडूता की ग्राम पंचायत बड़गांव के नवनिर्वाचित प्रधान मंगल ठाकुर की जन आशीर्वाद एवं आभार यात्रा के दौरान वार्ड नंबर-9 री में ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों, टोपी और हार पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंगल ठाकुर ने समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि वह पिछले 25 वर्षों से समाजसेवा से जुड़े हैं। प्रधान बनने के बाद पंचायत के हर व्यक्ति की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंचायत के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

ग्रामीणों ने क्षेत्र की लंबित समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर अपनी मांगें रखीं। इस पर प्रधान ने आश्वासन दिया कि चरणबद्ध तरीके से सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने पुराने रास्तों के सुधार, युवाओं के लिए पक्का वॉलीबॉल ग्राउंड बनाने तथा वर्षों से बंद पड़ी पेयजल योजना को पुन: शुरू करवाने के प्रयासों की बात कही।

इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भी चर्चा की। इससे पहले फटोह, खनेटी, भिड़ा, बल्ह, मारिणी और गट्टी गांवों में भी जन आशीर्वाद एवं आभार यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दुकानों पर सिंगल-यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापा

अनंत ज्ञान, नयना देवी। नयना देवी में प्रशासन ने प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर परिषद ने संयुक्त रूप से करीब 100 दुकानों का निरीक्षण किया। व्यापारियों को प्लास्टिक कटलरी, कैरी बैग, कैंडी-आइसक्रीम स्टिक और थर्मोकोल वस्तुओं के निर्माण, भंडारण, बिक्री व उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध की जानकारी दी गई। साथ ही, प्लास्टिक अपशिष्ट और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रावधानों तथा पर्यावरण-मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया।

स्वारघाट में खुलेगा नशा मुक्ति केंद्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। उपायुक्त कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त राहुल कुमार ने की। बैठक में नशा तस्करी के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई तेज करने पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नशा माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नशे से जुड़े मामलों में जिले के विभिन्न विभागों के 9 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। स्वारघाट में 15 बिस्तरों वाला नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र भी शीघ्र शुरू किया जाएगा।

अडानी के जन्मदिवस पर एसीसी बरमाना में लगाया रक्तदान शिविर

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। एसीसी अडानी सीमेंट गागल बरमाना द्वारा अदानी फाउंडेशन के चेयरमैन गौतम अडानी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चार चरणों वाले रक्तदान शिविर का सफल समापन हुआ। ग्राम पंचायत पंजगाई, माइनिंग जमथल, बीडीटीएस यूनियन बरमाना तथा एसीसी स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित शिविरों में लगभग 750 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का शुभारंभ सीएमओ महावीर बोलिया ने किया। इस दौरान एसीसी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्थानीय लोगों आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्त संग्रहण में ब्लड बैंक नेरचौक, एलबीएस मेडिकल कॉलेज और क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर की टीमों ने सहयोग दिया।

जुखाला में शिक्षा व्यवस्था पर विरोध तेज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। शिक्षा के प्रति कथित उदासीनता और कॉलेज में विज्ञान व वाणिज्य संकाय की पढ़ाई बंद किए जाने के विरोध में वीरवार को जुखाला में लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने कॉलेज बचाओ मंच के बैनर तले घागस-ब्रह्मपुखार मार्ग पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इसे गैर-राजनीतिक आंदोलन बताते हुए कहा कि गरीब परिवारों के बच्चों के लिए दूर-दराज जाकर पढ़ाई करना संभव नहीं है, इसलिए संकायों को यहीं पुनः शुरू किया जाना जरूरी है। इस दौरान सड़क पर जाम लगने से यातायात करीब दो घंटे तक प्रभावित रहा। आंदोलनकारियों ने 'बच्चों को वापस करो' और 'हक छीनो मत' जैसे नारे लिखी तख्तियां भी लहराईं। स्थानीय महिलाओं और युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

एचआरटीसी ने की 25 अस्थायी चालकों की भर्ती शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। एचआरटीसी ने प्रस्तावित कर्मचारी हड़ताल के मद्देनजर यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। निगम ने बिलासपुर में दिहाड़ी आधार पर 25 चालकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इच्छुक अभ्यर्थियों को बिलासपुर वर्कशॉप में बुलाकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। प्रबंधन ने परिचालकों के स्थान पर होमगार्ड जवानों की तैनाती और चालकों की कमी पूरी करने के लिए अस्थायी भर्ती का निर्णय लिया है। भर्ती के लिए हिमाचली मूल निवासी, दसवीं पास और हैवी ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य रखा गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक विवेक लखनपाल ने कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

एचपीवी टीकाकरण में बिलासपुर आगे, 40% लक्ष्य पूरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान में अब तक लगभग 40 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। 2735 के लक्ष्य में से करीब 1100 किशोरियों का टीकाकरण हो चुका है, जो प्रदेश के औसत 36 प्रतिशत से अधिक है। उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि शुरुआत में अभियान को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, लेकिन बाद में अफवाहों के कारण गति प्रभावित हुई। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से अपील की कि वे 14 से 15 वर्ष की किशोरियों का टीकाकरण अवश्य करवाएं और किसी भी भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें। सीएमओ डॉ. शशि दत्त शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार स्कूलों और समुदाय स्तर पर जागरूकता अभियान चला रही हैं। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करना है।

बारिश ने बिलासपुर में बिगाड़े हालात तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बुधवार दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, तूफान तथा मूसलाधार वर्षा ने बिलासपुर में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। कुछ ही मिनटों की बारिश और तेज हवाओं ने शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में भारी अव्यवस्था पैदा कर दी।

तेज तूफान के कारण कई स्थानों पर पेड़ धराशायी हो गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। सड़कों पर गिरे पेड़ों और टूटी शाखाओं के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तूफान की चपेट में कुछ वहां भी आ गए कि जिन पर पेड़ टूट कर गिरे। नोएडा सेक्टर में बिजली के खंभे पर बड़ा पेड़ गिर गया जिससे तारें भी टूट गईं और गुल हो गई। विद्युत विभाग की टीमें क्षतिग्रस्त लाइनों को दुरुस्त करने में जुटी रहीं। बारिश के साथ पहाड़ी ढलानों से रोड़ी, पत्थर और मलबा सड़कों पर आ गया, जिससे कई संपर्क मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। कुछ स्थानों पर वाहन चालकों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र मलबा हटाने की मांग की है। अचानक बदले मौसम ने जहां भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई, वहीं तूफान और बारिश के कारण आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने तथा पेड़ों और बिजली की लाइनों के समीप सावधानी बरतने की अपील की है।

रामलाल ठाकुर ने शिक्षा, खनन और पुजारियों के मानदेय के उठाए मुद्दे

अनंत ज्ञान

सुमन डोगरा, बिलासपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर ने बुधवार को बिलासपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में शिक्षा, खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास तथा श्री नयना देवी मंदिर के पुजारियों के लंबित मानदेय सहित तीन प्रमुख जनहित मुद्दों पर प्रदेश सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मीडिया को-ऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान भी उपस्थित रहे।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर, साथ हैं अन्य।

रामलाल ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय जुखाला में साइंस और कॉमर्स संकाय की बंद पड़ी कक्षाओं को पुन: शुरू किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर मिल सकें।

उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लाडा फंड और खनन राजस्व का लाभ सबसे पहले प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना चाहिए। ठाकुर ने जेपी और अंबुजा सीमेंट उद्योगों के प्रभाव वाले क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष नीति बनाने की मांग की, जिससे सड़क, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत हो सकें।

पूर्व मंत्री ने श्री नयना देवी मंदिर के पुजारियों के लंबित मानदेय का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि 2014 के आदेशों के बावजूद लगभग 16 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित है, जिसे शीघ्र जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इन जनहित मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर प्रभावित वर्गों को राहत प्रदान करेगी।

खो-खो और एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने बिखेरा हुनर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला एमेच्योर खो-खो एसोसिएशन बिलासपुर द्वारा खो-खो एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जुखाला पंचायत समिति सदस्य एवं समाजसेवी राम पाल ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने उन्हें टोपी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की गई। अंडर-9 वर्ग में वैभव प्रथम, भानु द्वितीय और अर्णव तृतीय रहे। अंडर-14 बालक वर्ग में आदर्श ने पहला, आर्यन ने दूसरा और निखिल ने तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-14 बालिका वर्ग में गौरी प्रथम, अर्पिता द्वितीय और स्नेहा तृतीय रहीं। अंडर-18 वर्ग में आदित्य, पीयूष और गौरव तथा बालिका वर्ग में उर्वशी, एलिसा और नव्या ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। खो-खो मुकाबले में जुखाला रेड ने जुखाला ब्लू को हराकर खिताब अपने नाम किया। रितेश को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर और शिवांश ठाकुर को सर्वश्रेष्ठ अटैकर चुना गया।

मुख्यातिथि ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान पवन ठाकुर, महासचिव चुनी लाल ठाकुर, कोषाध्यक्ष विक्रम सहित अन्य पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

बुलेट सवार युवक से 7.87 ग्राम चिट्टा बरामद, गिरफ्तार

पुलिस को चंबा-जोत मुख्य मार्ग पर नाकेबंदी के दौरान मिली कामयाबी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। चंबा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। मंगलवार देर रात चंबा-जोत मुख्य मार्ग पर हनुमान मंदिर के समीप विशेष नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक युवक को 7.87 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान सावन जरयाल (27) निवासी गांव घोलटी, डाकघर सरोल, तहसील एवं जिला चंबा के रूप में हुई है। वह 350 सीसी बुलेट मोटरसाइकिल (एचपी-73-9423) पर सवार होकर जा रहा था। संदेह के आधार पर की गई तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7.87 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने नियमानुसार जब्त कर लिया। यह कार्रवाई हेड कांस्टेबल योगराज और विशेष जांच इकाई की टीम द्वारा नाकाबंदी के दौरान की गई। मौके पर आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और इसका उपयोग व्यक्तिगत सेवन के लिए किया जाना था या फिर इसकी आपूर्ति किसी बड़े तस्करी नेटवर्क के माध्यम से की जानी थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। साथ ही आरोपी के संभावित संपर्कों और नशा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

जडोथा की 25 वर्षीय युवती रहस्यमय ढंग से लापता, पुलिस तलाश में जुटी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा। तागी पंचायत के जडोथा गांव की 25 वर्षीय युवती बबीता देवी के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस चौकी गैहरा ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर युवती की तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, बबीता देवी 22 जून 2026 को सुबह करीब 11 बजे अपने घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस चौकी गैहरा में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस के मुताबिक, लापता युवती ने नीले रंग का फ्रॉक सूट और प्लाजो पहन रखा था तथा पैरों में क्रीम रंग की पंजाबी जूती थी। वह अपने साथ कोई कीमती सामान नहीं ले गई थी और उसके पास मोबाइल फोन भी नहीं था। शिकायत मिलते ही पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर विभिन्न थानों और चौकियों को सूचना भेज दी है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को बबीता देवी के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो वह तत्काल नजदीकी पुलिस थाना, पुलिस चौकी गैहरा या जिला पुलिस चंबा को सूचित करे, ताकि युवती का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।

बगधार स्कूल में स्कूल प्रबंधन समिति का गठत, शिवचरण बने चेयरपर्सन

अनंत ज्ञान, अजीत सिंह, डलहौजी। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगधार में प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में अभिभावकों, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों की एक सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 एवं शिक्षा विभाग के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुरूप सत्र 2026-27 एवं 2027-28 के लिए नई स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन करना था। बैठक में प्रधानाचार्य ने उपस्थित सदस्यों को एसएमसी की संरचना, अधिकारों और दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में लगभग 300 विद्यार्थी नामांकित हैं, जिसके मद्देनजर विभागीय निर्देशों के अनुसार 20 सदस्यीय स्कूल प्रबंधन समिति का गठन किया गया। इस प्रक्रिया में क्लस्टर केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय बगधार को भी शामिल किया गया। समिति के गठन में यह सुनिश्चित किया गया कि 75 प्रतिशत सदस्य अभिभावक वर्ग से हों तथा महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी उचित प्रतिनिधित्व मिले। प्रस्ताव को उपस्थित सभा ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी। नवगठित समिति में शिवचरण सिंह राणा को चेयरपर्सन तथा रणवीर सिंह को वाइस चेयरपर्सन चुना गया। इसके साथ ही विभागीय निर्देशों के अनुसार बिल्डिंग कमेटी और अकादमिक कमेटी का भी गठन किया गया। अकादमिक कमेटी में क्षेत्र के शिक्षाविद एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य राजकुमार ठाकुर को सदस्य मनोनीत किया गया।

दुनाली-बतोट सड़क पर पलटा ट्रक, घंटों प्रभावित रहा यातायात

अनंत ज्ञान

धरवाला। विकासखंड मैहला की खुंदेल पंचायत के अंतर्गत खद्दल क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया, जब पठानकोट से दुनाली-बतोट की ओर सामान लेकर जा रहा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। जानकारी के अनुसार यह घटना दोपहर करीब 2 बजे की है।

ट्रक के सड़क पर पलटने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही आंशिक रूप से प्रभावित रही और कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए जेसीबी मशीन की सहायता से ट्रक को सड़क से हटाने का कार्य शुरू किया, जिसके बाद मार्ग को धीरे-धीरे सुचारु करने के प्रयास किए गए। घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने संकरे और तीखे मोड़ों वाले पहाड़ी मार्गों पर वाहन चालकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उनका कहना है कि सतर्कता और नियंत्रित गति से वाहन चलाकर ऐसे संभावित हादसों से बचा जा सकता है।

अलका बनीं एसएमसी अध्यक्ष चैनो राम उपाध्यक्ष निर्वाचित

लिल्ह स्कूल में प्रधानाचार्य संजीव की अध्यक्षता में हुई बैठक।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लिल्ह में प्रधानाचार्य संजीव कुमार की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई गई।

मतदान के उपरांत अलका को सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा चैनो राम को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनसे विद्यालय के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। बैठक के दौरान विद्यालय के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति की सक्रिय भागीदारी से शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा विद्यार्थियों के हित में प्रभावी पहल करने में मदद मिलेगी।

पुखरी में स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई उड़ान अल्ट्रा-पोर्टेबल एक्स-रे मशीन का शुभारंभ

एक्स-रे मशीन का शुभारंभ करते मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा डॉ. जालम भारद्वाज।

अनंत ज्ञान

चंबा/पुखरी। ब्लॉक मुख्यालय पुखरी में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अल्ट्रा-पोर्टेबल हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा डॉ. जालम भारद्वाज ने किया।

इस अवसर पर बीएमओ पुखरी डॉ. नवदीप राठौर ने उनका स्वागत करते हुए संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हरित पुरी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। उद्घाटन के तुरंत बाद मरीजों और प्रमुख जनसंख्या समूहों के लोगों की एक्स-रे जांच की गई। कार्यक्रम के बाद सीएमओ ने स्वास्थ्य संस्थान के ओपीडी, प्रयोगशाला, फार्मेसी और आईपीडी वार्ड का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया और व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। डेंटल ओपीडी के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी सामने आई कि पिछले तीन महीनों में 16 लोगों को कृत्रिम दांत (डेंचर) उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें 10 लाभार्थी बीपीएल परिवारों से हैं। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए सीएमओ ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना सराहनीय पहल है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बीएमओ डॉ. नवदीप राठौर और उनकी पूरी टीम की प्रशंसा की।

भटाडा स्कूल में एसएमसी कमेटी का गठन, व्यास देव दूसरी बार बने अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, भरमौर। राजकीय माध्यमिक पाठशाला भटाडा (यू/सी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला उल्लासा) में बुधवार को स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन की उपस्थिति में सर्वसम्मति से श्री व्यास देव को दूसरी बार एसएमसी अध्यक्ष चुना गया।

व्यास देव ने सभी अभिभावकों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के विकास एवं छात्रों के हितों से जुड़े सभी कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। उन्होंने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया। बैठक के दौरान विद्यालय के विकास, शैक्षणिक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए अपने सुझाव भी साझा किए।

अंजु कुमारी की पहल लाई रंग, वर्षों पुराना पेयजल संकट हुआ खत्म

पेयजल समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। ग्राम पंचायत निहुई के वार्ड भटका के अंतर्गत आने वाले डिढौली, भटका और शक्तिदेहरा गांवों में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का समाधान होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। क्षेत्रवासियों ने इस उपलब्धि का श्रेय चकलू वार्ड से जिला परिषद सदस्य अंजु कुमारी को देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की है।

ग्रामीणों के अनुसार पानी की कमी के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या लगातार बनी रहने के बावजूद समाधान नहीं निकल पा रहा था। ऐसे में अंजु कुमारी ने मामले को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय स्थापित किया। ग्रामीणों ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि जनप्रतिनिधि इसी तरह जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें तो जनता की समस्याओं का भी प्रभावी समाधान संभव है।

निस्वार्थ सेवा और श्रद्धा ही अन्न भंडार की सबसे बड़ी शक्ति: अमिताभ रुंगटा

अनंत ज्ञान

पंचकूला। धार्मिक दृष्टि से किसी भी अन्न भंडारे का सबसे बड़ा महत्व निस्वार्थ सेवा और श्रद्धा को दिया जाता है। केवल तिथि, नक्षत्र या योग से अधिक महत्वपूर्ण भाव, स्वच्छता, सम्मान पूर्वक भोजन परोसना और जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना माना जाता है। यह बात ट्रस्ट के संस्थापक एवं समाजसेवी अमिताभ रुंगटा ने पुरुषोत्तम दास रुंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा फेज-1, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला में आयोजित 220वें अन्न भंडारे के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में महादान माना गया है। जब यह सेवा निस्वार्थ भाव, समर्पण और मानवता की भावना के साथ की जाती है, तो इसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। अन्न भंडारे का उद्देश्य केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों तक सम्मान पूर्वक सहायता पहुंचाना भी है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने अन्न भंडारे में भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया तथा ट्रस्ट के सेवा कार्यों की सराहना की। ट्रस्ट के सदस्यों और स्वयंसेवकों ने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीजीसी लांडरां ने एआईसीटीई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का किया शुभारंभ

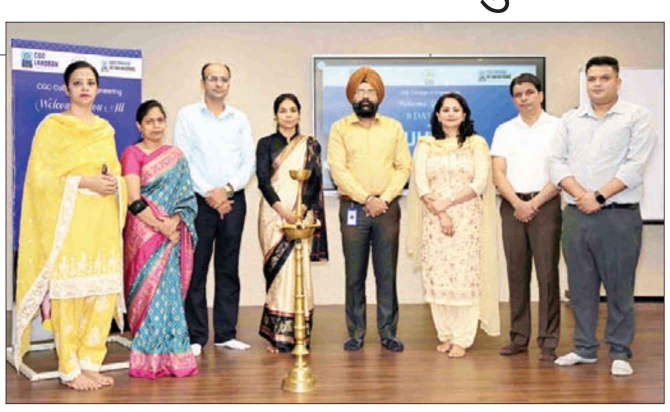

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेस (सीजीसी), लांडरां में यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज-2 विषय पर आठ दिवसीय एआईसीटीई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सीजीसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा डिपार्टमेंट ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर के सहयोग से किया गया है।

इस एफडीपी का उद्देश्य शिक्षकों को एक साझा मंच पर लाकर समकालीन शिक्षा में मूल्यों की भूमिका पर विचार-विमर्श और समझ को मजबूत करना है। कार्यक्रम का संचालन एआईसीटीई और एनसीसीआईपी के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है।

उद्घाटन समारोह में डॉ. गगनदीप भुल्लर ने कहा कि शिक्षा को केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसमें नैतिकता, आपसी सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। कैंपस डायरेक्टर डॉ. राजदीप सिंह ने कहा कि यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज समग्र शिक्षा की मजबूत नींव प्रदान करते हैं और आत्म-चिंतन एवं संवाद के माध्यम से सुख, समृद्धि और सामंजस्य को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के पहले दिन मूल्य-आधारित शिक्षा और आत्म-विश्लेषण पर विशेष चर्चा की गई। आगामी सात दिनों में विभिन्न संवाद सत्र, गतिविधियां और प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जिससे शिक्षकों को यूएचवी पाठ्यक्रम के प्रभावी संचालन में मदद मिलेगी।

अमन राठौर बिट्टू बने भाजपा युवा मोर्चा मंडल खरड़-3 के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, खरड़। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने संगठन विस्तार के तहत अमन राठौर बिट्टू को भाजपा युवा मोर्चा मंडल खरड़-3 का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत करना तथा युवाओं को पार्टी से जोड़ना बताया गया है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राणा रणजीत सिंह गिल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र सिंह राणा और मंडल अध्यक्ष कुश राणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष अमन राठौर बिट्टू को शुभकामनाएं देते हुए संगठन में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के दौरान गांव झंझेड़ी के ग्रामीणों ने राणा रणजीत सिंह गिल को अपनी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने सड़क, नालियां, फिरनी, पेयजल, बरसाती पानी की निकासी, बिजली आपूर्ति और धर्मशाला से जुड़ी समस्याओं का उल्लेख किया। ग्रामीणों ने फिरनी पर प्रीमिक्स डलवाने के लिए धन्यवाद भी व्यक्त किया और विकास कार्यों की सराहना की। इस पर राणा रणजीत सिंह गिल ने आश्वासन दिया कि सरकार बनने पर गांव की सभी बुनियादी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

नवनियुक्त अध्यक्ष अमन राठौर बिट्टू ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे तथा युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाएंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

ज्ञान ज्योति के कैडेट ने नेशनल स्तर शूटिंग में जीता सिल्वर

अनंत ज्ञान] गुरनाम सागर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। ज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, फेज-दो के एनसीसी कैडेट साहिल चौधरी ने इंटर ग्रुप शूटिंग कंपटीशन कैंप 2026 में 'ओपन प्रोन' वर्ग में रजत पदक जीतकर संस्थान का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता एनसीसी डायरेक्टोरेट (पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़) द्वारा आयोजित की गई थी।

प्रतियोगिता में क्षेत्र के आठ एनसीसी समूहों के शीर्ष निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। कैडेट साहिल चौधरी ने सटीक निशानेबाजी, मानसिक एकाग्रता और तकनीकी कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. अनीत बेदी ने कैडेट की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि साहिल चौधरी की यह सफलता उनके अनुशासन, समर्पण और कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि एनसीसी यूनिट के लिए गर्व का क्षण है। कैडेट साहिल चौधरी अब आगामी राष्ट्रीय स्तर के क्वालिफायर की तैयारी में जुट गए हैं।

अचीवर्स समिट-2026 में आरबीयू ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान

मोहाली। रयात बाहरा यूनिवर्सिटी द्वारा 9.0 या उससे अधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में 'अचीवर्स समिट 2026' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चांसलर गुरविंदर सिंह बाहरा, पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना तथा प्रो वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिक्षाविद, फैकल्टी सदस्य, अभिभावक और विद्यार्थी भी शामिल हुए।

चांसलर गुरविंदर सिंह बाहरा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सीखने की इच्छा का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बताया। प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के लिए तैयार करना है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. (डॉ.) सिमरजीत कौर ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए इसे उत्कृष्टता और समर्पण का उत्सव बताया। कार्यक्रम का समापन मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान और शैक्षणिक उत्कृष्टता को और बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

'लेट्स मूव' अभियान से भारत में बढ़ेगी खेल भागीदारी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) भारत में अपनी 'लेट्स मूव' पहल को लाने के लिए एक बार फिर अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन और रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर काम कर रही है। यह आईओसी का साल भर चलने वाला खेल भागीदारी अभियान है। इसका उद्देश्य ओलंपिक आंदोलन की ताकत और प्रेरणा के माध्यम से युवाओं को सक्रिय होने के लिए प्रोत्साहित और समर्थित करना है। अभिनव बिंद्रा, शूटिंग में ओलंपिक चैंपियन (बीजिंग 2008) ने कहा, 'ओलंपिक वैल्यूज एजुकेशन प्रोग्राम (ओवीईपी) ने 'लेट्स मूव' अभियान के साथ मिलकर खेल के माध्यम से भारत में पहले ही लाखों युवाओं को सशक्त बनाया है। इस अभियान ने अगली पीढ़ी को एक महत्वपूर्ण संदेश देना जारी रखा है: तुम यह कर सकते हो, तुम सक्षम हो, तुम कदम बढ़ाने के लिए तैयार हो। खेल के लाभ केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं। यह व्यक्तिगत विकास के लिए बहुत जरूरी है और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है।'

ओलंपिक वैल्यूज एजुकेशन प्रोग्राम (ओवीईपी) के माध्यम से चल रहे इस सहयोग के तहत और पिछले दो वर्षों के सफल अभियानों के बाद (जिसने 2 करोड़ युवाओं को सक्रिय होने में मदद की है), 'यू कैन डू दिस! लेट्स मूव' की शुरुआत 23 जून को ओलंपिक दिवस पर होगी। इसके तहत पूरे भारत में कई खेल गतिविधियों और डिजिटल कंटेंट की पेशकश की जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं को सक्रिय होने के लिए तैयार महसूस कराना और खेल के सभी लाभों का आनंद लेने में मदद करना है। 'यू कैन डू दिस! लेट्स मूव' आत्मविश्वास बढ़ाने में खेल की ताकत पर प्रकाश डालता है।

बॉलीवुड की पसंद बना तुर्किये, भारतीय यात्रियों को दे रहा सिनेमाई अनुभव

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। भारतीय दर्शकों के लिए तुर्किये की पहली झलक अक्सर फिल्मों के जरिए ही सामने आई है- चाहे वह इस्तांबुल की छतों पर फिल्माया गया एक्शन सीन हो या कप्पाडोसिया की अनोखी चट्टानों के बीच रोमांटिक गाने। दो दशकों से अधिक समय से तुर्किये बॉलीवुड फिल्ममेकर्स की पसंदीदा शूटिंग लोकेशंस में शामिल रहा है।

इस्तांबुल के हागिया सोफिया, ग्रैंड बाजार, बॉस्फोरस स्ट्रेट और मेडेन्स टॉवर जैसी जगहें कई बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म 'एक था टाइगर' ने मेडेन्स टॉवर को भारतीय दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई, जबकि 'बेबी', 'दिल धड़कने दो' और 'गुरु' जैसी फिल्मों ने भी इस्तांबुल की लोकेशंस को पर्दे पर जीवंत किया। ओटोमन वास्तुकला, आधुनिक शहरों, ऐतिहासिक बाजारों और प्राकृतिक दृश्यों के अनोखे मिश्रण के कारण तुर्किये फिल्ममेकर्स को एक ही देश में विविध दृश्य प्रदान करता है। यही वजह है कि भारतीय पर्यटकों के लिए यह देश पहले से ही परिचित-सा महसूस होता है। इस्तांबुल के साथ-साथ कप्पाडोसिया भी अपने अनोखे प्राकृतिक परिदृश्य के कारण बॉलीवुड की कल्पना का हिस्सा बन चुका है, जिससे तुर्किये टूरिज्म को भी नया आकर्षण मिला है।

एनटीए खुद एक बड़ा स्कैम : अनुराग शर्मा

नीट पेपर लीक पर केंद्र सरकार को घेरा, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो धर्मशाला। राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने धर्मशाला में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बार-बार नीट (हश्वश्व) परीक्षा का पेपर लीक होना देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर हर वर्ष पेपर लीक की घटनाएं क्यों सामने आ रही हैं और इन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं।

अनुराग शर्मा ने कहा कि नीट पेपर लीक प्रकरण से कई छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि इस मामले से जुड़े कुछ छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाएं बेहद दुखद हैं और कांग्रेस पार्टी कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले पेपर लीक से युवाओं का परीक्षा प्रणाली से विश्वास उठता जा रहा है। राज्यसभा सांसद ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब लगातार परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

अनुराग शर्मा ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आज तक एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीए खुद एक बड़े स्कैम का रूप ले चुकी है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने आज से देशव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। इसके तहत कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर युवाओं को केंद्र सरकार की नीतियों और परीक्षा प्रणाली में सामने आई खामियों के बारे में जागरूक करेंगे।

नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस ने शुरू किया 'छात्रों की गूंज' अभियान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी ऊना ने 'छात्रों की गूंज' अभियान का शुभारंभ किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष देशराज गौतम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस महासचिव विकास ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ गगरेट के विधायक राकेश कालिया भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी, यूथ कांग्रेस, सेवा दल, एसी सेल, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। प्रदेश कांग्रेस महासचिव विकास ठाकुर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देशभर में लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए कथित घोटालों ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है और युवाओं का परीक्षा प्रणाली से भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है। विकास ठाकुर ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा नीतियों और व्यवस्थाओं के कारण छात्रों पर मानसिक दबाव बढ़ा है, जिसके गंभीर परिणाम भी सामने आए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा कि नीट पेपर लीक मामले की नैतिक जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से हटाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि जब तक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होती और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक कांग्रेस छात्रों की आवाज बुलंद करती रहेगी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष देशराज गौतम ने कहा कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर चिंतित है और केंद्र सरकार युवाओं के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी आवाज को हर स्तर पर उठाने का कार्य करेगी।

गौतम ने कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी तथा युवाओं को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। बैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने तथा छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

कृषि मंडी समितियों के अध्यक्षों का मानदेय बढ़ाने की तैयारी

अनंत ज्ञान

- 24 से बढ़ाकर 60 हजार रुपए प्रति माह करने का प्रस्ताव
- आठ समितियों के अध्यक्षों और गैर सरकारी सदस्यों को मिलेगा लाभ

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल सरकार ने कृषि एवं बागवानी उपज विपणन समितियों के अध्यक्षों के मानदेय में बड़ी बढ़ोतरी करने की तैयारी की है। कृषि विभाग ने अध्यक्षों का मासिक मानदेय 24 हजार रुपये से बढ़ाकर 60 हजार रुपये करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके साथ ही समितियों के गैर सरकारी सदस्यों को प्रत्येक बैठक के लिए 3000 रुपये बैठक भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। इस प्रस्ताव को लेकर प्रदेशभर में चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि इससे कृषि मंडी समितियों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका और अधिक प्रभावी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार कृषि विभाग ने इस संबंध में हिमाचल प्रदेश कृषि एवं उद्यानिकी उपज विपणन (वित्तीय) नियम, 2006 में संशोधन का प्रारूप जारी कर दिया है। प्रस्तावित संशोधन पर आम जनता, संबंधित हितधारकों और संस्थाओं से 30 दिनों के भीतर सुझाव और आपत्तियां मांगी गई हैं। विभाग का कहना है कि प्राप्त सुझावों और आपत्तियों के अध्ययन के बाद अंतिम अधिसूचना जारी की जाएगी। प्रदेश में वर्तमान समय में आठ कृषि उपज विपणन समितियां कार्यरत हैं, जबकि इनमें करीब 60 गैर सरकारी सदस्य शामिल हैं।

सरकार का मानना है कि मानदेय और बैठक भत्ते में वृद्धि से मंडी समितियों में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ेगी तथा कृषि उपज के विपणन और प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। बता दे कि लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मंडी समितियां किसानों और बागवानों की उपज के विपणन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

कांग्रेस को संविधान पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : सुरेश भारद्वाज

आपातकाल लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय, देश को बना दिया था जेल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा है कि कांग्रेस को संविधान और लोकतंत्र की दुहाई देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के रूप में कांग्रेस ने ही किया था। उन्होंने शिमला में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए देशभर में आपातकाल लागू किया, जिससे मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई और विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया।

शिमला में पत्रकारों को संबोधित करते भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए संविधान में कई संशोधन किए तथा न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने का प्रयास किया।

सुरेश भारद्वाज ने कहा कि भाजपा 25 जून को पूरे देश में 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाएगी ताकि

- कहा- नई पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई बताएगी भाजपा

युवाओं और नई पीढ़ी को आपातकाल के दौर की वास्तविकता से अवगत कराया जा सके। उन्होंने बताया कि शिमला में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल मुख्य वक्ता होंगे और आपातकाल से जुड़े तथ्यों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। साथ ही लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों और उनके परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए उस दौर के संघर्षों को याद रखना आवश्यक है।

एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा में आंचल शर्मा ने रचा इतिहास

अनंत ज्ञान, बड़सर/ हमीरपुर। एम्स द्वारा आयोजित एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा-2026 में बड़सर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम करेर की होनहार छात्रा आंचल शर्मा ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र, जिला और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इस अद्वितीय उपलब्धि पर विधायक बड़सर इंद्रदत्त लखनपाल ने आंचल शर्मा और उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

- ऑल इंडिया लेवल पर पहले स्थान पर रहीं
- सीएम और विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने होनहार बेटी की मेहनत, लगन और समर्पण ने यह प्रमाणित किया है कि दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा की प्रदेश की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। जिला हमीरपुर राजपूत महासभा महासचिव और राजपूत कल्याण सभा के अध्यक्ष जोगिंदर ठाकुर, प्रवक्ता विक्रम ठाकुर, पैटर्न यशपाल मन्हास, कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप ठाकुर, बंटी ठाकुर, धर्म सिंह ठाकुर, महिंद्र भारद्वाज, प्रवीण लक्की उपाध्यक्ष सतीश बन्याल, महासचिव अजय रानोत, वित्त सचिव विनोद, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंद्र सकलानी सहित सभी सदस्यों ने इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बेटी को उसके परिवार सहित बधाई दी।

स्व. वीरभद्र सिंह कुटलैहड़ को मानते थे अपना विधानसभा क्षेत्र : विक्रमादित्य

छह बार मुख्यमंत्री रहते हुए विकास कार्यों को दी थी प्राथमिकता

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ प्रवास पर पहुंचे लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपने संबोधन के दौरान अपने पिता एवं हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे राजा वीरभद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उनकी यादें साझा कीं। उन्होंने कहा कि स्व. वीरभद्र सिंह भले ही पूरे हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों, लेकिन वे हमेशा कहा करते थे कि कुटलैहड़ उनका अपना विधानसभा क्षेत्र है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि स्व. वीरभद्र सिंह का कुटलैहड़ की जनता से विशेष आत्मीय रिश्ता था। वह इस क्षेत्र के लोगों के स्नेह और विश्वास को कभी नहीं भूलते थे तथा क्षेत्र के विकास को हमेशा प्राथमिकता देते थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी स्व. वीरभद्र सिंह का प्रयास रहता था कि कुटलैहड़ में विकास कार्यों की कोई कमी न रहे और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो। उन्होंने कहा कि वर्ष 1993 से लेकर 2022 तक कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में छह बार भारतीय जनता पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। इसके बावजूद स्व. वीरभद्र सिंह ने कभी राजनीतिक भेदभाव नहीं किया और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुटलैहड़ में जीत दर्ज की और इसके बाद प्रदेश सरकार इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में विकास को नई गति दे रही है। कुटलैहड़ विधान सभा क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्व. राजा वीरभद्र सिंह की कार्यशैली और जनता के प्रति समर्पण आज भी उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार कुटलैहड़ के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेगी।

उनके संबोधन के दौरान उपस्थित लोगों ने स्व. वीरभद्र सिंह को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए तालियों से उनका सम्मान किया।

अस्थायी अवसर में भी सैकड़ों युवाओं को दिखा रोजगार का बड़ा सहारा

एचआरटीसी चालक बनने को उमड़े युवा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम में अस्थायी चालक भर्ती के लिए प्रदेशभर में युवाओं का उत्साह देखने को मिल रहा है। विभिन्न क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालयों में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी दस्तावेज सत्यापन और चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पहुंच रहे हैं। भले ही यह भर्ती अस्थायी आधार पर की जा रही हो, लेकिन रोजगार की तलाश में जुटे युवाओं के लिए यह अवसर उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। कई अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्तमान समय में रोजगार के सीमित अवसरों के बीच कुछ समय के लिए ही सही, नौकरी मिलना भी बड़ी राहत है। शिमला पहुंचे कंडरू निवासी अरुण कुमार ने बताया कि उन्हें पूरी जानकारी है कि यह भर्ती केवल अस्थायी व्यवस्था के लिए की जा रही है और भविष्य में नियमित कर्मचारियों की वापसी के बाद उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है। इसके बावजूद उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में हिस्सा लेने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि प्रदेश में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है और युवा रोजगार के किसी भी अवसर को छोड़ना नहीं चाहते। इसी तरह अन्य अभ्यर्थियों ने भी कहा कि वे अनुभव प्राप्त करने और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। वहीं, कुमारसेन निवासी मोंटू ने बताया कि वह पिछले 10 से 12 वर्षों से भारी वाहन चला रहे हैं और चालक भर्ती के लिए साक्षात्कार देने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों से आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा मेडिकल संबंधी दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जिसके बाद ड्राइविंग टेस्ट आयोजित होगा। भर्ती केंद्रों पर उमड़ी भीड़ यह संकेत दे रही है कि प्रदेश में रोजगार की मांग लगातार बढ़ रही है और युवा किसी भी उपलब्ध अवसर का लाभ उठाने के लिए पूरी तैयारी के साथ आगे आ रहे हैं।

एचआरटीसी कर्मियों को सीटू का खुला समर्थन

कहा, कर्मियों की मांगें नहीं मानी थीं प्रदेशभर में होगा मजदूरों का आंदोलन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम कर्मचारियों के आंदोलन को नया बल देते हुए सीटू राज्य कमेटी हिमाचल प्रदेश ने हड़ताल और आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। सीटू ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कर्मचारियों के लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने या दमनात्मक कार्रवाई करने का प्रयास किया गया तो प्रदेशभर के मजदूर संगठनों को लामबंद कर व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा। सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा और महासचिव प्रेम गौतम ने संयुक्त बयान जारी कर प्रदेश सरकार पर कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों द्वारा अपने अधिकारों के लिए किए जा रहे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक संघर्ष को कुचलने की कोशिश लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है तथा इससे कर्मचारियों में गहरा रोष व्याप्त है। सीटू नेताओं ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद-19, ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926 तथा औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 कर्मचारियों को अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करने का अधिकार प्रदान करते हैं। ऐसे में हड़ताल को रोकने के लिए एस्मा लागू करना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और तानाशाही कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि एचआरटीसी कर्मचारी कई वर्षों से अपने मूलभूत अधिकारों और वित्तीय देयों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिख रही।

टकराव का रास्ता छोड़े सरकार

सीटू ने यह भी आरोप लगाया कि कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के बजाय आंदोलनकारी कर्मचारी नेताओं के तबादले किए जा रहे हैं और समानांतर रूप से अस्थायी भर्तियों की प्रक्रिया शुरू कर आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि पेंशनरों की स्थिति और भी अधिक चिंताजनक है, क्योंकि ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, संशोधित पेंशन, चिकित्सा बिलों और अन्य देयों का भुगतान समय पर नहीं हो रहा। सीटू ने प्रदेश सरकार से टकराव का रास्ता छोड़कर संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की अपील करते हुए कहा कि यदि कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी जारी रही और आंदोलन को दबाने का प्रयास किया गया, तो यह संघर्ष केवल एचआरटीसी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे प्रदेश के मजदूर वर्ग की एकजुट लड़ाई का रूप ले सकता है।

सियासत हाईकमान ने राठौर खेमे के हरिकृष्ण हिमराल पर खेला दांव, राजस्व मंत्री के गढ़ में निगम भंडारी की एंट्री

डेढ़ साल बाद हुई शिमला और किन्नौर कांग्रेस अध्यक्षों की ताजपोशी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में लंबे अरसे से चली आ रही संगठनात्मक अनिश्चितता पर आखिरकार विराम लग गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने शिमला ग्रामीण और किन्नौर जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्तियों को मंजूरी देकर प्रदेश संगठन में नई जान फूंकने का प्रयास किया है। जानकारी के अनुसार शिमला ग्रामीण की कमान हरिकृष्ण हिमराल को सौंपी गई है, जबकि किन्नौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेगी निगम भंडारी पर भरोसा जताया गया है। राजनीतिक गलियारों में इन फैसलों की गूंज इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि दोनों जिलों में अध्यक्ष पद लंबे समय से खाली पड़े थे और कई प्रभावशाली नेताओं के समर्थक

- सियासी बिसात पर नए मोहरे, कई दिग्गजों की दावेदारी पर लगा विराम

अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए लॉबिंग कर रहे थे। ऐसे में हाईकमान ने एक झटके में कई संदेश देने की कोशिश की है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो इन नियुक्तियों के जरिए प्रदेश नेतृत्व, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और संगठन के विभिन्न शक्ति केंद्रों के बीच संतुलन साधने का प्रयास किया गया है।

किन्नौर में निगम भंडारी की ताजपोशी को सबसे ज्यादा चर्चा मिल रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला भविष्य की राजनीति के सीधे संकेत भी देता है। भंडारी को युवा और

आक्रामक राजनीतिक चेहरा माना जाता है, जबकि वह लंबे समय से राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखे जाते रहे हैं। ऐसे में किन्नौर में उनकी नियुक्ति ने सियासी फिज़ा में नई बहस छेड़ दी है। वहीं, शिमला ग्रामीण में हरिकृष्ण हिमराल की नियुक्ति को कुलदीप सिंह राठौर खेमे के प्रभाव और संगठन में उनकी स्वीकार्यता के तौर पर देखा जा रहा है। इस पद के लिए सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू, पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर विक्रमादित्य सिंह व प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार के करीबी नेताओं के नाम भी चर्चा में थे, लेकिन आखिरकार हाईकमान ने हिमराल पर दांव खेलकर यह स्पष्ट संकेत दिया कि संगठनात्मक फैसलों में अंतिम मुहर दिल्ली की ही रहेगी।

कांग्रेस के भीतर यह भी माना जा रहा है कि इन दोनों नियुक्तियों के जरिए पार्टी ने युवाओं और अनुभवी नेतृत्व के बीच एक नया तवाज़ुन (संतुलन) कायम करने की कोशिश की है। लंबे समय से ठहरे संगठन को रफ्तार देने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी अब इन नए जिला अध्यक्षों के कंधों पर होगी। पार्टी के अंदरूनी हलकों में इसे नई ऊर्जा और नई उम्मीदों का आगाज़ माना जा रहा है।

पार्टी संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुटी

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन नियुक्तियों का असली असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस अभी से अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुट गई है। जिला अध्यक्षों की तैनाती केवल संगठन चलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि टिकट वितरण, कार्यकर्ता प्रबंधन, गुटीय संतुलन और चुनावी रणनीति में भी उनकी अहम भूमिका रहती है। ऐसे में किन्नौर और शिमला ग्रामीण में हुए ये फैसले भविष्य की सियासत का रुख तय करने वाले साबित हो सकते हैं। फिलहाल इतना तय है कि हाईकमान ने इन नियुक्तियों के जरिए प्रदेश कांग्रेस को यह पैगाम दे दिया है कि अब संगठन में नई रफ्तार, नया जोश और नए समीकरणों का दौर शुरू होने जा रहा है।

चंबा में भाजपा को टॉस से मिली बीडीसी की कमान

अनंत ज्ञान

चंबा। चंबा के बीडीसी अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनाव ने जिले की राजनीति में नया मोड़ ला दिया। चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 15 सदस्यों के समर्थन का दावा किया जा रहा था, जबकि कांग्रेस के पास महज 3 सदस्यों का समर्थन होने की चर्चा थी, लेकिन मतदान के समय तस्वीर पूरी तरह बदल गई और मुकाबला 9-9 की बराबरी पर पहुंच गया। बराबरी की स्थिति बनने के बाद अध्यक्ष पद का फैसला टॉस के जरिए हुआ, जिसमें भाजपा ने बाजी मार ली। इसके साथ ही भाजपा समर्थित काजल अध्यक्ष और हेम सिंह उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

हालांकि, चुनाव परिणाम के बाद राजनीतिक गलियारों में सबसे अधिक चर्चा इस बात की रही कि 15-3 के दावों के बावजूद मुकाबला आखिर 9-9 तक कैसे पहुंच गया। कांग्रेस खेमे ने इसे अपने संगठन की मजबूती और सदर विधायक नीरज नैय्यर के नेतृत्व पर कार्यकर्ताओं एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों के विश्वास का प्रमाण बताया। कांग्रेस समर्थकों का कहना है कि सदर विधायक नीरज नैय्यर ने लगातार जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर लोगों से सीधा संवाद बनाए रखा, विकास के मुद्दों को प्राथमिकता दी और संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर काम किया। उनका दावा है कि यही कारण रहा कि शुरुआती राजनीतिक आकलनों के विपरीत कांग्रेस मुकाबले को बराबरी तक ले जाने में सफल रही। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश भी जोर पकड़ रहा है कि 'टॉस से कुर्सी मिल सकती है, लेकिन जनविश्वास और राजनीतिक स्वीकार्यता मेहनत, ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता से अर्जित होती है।'